अलविदा 2025

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

» वर्ष 69 » अंक 93 पृष्ठ 12
» भोपाल, बुधवार 31 दिसम्बर 2025
» पौष शुक्ल पक्ष 12, विक्रम संवत् 2082
» महानगर » मूल्य 5 रुपए

www.dainikjagranmpcg.com

ऑफ बीट

रेलवन से जनरल टिकट पर 3 फीसदी डिस्काउंट

भारतीय रेलवे ने रेलवन एप के जरिए अनारक्षित (जनरल) टिकट बुक करने पर किराए में 3 फीसदी का डिस्काउंट देने का ऐलान किया है। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह ऑफर 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक यानी 6 महीने के लिए लागू रहेगा। रेलवे ने मंगलवार को सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम (सीआरआईएस) को लेटर भेजकर सॉफ्टवेयर में बदलाव करने को कहा है। खास बात यह है कि यह डिस्काउंट सिर्फ आर-वॉलेट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि किसी भी डिजिटल पेमेंट मोड (जैसे यूपीआई, क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग) से भुगतान करने पर मिलेगा। रेलवे के मुताबिक, अभी रेलवन एप पर आर-वॉलेट से पेमेंट करने पर 3 फीसदी कैशबैक मिलता है, जो आगे भी जारी रहेगा।

निवेशकों के लिए कुछ बदलावों के साथ 2026 की शुरुआत, आखिरी तिमाही के लिए समीक्षा आज

सेविंग्स-स्कीम्स की ब्याज दरों में कटौती संभव

केंद्र सरकार आज करेगी ब्याज दरों का फैसला

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के करोड़ों निवेशकों के लिए साल 2026 की शुरुआत कुछ बदलावों के साथ हो सकती है। केंद्र सरकार जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के लिए स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की ब्याज दरों की समीक्षा करने वाली है। जानकारों का मानना है कि इस बार पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाय) और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) जैसी स्कीम्स की ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। वित्त मंत्रालय इस संबंध में 31 दिसंबर 2025 तक आधिकारिक घोषणा कर सकता है।

स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरें तय करने के लिए सरकार 'श्यामला गोपीनाथ कमेटी' के फॉर्मूले का इस्तेमाल करती है। इसके तहत इन योजनाओं की दरें सरकारी बॉन्ड (जी-एसईसी) के यील्ड पर आधारित होती हैं। पिछले कुछ महीनों में 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड में गिरावट देखी गई है।

सितंबर से दिसंबर 2025 के बीच यह औसतन 6.54 फीसदी के करीब रही है। फॉर्मूले के हिसाब से इसमें 0.25 फीसदी का स्प्रेड जोड़ने पर पीपीएफ की दर करीब 6.80 फीसदी होनी चाहिए, जबकि अभी यह 7.1 फीसदी मिल रही है। यही अंतर कटौती की संभावना को बढ़ा रहा है। सरकार ने स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की ब्याज दरों में आखिरी बार अप्रैल 2024 में बदलाव किए थे, तब से ये स्थिर बनी हुई हैं।

फिलहाल किस पर कितना ब्याज?

8.2	फीसदी सीनियर सिटिजन सेविंग
8.2	फीसदी सुकन्या समृद्धि स्कीम
7.7	फीसदी एनएससी
7.5	फीसदी किसान विकास पत्र
7.5	फीसदी 5 साल की एफडी
7.4	फीसदी मंथली इनकम स्कीम
7.1	फीसदी पीपीएफ
7.1	फीसदी 3 साल की एफडी
7.0	फीसदी 2 साल की एफडी
6.9	फीसदी 1 साल की एफडी
6.7	फीसदी 5 साल की आरडी
4.0	फीसदी सेविंग डिपॉजिट

रेपो रेट कट का भी दिखा असर

2025 के दौरान रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट में करीब 1.25 फीसदी तक की कटौती की है। इसके बाद बैंकों ने भी अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) दरों को कम करना शुरू कर दिया है। रिटेल महंगाई दर में आई कमी भी सरकार को ब्याज दरें घटाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। आमतौर पर जब बाजार में ब्याज दरें गिरती हैं, तो सरकार भी डाकघर की योजनाओं पर बोझ कम करने के लिए दरों में संशोधन करती है।

मध्य वर्ग, बुजुर्गों पर होगा असर

देश में बड़ी संख्या में लोग सुरक्षित निवेश के लिए डाकघर की योजनाओं पर निर्भर हैं। खासकर सीनियर सिटीजन अपनी नियमित आय के लिए एससीएसएस (अभी 8.2 फीसदी ब्याज) का सहारा लेते हैं। वहीं, बेटियों के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना (8.2 फीसदी) सबसे लोकप्रिय है। अगर सरकार ब्याज दरों में कटौती करती है, तो मध्य वर्गीय परिवारों और पेंशनभोगियों की मासिक कमाई पर सीधा असर पड़ेगा।

एक्सपर्ट्स बोले : फैसला पूरी तरह सरकार के हाथ में

फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स का मानना है कि भले ही फॉर्मूला दरें घटाने की ओर इशारा कर रहा है, लेकिन सरकार इसे टाल भी सकती है। वित्त मंत्रालय अक्सर छोटे निवेशकों के हितों और सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फॉर्मूले से हटकर फैसले लेता है। पिछले कई मौकों पर बॉन्ड यील्ड गिरने के बावजूद दरों को नहीं बदला गया था ताकि आम जनता को बचत पर नुकसान न हो।

संक्षिप्त खबरें

भारत ने तीसरी बार 5-0 से जीती टी-20 सीरीज

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार को श्रीलंका को आखिरी टी-20 मैच में 15 रनों से हरा दिया और 5-0 से क्लीन स्वीप किया। यह पहला मौका है, जब श्रीलंका ने 5-0 से कोई सीरीज गंवाई है। यह तीसरी बार है जब टीम ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। 2019 में वेस्टइंडीज और पिछले साल बांग्लादेश को 5-0 से हराया था। प्लेयर ऑफ द मैच कप्तान हरमनप्रीत कौर (68) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवरों में सात विकेट पर 160 रन ही बना सकी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा प्लेयर ऑफ द सीरीज आंकी गईं।

(विस्तृत समाचार पेज-10)

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया का निधन

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश की पहली महिला पीएम और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 6 बजे ढाका में निधन हो गया। 80 साल की जिया 20 दिनों से वेंटिलेटर पर थीं। सीने में इन्फेक्शन, लिवर, किडनी, डायबिटीज, गठिया और आंखों की परेशानी से जूझ रहीं थीं। उनके परिवार और पार्टी नेताओं ने निधन की पुष्टि की है। वे 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं।

स्पेशल पेज-8

2025 गुजरता साल यादगार लम्हे

भोपाल में विकास और उपलब्धियों के साथ भ्रष्टाचार के बड़े मामलों ने भी ध्यान खींचा (पेज-11 पर)

अंदर के पन्नों पर

- भड़के शिवराज, जीरामजी पर पंजाब सरकार के निंदा...(पेज-05)

- किसान की आंखों में मिर्ची झोंककर लूटे 25 लाख...(पेज-09)
- घरेलू लिस्ट-ए क्रिकेट मैच से दूर होती अंतरराष्ट्रीय पीढ़ी...(पेज-10)
- शाह बोले-ममता घुसपैठ नहीं रोक सकतीं क्या पहलगाम...(पेज-11)
- मृत किसान की करोड़ों की जमीन फर्जी पावर ऑफ...(पेज-12)

नए साल से पहले बड़ी खुशखबरी!

जापान को पछाड़ चौथी अर्थव्यवस्था बना भारत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर एक बड़ी खबर है। साल के अंत में जारी आर्थिक समीक्षा के मुताबिक, भारत ने अब जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा किया है। सरकार का कहना है कि भारत का कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.18 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि 2026 में जारी होने वाले अंतिम आंकड़ों के बाद ही होगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का अनुमान है कि 2026 में भारत की जीडीपी 4.51 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है, जबकि जापान की 4.46 ट्रिलियन डॉलर, यानी भारत का आगे निकलना लगभग तय माना जा रहा है।

हालांकि, तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि कुल जीडीपी के मामले में आगे बढ़ने के बावजूद आम भारतीय की आय अभी भी काफी कम है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत की प्रति व्यक्ति आय सिर्फ 2,694 डॉलर रही, जो जापान से 12 गुना और जर्मनी से करीब 20 गुना कम है।

2030 तक तीसरी इकोनॉकी होगा भारत

सरकार इससे भी आगे की उम्मीद कर रही है। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि अगर मौजूदा रफ्तार बनी रही तो भारत अगले ढाई से तीन साल में जर्मनी को भी पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। अनुमान है कि 2030 तक भारत की जीडीपी 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। सरकार का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और व्यापारिक दबावों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है और देश दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

सोशल मीडिया: केंद्र की चेतावनी

अश्लील कंटेंट पर कंपनी व यूजर दोनों पर होगा केस

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अश्लील कंटेंट को लेकर चेतावनी जारी की। इसमें कहा गया है कि कंपनियां अश्लील, भद्दे, पोर्नोग्राफिक, बच्चों से जुड़े यौन शोषण वाले और गैर-कानूनी कंटेंट पर तुरंत रोक लगाएं। यदि कंपनियां ऐक्शन नहीं लेंगी तो उन पर केस चलेगा। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी ने सोमवार को जारी एडवाइजरी में इंटरनेट प्लेटफॉर्म को आईटी एक्ट के संबंध में अपने कंप्लायंस फ्रेमवर्क की समीक्षा करने के लिए कहा है। अगर सोशल मीडिया कंपनियां कानून और नियमों का पालन नहीं करेंगी, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। सिर्फ कंपनियां ही नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म और यूजर्स-दोनों पर केस दर्ज किया जा सकता है। कई प्लेटफॉर्म गलत और अश्लील कंटेंट को पहचानने और हटाने में ढिलाई बरत रहे हैं। इसलिए अब कंपनियों को ऐसे कंटेंट पर नियमित और तेजी से कार्रवाई करनी होगी। सरकार चाहती है कि सोशल मीडिया पर कोई भी व्यक्ति ऐसा कंटेंट डाले या शेयर न करें जो अश्लील या गंदा हो, पोर्नोग्राफिक हो, बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा हो, बच्चों के लिए नुकसानदायक हो, या किसी भी तरह से कानून के खिलाफ हो।

होईकोर्ट ने कहा, बच्चों के लिए बैन हो सोशल मीडिया

मद्रास हाईकोर्ट ने 26 दिसंबर को केंद्र सरकार को सुझाव दिया था कि ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई जाए। हाईकोर्ट ने कहा था कि इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं से किया सीधे संवाद

सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में कर रही है काम : सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, मप्र में महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। केंद्र ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है, तो राज्य सरकार ने प्रदेश के नगरीय निकायों और शासकीय सेवाओं में भी 35 प्रतिशत स्थान आरक्षित किया है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को अपने निवास पर सशक्त नारी-समर्थ नारी कार्यक्रम में प्रबुद्ध महिलाओं, आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं तथा ड्रोन दीदीयों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में बहनें आज सेनाओं में भी शीर्ष पद प्राप्त कर रही हैं। प्रदेश की बहनें आर्थिक-सामाजिक रूप से संपन्न और आत्मविश्वास से भरी हों, इसके लिए सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की है। प्रदेश में महिलाओं को उद्योग स्थापित करने सब्सिडी दी जाती है। अधिक से अधिक बहनें संपत्ति की मालिक बनें, इसके लिए रजिस्ट्री में अतिरिक्त 2 प्रतिशत छूट दी जा रही है। हमारे परिवार में बहू भी बेटी समान है, और दोनों ही दुलार, स्नेह और सम्मान की बराबर की हकदार हैं। डॉ. यादव ने महिला उद्यमियों के स्टार्ट-अप में उपलब्ध अवसरों पर चर्चा करते हुए कहा, मप्र वह राज्य है, जो औद्योगिक विकास में सबसे तेज गति से बढ़ रहा है। सरकार बीते 2 वर्षों से स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित कर रही है,इनमें अधिकांश का नेतृत्व प्रदेश की महिला उद्यमी कर रही हैं। प्रदेश में लागू की गईं 18 नई नीतियों में महिलाओं को केंद्र में रखा गया है। गुजरात मॉडल पर औद्योगिक विकास को गति देने के लिए भोपाल में पहली बार जीआईएस का आयोजित की गई। उससे पहले संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की गईं। डॉ. यादव ने कहा कि बहन-बेटियों से इस प्रकार संवाद का क्रम आगामी माहों में भी जारी रहेगा। आज महिलाएं नहीं बहनें मेरे घर आयी हैं।

लाड़ली बहना से बदला घरों का वातावरण

सीएम ने कहा, सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक कार्य किए हैं। इसका प्रभाव सभी क्षेत्रों में दिख रहा है। लाड़ली बहना से घरों के वातावरण में बदलाव आया है। आर्थिक स्वावलंबन के साथ उनका आत्मविश्वास, आत्मसम्मान बढ़ा है। प्रदेश के कई जिलों में कलेक्टर, एसपी का दायित्व महिलाएं निभा रही हैं। सभी क्षेत्रों में महिलाएं पूर्ण दायित्व के साथ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं का निर्वहन कर रही हैं। शिक्षण संस्थाओं में भी बालिकाएं ही मेरिट लिस्ट में अग्रणी दिखाई देती है।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित जलापूर्ति से तीन लोगों की मौत, 35 से ज्यादा बीमार

जागरण, इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें दो महिलाएं हैं, जबकि 35 से अधिक लोग उल्टी-दस्त, पेट से जुड़ी गंभीर शिकायतों के चलते अस्पतालों में भर्ती हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंगलवार को अस्पताल पहुंचकर तत्काल राहत एवं इलाज के निर्देश दिए। मंगलवार सुबह नंदलाल पाल (73) की वर्मा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। डॉक्टरों ने मौत का शुरुआती कारण कार्डियक अरेस्ट बताया है। हालांकि, उन्हें 28 दिसंबर को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद भर्ती कराया था। परिजनों का कहना है कि दूषित पानी पीने के बाद ही तबीयत बिगड़ी थी। इलाके की दो महिलाओं की भी मौत हुई है। वर्मा हॉस्पिटल में मंगलवार को पांच नए मरीज भर्ती हुए हैं, जबकि दो को छुट्टी दी गई। यहां 20 मरीज भर्ती हैं। त्रिवेणी हॉस्पिटल व अन्य निजी अस्पतालों में भी मरीज भर्ती हैं। डॉक्टरों के अनुसार कई मरीजों की हालत स्थिर है, लेकिन नए मामलों के आने का सिलसिला थमा नहीं है। उधर, कांग्रेस ने प्रदर्शन कर अफसरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

पानी के सैंपल जांच के लिए भेजे

रहवासियों का कहना है कि बीते एक हफ्ते में करीब 150 लोगों ने उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत की है। क्षेत्र में नर्मदा जल सप्लाई होती है, लेकिन शुरुआती जांच में आशंका है कि हाल में खुदाई से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हुई या फिर पानी की टंकी में गंदगी पहुंची। स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम ने पानी के सैंपल जांच के लिए भेज दिए हैं।

दो-दो लाख मुआवजे की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यह घटना बेहद दुखद है। मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने उपचाररत प्रभावितों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। इसके साथ ही मरीजों के इलाज का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी।

इंडिगो ने पायलट्स का भत्ता 50% तक बढ़ाया

नई दिल्ली, जेएनएन। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने अपने पायलटों के अलाउंस में बढ़ोतरी की है। इससे एयरलाइन के करीब 5,000 पायलटों को सीधा फायदा मिलेगा। नए नियम 1 जनवरी से लागू होंगे। लेओवर के लिए कैप्टन को अब 2,000 की जगह 3,000 रुपए मिलेंगे। फर्स्ट ऑफिसर्स के लिए 1,000 से बढ़ाकर 1,500 रुपए कर दिया गया है। 'डेडहेडिंग ट्रिप्स' के लिए कैप्टन का भत्ता 3,000 से 4,000 रुपए और फर्स्ट ऑफिसर का 1,500 से 2,000 रुपए कर दिया गया है। डेडहेडिंग का मतलब जब क्रू ड्यूटी के लिए पैसेंजर के तौर पर ट्रैवल करते हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब पिछले दिनों रोस्टर से जुड़ी समस्याओं से एयरलाइन को 4,500 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ी थीं। पायलटों की नाराजगी दूर करने और उनका मनोबल बढ़ाने एयरलाइन मैनेजमेंट ने कई दौर की मीटिंग्स के बाद यह फैसला लिया है।

अहमदाबाद: सोशल मीडिया पोस्ट पर दो गुटों में पथराव

अहमदाबाद, जेएनएन। अहमदाबाद के साणंद स्थित कालाना गांव में मंगलवार सुबह दो समुदायों के लोगों के बीच हिंसक झड़प हो गई। यह विवाद पुरानी रंजिश को लेकर हुआ और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थरबाजी की। हिंसा का लाइव वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस कार्रवाई के डर से कई उपद्रवी खेतों में छिप गए थे। पुलिस ने ड्रोन की मदद से इन्हें पकड़ा। गांव से अब तक 40 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। गांव में भारी पुलिस बल तैनात है।

जानकारी के मुताबिक, गांव में रहने वाले युवाओं के दो गुटों के बीच पिछले कई सालों से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट को लेकर विवाद चल रहा है। इससे सोमवार को भी एक गुट के युवक को दूसरे गुट के युवकों ने पीट दिया था। इसके बाद दोनों तरफ से दर्जनों लोग आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों तरफ से लोगों की संख्या बढ़ गई और एक-दूसरे पर जमकर पथराव होने लगा। किसी तरह हालात काबू में हुए।

पुलिस ने ड्रोन उड़ाकर उपद्रवियों को पकड़ा

पुलिस कार्रवाई से बचने अधिकतर लोग भाग निकले थे। जब पुलिस की टीमें गांव पहुंची, तो देखा कि पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ था। ज्यादातर घरों में ताले लटके हुए थे। पुलिस ने गांव में तलाशी अभियान के दौरान ड्रोन कैमरों की मदद ली। ड्रोन कैमरों में गांव के बाहरी इलाकों और खेतों में छिपे हुए लोग नजर आए, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में लिया।

रिपोर्ट अमेरिकी थिंक टैंक का दावा: हाल ही में दोनों देशों ने हथियारों की खरीद बढ़ाई

26 में भारत-पाक युद्ध होगा, कश्मीर में आतंक बनेगा वजह

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका के बड़े थिंक टैंक काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (सीएफआर) ने चेतावनी दी है कि 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच फिर युद्ध हो सकता है। सीएफआर की रिपोर्ट 'कॉन्फ्लिक्ट्स टू वॉच इन 2026' के अनुसार, कश्मीर में आतंकी गतिविधियां बढ़ने से दोनों देशों के बीच टकराव की संभावना है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष होता है, तो उसका असर अमेरिका के हितों पर भी पड़ सकता है। हालांकि, जम्मू-कश्मीर में अभी कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं हुआ है, लेकिन खुफिया एजेंसियों के अनुसार इस सर्दी में जम्मू क्षेत्र में 30 से ज्यादा पाकिस्तानी आतंकी सक्रिय हैं। इधर, भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्ष विराम के बाद दोनों देशों ने हथियारों की खरीद तेज कर दी है।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष की भी आशंका

रिपोर्ट में एक और बड़े खतरे की ओर इशारा किया गया है। सीएफआर के मुताबिक, 2026 में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी सशस्त्र संघर्ष की संभावना है। हालांकि इसका असर अमेरिकी हितों पर कम होगा। अक्टूबर में 2600 किमी लंबी डूरंड लाइन पर पाकिस्तान और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच भीषण झड़पें हुई थीं। दोनों देशों की सेनाओं ने कई इलाकों में एक-दूसरे पर गोलीबारी की थी और सीमा चौकियां तबाह होने के दावे किए थे। इसके बाद दोनों देशों के रिश्ते और व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

अमेरिकी नीति निर्धारकों के लिए चेतावनी

सीएफआर की यह रिपोर्ट अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञों के सर्वे पर आधारित है। इसका मकसद अमेरिकी नीति-निर्माताओं को उन क्षेत्रों के बारे में सतर्क करना है, जहां भविष्य में संघर्ष भड़क सकता है। रिपोर्ट में संघर्षों को तीन श्रेणियों टियर-1, टियर-2 और टियर-3 में बांटा गया है, ताकि यह समझा जा सके कि कहां संघर्ष की संभावना और उसका असर कितना गंभीर हो सकता है। रिपोर्ट यह संकेत देती है कि दक्षिण एशिया आने वाले सालों में एक बार फिर बड़े भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बन सकता है, जिसमें भारत-पाकिस्तान और पाकिस्तान-अफगानिस्तान दोनों मोर्चों पर हालात बिगड़ने का खतरा बना हुआ है।

दुनिया के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध समेत 4 और बड़े खतरे

रूस-यूक्रेन युद्ध: 2026 में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और तेज हो सकता है। दोनों देश एक-दूसरे के शहरों और अहम ढांचों पर हमले बढ़ा सकते हैं। इससे यूरोप की सुरक्षा पर बड़ा असर पड़ेगा और अमेरिका के सीधे दखल की आशंका भी बनी रहेगी।

गाजा और वेस्ट बैंक में हिंसा: इजराइल-फिलिस्तीनियों के बीच गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में संघर्ष बढ़ने की संभावना है। हमास और इजराइली सेना के बीच टकराव से मानवीय संकट और गहराएगा, जिससे पूरा मध्य पूर्व अस्थिर हो सकता है।

चीन-ताइवान तनाव: चीन का ताइवान पर बढ़ता दबाव 2026 में बड़े सैन्य संकट का रूप ले सकता है। रिपोर्ट के अनुसार यह टकराव अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को सीधे युद्ध में खींच सकता है, इसलिए इसे उच्च प्रभाव वाला खतरा माना गया है।

ईरान-इजराइल टकराव: ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके समर्थित संगठनों के कारण इजराइल से सीधा युद्ध छिड़ने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया को युद्ध की आग में झोंक सकता है और अमेरिका के हितों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

यह है थिंक टैंक: सीएफआर अमेरिका का प्रमुख और प्रभावशाली थिंक टैंक है। 1921 में इसकी स्थापना हुई। संस्था अमेरिका की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर रिसर्च कर रिपोर्ट जारी करती है। सीएफआर में पूर्व राजनयिक, सैन्य अधिकारी, प्रोफेसर और नीति विशेषज्ञ होते हैं। इस थिंक टैंक की रिपोर्ट्स और सुझावों का असर अमेरिकी सरकार, व्हाइट हाउस और कांग्रेस की नीतियों पर भी पड़ता है। यह थिंक टैंक दुनियाभर के संकटों, युद्धों और भू-राजनीतिक हालात का आकलन कर भविष्य की संभावनाओं को लेकर चेतावनी देता है।

सीबीएसई: 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा में बदलाव

नईदिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं, 12वीं के टाइम टेबल में बदलाव किया है। बोर्ड ने उन पेपर के टाइम टेबल बदले हैं, जो 3 मार्च को होने थे। बोर्ड के अनुसार, यह फैसला प्रशासनिक कारणों से लिया गया है। 3 मार्च के अलावा अन्य पेपर पहले से निर्धारित समय अनुसार होंगी। नए टाइम टेबल के अनुसार, 10वीं का 3 मार्च को होने वाला पेपर अब 11 मार्च, जबकि 12वीं का 3 मार्च को होने वाला पेपर 10 अप्रैल को होगा। 3 मार्च को 10वीं में कई भाषाओं का पेपर होना था, जिसमें तिब्बती, जर्मन, एनसीसी, भोटी, बोडो, तांगखुल, जापानी, भूटिया, स्पैनिश, कश्मीरी, मिजो आदि भाषाएं शामिल हैं। 12वीं में 3 मार्च को विधि अध्ययन का पेपर होना था, जो 1 महीने से ज्यादा वक्त बाद होगा। बोर्ड ने स्कूलों को सूचित कर दिया गया है कि टाइम टेबल को अपडेट किया जा रहा है। बोर्ड के मुताबिक, जो प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे, उसमें अपडेटेड टाइम टेबल अंकित होगा।

इम्पैक्ट फीचर

मोहन के संवेदनशील मन ने बहनों को दिखाई सशक्त बनने की राह

कहते हैं कि जिस घर की महिलाएं शिक्षित और सशक्त होती हैं, वह घर हमेशा मजबूत होता है, इसी अवधारणा को मध्यप्रदेश सरकार चरितार्थ कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाओं को मूर्त रुप दिया है। लाड़ली बहना योजना के संकल्प को भी पूरा करते हुए पात्र बहनों के खातों में हर माह 15 सौ रुपए जमा कराए जा रहे है। कामकाजी महिलाओं को बराबरी का दर्जा देते हुए उन्हें अब रात्रि में भी काम करने के लिए उपयुक्त और सुरक्षित वातावरण निर्मित कराया गया। अगर महिला सशक्तिकरण की बात करें, तो यह मुख्य स्तंभों पर निर्भर है। पहला आर्थिक सशक्तिकरण (जैसे लाड़ली बहना योजना, स्व-सहायता समूह) और सामाजिक व शैक्षिक सशक्तिकरण (जैसे लाड़ली लक्ष्मी योजना, वन स्टॉप सेंटर, शौर्य दल)। इन योजनाओं के जरिए सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सुरक्षा व सम्मान प्रदान करने का प्रयास कर रही है, जिससे वे अपने जीवन में निर्णय लेने और सपने पूरे करने में सक्षम हो सकें।

एक नजर इन योजनाओं पर

आर्थिक सशक्तिकरण

लाड़ली बहना योजना

यह योजना महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देकर आत्मनिर्भर बनाती है, जिससे वे अपनी ज़रूरतें पूरी कर सकें और आर्थिक रूप से स्वतंत्र महसूस करें।

स्व-सहायता समूह और आजीविका मिशन

महिलाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने, कौशल प्रशिक्षण लेने और आर्थिक रूप से मज़बूत बनने के लिए वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, जैसे दीदी कैफे और ई-एक्सप्रेस वाहन।

सामाजिक और शैक्षिक सशक्तिकरण

लाड़ली लक्ष्मी योजना

बालिकाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करती है, उन्हें उच्च शिक्षा और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए आर्थिक सहायता देती है, ताकि वे बोझ न बनें बल्कि सशक्त बनें।

वन स्टॉप सेंटर और शौर्य दल

संकटग्रस्त महिलाओं को सुरक्षा, परामर्श और कानूनी सहायता प्रदान करते हैं, और शौर्य दल जैसे पहल महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक और सशक्त बनाते हैं।

ये दोनों क्षेत्र मिलकर मध्य प्रदेश में महिलाओं को हर स्तर पर सशक्त बनाने का काम कर रहे हैं, चाहे वह घर-परिवार हो या समाज और कार्यस्थल।

महिला सशक्तिकरण में मप्र ने रचा नया अध्याय

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश और सशक्त महिलाओं की योजनाओं ने आधी आबादी को मजबूत बनाने की दिशा में देश भर में अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण और पोषण के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की है।

लाड़ली बहना योजना बनी आर्थिक आत्मनिर्भरता की रीढ़

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। जून 2023 से दिसंबर 2025 तक योजना की 31 किस्तों का नियमित भुगतान किया गया है। वर्तमान में 1 करोड़ 26 लाख से अधिक महिलाएं योजना से लाभान्वित हैं और अब तक 48,632 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में अंतरित की जा चुकी है। इस योजना को देश भर में सराहा जा रहा है और कई राज्यों ने मध्यप्रदेश के मॉडल को अपनाया है।

बेटियों के भविष्य को सुरक्षित कर रही लाड़ली लक्ष्मी योजना

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 52 लाख से अधिक बालिकाओं का पंजीयन किया जा चुका है। पिछले दो वर्षों में 6.40 लाख बालिकाओं को 350 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। आगामी वर्षों में लाखों और बालिकाओं को योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ ने बदली सोच

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत मध्यप्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में व्यापक स्तर पर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा योजना के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं के लिए पिंक ड्राइविंग लाइसेंस अभियान चलाया गया, जिसके तहत अब तक 6,134 महिलाओं एवं बालिकाओं को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए गए हैं। यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सुरक्षित परिवहन को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

डेढ़ हजार से ज्यादा 'जेंडर चैंपियन'

समाज में बेटियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से विभाग ने 1,794 सफल बालिकाओं एवं महिलाओं को 'जेंडर चैंपियन' के रूप में चिन्हित किया है। ये जेंडर चैंपियन न केवल अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन रही हैं, बल्कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश देकर समाज में जागरूकता भी फैला रही हैं। योजना के अंतर्गत सशक्त वाहिनी कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। विगत वर्षों में 7 हजार से अधिक बालिकाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षित किया गया है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इसके साथ ही आगामी तीन वर्षों में शाला त्यागी बालिकाओं को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में विशेष कार्ययोजना बनाई गई है। इसके तहत इच्छुक बालिकाओं को मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के माध्यम से 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा दिलाकर उनकी स्कूली शिक्षा पूर्ण कराई जाएगी। वहीं जो बालिकाएं आगे पढ़ाई जारी नहीं रखना चाहतीं, उनके लिए कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

वन स्टॉप सेंटर और हेल्पलाइन 181

प्रदेश में संचालित 57 वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहारे का मजबूत केंद्र बन चुके हैं। बीते दो वर्षों में 54,627 से अधिक संकटग्रस्त महिलाओं को यहां स्वास्थ्य, परामर्श, विधिक एवं पुलिस सहायता उपलब्ध कराई गई। वहीं, महिला हेल्पलाइन 181 के माध्यम से 2.36 लाख से अधिक महिलाओं को त्वरित सहायता दी गई।

कामकाजी महिलाओं को बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण योजना बनाई। जिसके तहत प्रदेश में पहली बार 284 करोड़ रुपये की लागत से 5121 सीट क्षमता वाले 8 नए वर्किंग वूमन हॉस्टल बनाए जा रहे हैं, जो अगले तीन वर्षों में पूरी तरह संचालित होंगे।

बाल विवाह और कुपोषण पर प्रभावी नियंत्रण

डॉ. यादव के स्पष्ट निर्देश पर विभाग और उनके अधिकारियों ने समन्वित प्रयास कर प्रदेश में बाल विवाह के मामलों में उल्लेखनीय कमी लाई। एनएफएसएच -4 में जहां बाल विवाह की दर 32.4 प्रतिशत थी, वहीं एनएफएसएच -5 में यह घटकर 23.1 प्रतिशत रह गई है।

महिला कल्याण

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारम्भ कर महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की दिशा में सरकार ने योजनाओं को मूर्त रुप दिया है। सरकार ने लाड़ली बहना योजना की राशि 1,000 रुपये से बढ़कर 1,500 रुपये प्रतिमाह कर दी गई है।

- शासकीय सेवाओं में महिलाओं के आरक्षण को बढ़ाकर किया 35 प्रतिशत।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी मध्यप्रदेश, 9.70 लाख गर्भवती महिलाओं को 512 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान।
- पारदर्शी चयन प्रक्रिया चयन पोर्टल के माध्यम से देश में पहली बार ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के 2,027 और सहायिकाओं के 17,477 पदों पर भर्ती।
- 12,670 मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों का पूर्ण आंगनवाड़ी केंद्रों में उन्नयन, 747 नए आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृत।
- सेनिटेशन एवं हाईजीन योजना के अंतर्गत सेनेटरी पैड हेतु 20 लाख से अधिक बालिकाओं के खाते में रुपए 61.12 करोड़ से अधिक की राशि का अंतरण।
- औद्योगिक क्षेत्रों में वर्किंग वीमेन हॉस्टल का निर्णय लिया गया।
- 57 वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से संकटग्रस्त 52,095 महिलाओं को सहायता मिली।
- 5 लाख स्व- सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख ग्रामीण बहनें हुईं आत्मनिर्भर।
- महिला उद्यमियों के प्रोत्साहन हेतु 850 एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपए का अंतरण।
- रेडीमेट गारमेट इंडस्ट्री में प्रति महिला श्रमिक 5,000 के मान से प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय।
- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत 'सुमन सखी' चैटबॉट की शुरुआत।
- मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत गैर संस्थागत सेवा योजना को आगामी 5 वर्षों तक संचालित करने की स्वीकृति
- इंदौर की पुलिस बटालियन नंबर-1, अहिल्याबाई बटालियन के नाम से करने का निर्णय।

डिजिटल नवाचारों से सेवाओं में पारदर्शिता

आंगनवाड़ी सेवाओं में सम्पर्क ऐप, पोषण ट्रैकर और फेसियल रिकॉग्निशन सिस्टम जैसे डिजिटल नवाचारों से निगरानी और पारदर्शिता को नई मजबूती मिली है। प्रदेश देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल है, जहां इन तकनीकों का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है।

अभियानों का दिखा असर

कुपोषण के खिलाफ चलाए गए अभियानों का भी सकारात्मक असर दिखा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के अनुसार कम वजन, ठिगनापन, दुबलापन और गंभीर कुपोषण सभी संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

विकसित मध्यप्रदेश @2047 की ओर निर्णायक कदम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार का संकल्प है कि कोई भी महिला या बच्चा विकास से वंचित न रहे। महिला सशक्तिकरण, सुरक्षित बचपन और सुपोषण के माध्यम से मध्यप्रदेश विकसित भारत @2047 में अग्रणी भूमिका निभाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

D-16132/25

दैनिक जागरण
भोपाल, 31 दिसंबर 2025

राजधानी जागरण

03

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 27.2°c | न्यूनतम 5.6°c
राजधानी में सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, आज भी तापमान गिर सकता है

11 • राज्य • 31 • संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

संक्षिप्त खबरें

देह व्यापार करवाने वाले माता-पिता पर केस दर्ज

जागरण,भोपाल। महिला थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर उसके माता-पिता और दो मामा के खिलाफ केस दर्ज किया है। उसके परिजन जबरदस्ती पीड़िता से देह व्यापार करवाते थे। विरोध करने पर मारपीट करते थे। पुलिस अनुसार 21 वर्षीय पीड़िता रतलाम स्थित एक गांव की रहने वाली है। वह जब 14 साल की थी, तभी से उसके माता-पिता और दो मामा ने मिलकर उसे जबरदस्ती देह व्यापार के दलदल में धकेल दिया। घर पर रोज ग्राहक बुलाए जाते थे और पैसों के बदले उसे उनके पास भेज दिया जाता था। मना करने पर उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज कर धमकाते थे। यौन शोषण से तंग आकर युवती कॉलेज जाने के बहाने घर से निकली और फिर भोपाल भागकर आ गई। यहां उसने महिला थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता के बयान के बाद जीरो पर केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए केस डायरी रतलाम पुलिस को भेज दी गई है।

108 चयनित सार्वजनिक विवि में बीयू भी शामिल

जागरण, भोपाल। बरकतउल्ला विवि में 'राज्य सार्वजनिक विवि में अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता (आरआईई)' विषय पर एक राष्ट्रीय सर्वे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वे नीति आयोग के प्रतिनिधियों द्वारा एफआईटीटी, आईआईटी दिल्ली के सहयोग से कराया गया। इसमें बीयू को देश के चयनित 108 राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में शामिल किया गया है। कार्यक्रम में बीयू के कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालयों में अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल देते हुए ऐसे राष्ट्रीय अध्ययनों को भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण बताया। नीति आयोग के प्रतिनिधियों ने सर्वे के उद्देश्य बताते हुए राच्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आरआईई इकोसिस्टम को मजबूत करने की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में कार्यपरिषद के सदस्यों सहित इन्वेस्टर इकोसिस्टम के सदस्य, सरकारी अधिकारी, पूर्व छात्र (एलुमनाई), मेंटर्स, संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की और अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए।

ध्वनि प्रदूषण की शिकायत पर मैरिज गार्डन सील

जागरण, भोपाल। सलैया क्षेत्र में स्थित देविका मैरिज गार्डन पर नगर निगम ने सख्त कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया है। जानकारी के अनुसार मैरिज गार्डन द्वारा नगर निगम की शर्तों का उल्लंघन किए जाने पर पहले ही क्लोजर नोटिस जारी किया गया था। इसके बावजूद मैरिज गार्डन का संचालन लगातार जारी रखा गया। देविका मैरिज गार्डन के खिलाफ ध्वनि प्रदूषण फैलाने सहित अन्य नियम उल्लंघन की कई शिकायतें नगर निगम को प्राप्त हुई थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त संस्कृति जैन ने सिटी प्लानर को आवश्यक और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। आयुक्त के निर्देशों के पालन में नगर निगम की बिल्डिंग परमिशन शाखा ने देविका मैरिज गार्डन को सील कर दिया।

बीच-बचाव करने गए युवक पर चाकू से हमला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पिपलानी इलाके में बीचबचाव करने गए एक युवक पर चाकू से जानलेवा हो गया। घायल शराब दुकान में शराब लेने पहुंचा था। यह पूरी घटना कलारी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने फिलहाल अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर उनकी पहचान करना शुरू कर दी है। पिपलानी थाना प्रभारी चंद्रिका यादव ने बताया कि 40 वर्षीय जयप्रीत कलेर कर्मवीर नगर में रहता है। वह प्रायवेट काम करता है। सोमवार सुबह जयप्रीत शराब लेने के लिए इंद्रपुरी स्थित कलारी पहुंचा था। जहां दो लोग आपस में झगड़ा कर रहे थे। यह देख जयप्रीत उनका झगड़ा शांत कराने पहुंचा। तभी एक पक्ष की दो महिला समेत चार लोग आ गए। वह बीचबचाव करने आए जयप्रीत पर टूट पड़े। उसकी जमकर पिटाई लगा दी। इसके बाद एक आरोपी ने चाकू निकालकर उस पर हमला कर दिया। हमले में जयप्रीत गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

कबाड़ी की दुकान में संदिग्ध परिस्थितयों में युवक की मौत

जागरण,भोपाल। एमपीनगर नगर थाना क्षेत्र में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय चूसा पिता बालू बागमुगालिया इलाके का रहने वाला था। वह एमपीनगर जोन वन में गुंजा कबाड़ी की दुकान में काम करता था और वहीं पर रहता था। चूसा नशे का आदी था। सोमवार सुबह वह बेहोशी हालत में मिला। उसके साथी हमीदिया लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत ठंड से हुई या फिर हार्ट अटैक से इस बात पुष्टि नहीं हुई है।

नव वर्ष पर विशेष अभियान... शराब पीकर वाहन चलाने वाले 24 लोगों के बने चालान

सख्ती: आज शहर के 33 प्वाइंट पर की जाएगी चैकिंग

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नए वर्ष की पूर्व संध्या पर ट्रैफिक पुलिस नशे के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। मंगलवार को शहर के प्रमुख चौराहों व तिराहों पर 16 प्वाइंट लगाकर चैकिंग की गई। पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 24 लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। ब्रीथ एनालाइजर से पुलिस ने चैकिंग कर उनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की है। इसके अलावा पुलिस ने 50 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की है। रात 8 बजे से चैकिंग 11 बजे तक चली। पुलिस की चैकिंग बुधवार को भी जारी रहेगी। ट्रैफिक के अलावा सभी 33 थाना स्तर पर चैकिंग की जाएगी। नगरीय पुलिस भोपाल सभी आमजन से अपील की है कि कोई भी वाहन चालक नशावृत्ति करके वाहन न चलायें, आपकी एक गलती से आपका और अन्य आम नागरिक का जीवन असुरक्षित हो सकता है।

आज शाम पांच बजे से भारी वाहनों पर प्रतिबंध

नए साल के जश्न को लेकर शहर के अंदर काफी संख्या में लोगों की आवाजाही रहेगी। इसे ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार शाम पांच बजे से 01 जनवरी 2026 की रात्रि डेढ़ बजे तक शहर के अंदर भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

न्यू ईयर में शराब परोसने आए 70 आवेदन, आज जारी होंगे लाइसेंस

भोपाल। नए साल की पार्टी के दौरान शराब पीने-पिलाने के लिए 70 आवेदन जिला आबकारी दफ्तर में आए हैं। बुधवार को इन सभी को लाइसेंस जारी कर दिए जाएंगे। इसके अलावा बुधवार को आने वाले अन्य आवेदनों पर भी तत्काल लाइसेंस जारी करने की तैयारी आबकारी महकमे ने की है। इनमें से अधिकांश वे आवेदक हैं जो कई सालों से आयोजन करते हैं और विगत दिनों दस हजार की लाइसेंस फीस जमा कर आवेदन लेकर आबकारी विभाग में पहुंचे थे। इन्हें नई आबकारी नीति के तहत 25 हजार और इससे अधिक की रकम जमा कराने का कहकर लौटा दिया गया था। अपने घर पर पार्टी करने के इच्छुक लोगों ने भी 500 रुपए के चालान जमा कराकर लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। बता दें कि लगभग 350 से ज्यादा ऐसे आयोजन होते हैं जिनमें शराब भी परोसी जाती है। आबकारी विभाग ने साफ कर दिया है कि होटल, गार्डन, इवेंट में कमर्शियल एक्टिविटी होगी उसे 25 हजार फीस देकर लाइसेंस लेना होगा।

नए वर्ष के पहले दुल्हन की तरह सजा बोट क्लब

नए वर्ष के पहले भोपाल के बोट क्लब एरिया को दुल्हन की तरह सजाकर तैयार कर दिया गया है। बोट क्लब की सड़क के ऊपर आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गई है। साथ ही सड़क किनारे लगे पेड़ों पर भी लाइट की झालरें लगाई गई हैं। बता दें कि 31 दिसंबर की रात को बड़ी संख्या में लोग बोट क्लब के किनारे स्थित होटलों में नए साल का जश्न मनाने पहुंचते हैं।

ईरानी डेरा से गिरफ्तार महिलाओं समेत 32 आरोपियों पर लगी संगठित अपराध की धारा

स्ट्राइक: 3डी मैप से घरों की फोटो निकाली, गली चिह्नित कर सीढ़ी लगाकर छतों पर पहुंची पुलिस

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मध्य प्रदेश में पहली बार 32 बदमाशों के खिलाफ संगठित अपराध (ऑर्गेनाइज क्राइम) की धारा 111 पुलिस कमिश्नरेट ने ईरानी डेरा के शातिर बदमाशों पर लगाई है। 10 महिला समेत 32 आरोपियों के खिलाफ बलवा, शासकीय सेवक से मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा समेत अन्य धाराओं में दो दिन पहले केस दर्ज हुआ था। उनके अपराध की कुंडली खंगालने के बाद मंगलवार को उनके खिलाफ अब बीएनएस की धारा 111 का इजाफा किया गया है। डीसीपी जोन-फोर डीसीपी मयूर खंडेलवाल के नेतृत्व में 150 से अधिक पुलिस की टीम ने हाईटेक सर्जिकल स्ट्राइक की। 3डी मैप से घरों की फोटो निकाली। गली को चिन्हित किया। इन घरों पर पुलिस सीढ़ी लगाकर छतों पर पहुंची, ताकि आरोपी भाग न सके। इधर, शील्ड टीम ने गली को दोनों ओर से घेर रखा था। पुलिस के डर से बदमाश तालिब पलंग की पेटी के अंदर मिला। हैदर जब्बार व सादिक हुसैन पानी की खाली टंकी के पीछे छिपे थे। मोहम्मद सादिक उर्फ बड़ी मुंडी घर में छिपा था। शब्बीर एपी को भागते हुए पुलिस ने दबोच लिया।

- मप्र में पहली बार इतनी अधिक संख्या में पुलिस कमिश्नरेट ने लगाई बीएनएस की धारा 111
- शील्ड टीम ने गली को घेरा, बदमाश तालिब पलंग के पेटी में मिला, हैदर व सादिक पानी की खाली टंकी में छिपे थे

सब्बल, टार्च और आग बुझाने के यंत्र लेकर घुसी पुलिस

टीम का हर पुलिस कर्मी पिन प्वाइंट पर था। फेज वन में 7 घरों के 10 बदमाशों को चिन्हित किया गया था। पुलिस टीम किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने को तैयार थी। उनके पास सब्बल, ट्रॉमी, टॉर्च, रस्सी, हथौड़ा, आग बुझाने का यंत्र, सीढ़ी आदि सभी कार्रवाई में जरूरी उपकरण व सामान थे। टीम के दो-चार अफसरों को छोड़ दिया जाए तो किसी को इस रेड की जानकारी नहीं थी। शनिवार 11 बजे कॉम्बिंग गश्त के लिए बुलाया गया। बोला गया कि ब्रीफिंग के लिए जोन-फोर के आफिस में एक बजे मिलेंगे।

चोरी की बाइकों का उपयोग लूट व स्नैचिंग में हुआ

एक घर से पुलिस को एक थैले में 20 मोबाइल मिले, एक अन्य घर से थैले में 10-12 मोबाइल मिले। मोबाइल मिलते ही पुलिस समझ गई यह लूट और चोरी के मोबाइल हैं। इसी तरह पुलिस ने यहां से 21 बाइक जब्त की हैं, जोकि घर के बाहर व पार्किंग में खड़ी थी। अधिकांश पर नंबर प्लेट नहीं थी। अभी तक की जांच में पिपलानी, बागसेवनिया और गोविंदपुरा के तीन पीड़ित निशातपुरा थाने पहुंचे हैं, जिनकी बाइक चोरी गई थी। शेष बाइक का उपयोग लूट व चेन स्नैचिंग या अन्य अपराध में होना पाया जा रहा है। चूंकि आरोपी इनके दस्तावेज नहीं दे पाए।

इंदौर एसटीएफ में दर्ज है अपराध

अंतरराज्यीय गिरोह के पकड़े जाने के बाद पुलिस के पास अन्य राज्यों की पुलिस संपर्क कर रही है। पुलिस के पास नासिक, बड़वानी, श्रीगंगानगर फोन आया। उन्होंने फुटेज से मिलान कर कुछ बदमाशों को पहचान लिया है, जो उनके यहां अपराधी हैं। इंदौर एसटीएफ के पास संगठित अपराध में कुछ आरोपियों के नाम हैं। यह गिरोह फर्जी दस्तावेज के सहारे वाहन फायनेंस करवाते थे।

इन राज्यों में अपराध या वांटेड

पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ भुजावल, जलगांव महाराष्ट्र, कोहेफिजा, टीटीनगर, झालावाड़ राजस्थान, बड़वानी, ग्रेटर नोएडा, एसटीएफ इंदौर, भोपाल, ठाणे, गैरतगंज रायसेन, वर्ली मुंबई, दादर मुंबई, जेजे मार्ग मुंबई, जीआरपी भोपाल, धार समेत अन्य राज्य व जिलों में अपराध दर्ज हैं या वह वांटेड हैं।

आरोपियों की जमानत निरस्त

मंगलवार को गिरफ्तार आरोपियों में से 15 पुरुष व 7 महिलाओं ने जमानत के लिए कोर्ट में याचिका लगाई थी। जहां एडीपीओ के साथ एसीपी अक्षय चौधरी ने जिरह की। दोनों पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपियों की जमानत निरस्त कर दी।

नर्वदा और सेंट्रल अस्पताल का सोनोग्राफी लायसेंस रद्द

पीसीएनडीटी एक्ट के तहत की गई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को शहर के सोनोग्राफी सेंटरों की जांच की गई। गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर दो सोनोग्राफी केंद्रों की मान्यता निरस्त की गई है। निरीक्षण के दौरान एक्ट के प्रावधानों का विधिवत पालन न करने पर सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा ने इन केंद्रों का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त किया है। इनमें नर्वदा इमेजिंग एंड डायग्नोस्टिक सेंटर सुलतानिया रोड और सेंट्रल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर मोतिया तालाब शामिल है। निरीक्षण टीम को नर्वदा इमेजिंग एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में डॉ नीतिश अरोरा अनाधिकृत रूप से ईको कार्डियोग्राफी करते हुए पाए गए थे। केंद्र में एएनसी रजिस्टर अपूर्ण पाया गया, साथ ही कुछ एफ फॉर्म पर रेफरल करने वाले चिकित्सक का पता दर्ज नहीं किया गया था। सोनोग्राफी करने वाले चिकित्सक का नाम भी अंकित नहीं था। कई फॉर्म बिना चिकित्सक के हस्ताक्षर और सील के भी मिले हैं। निरीक्षण दल को मोतिया तालाब स्थित सेंट्रल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में एफ फॉर्म पर केंद्र का पीसीपीएनडीटी पंजीयन क्रमांक सही नहीं मिला। कई मरीजों के मोबाइल नंबर भी दर्ज नहीं पाए गए। कुछ फॉर्म में मरीज के नाम, पति के नाम, बच्चों की संख्या सहित सोनोग्राफी करने वाले चिकित्सक का नाम, पंजीयन क्रमांक और जांच रिपोर्ट भी उल्लेखित नहीं पाई गई। इस प्रकार दस्तावेजों में गंभीर अनियमितता मिलने पर सीएमएचओ द्वारा जिला सलाहकार समिति बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर इन केंद्रों का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निरस्त किया गया है। एक्ट के प्रावधानों के तहत इन केंद्रों में जांचें नहीं की जा सकेंगी।

आधार अपडेट करने के नाम पर युवक से 1.16 लाख की ठगी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। आधार अपडेट करने के नाम पर एक युवक के साथ 1.16 लाख की ठगी हो गई। घटना मई 2025 की है। पीड़ित ने इस संबंध में सायबर क्राइम पुलिस से शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। विकास अहिरवार चांदबाड़ी छोला मंदिर में रहता है। उसकी छोला में दशहरा मैदान के पास रोहित आटो पार्ट्स की दुकान है। उसका भाई भी यहीं काम करता है। बीती 20 मई 2025 को विकास के मोबाइल पर कॉल आया था। कॉलर ने उसे बताया कि उसका आधार अपडेट होना है। कॉलर को विकास के बैंक लोन, किस्त, दुकान, घर का पता और खाते में कितनी रकम है, यह सब पता था। जालसाज ने उससे कहा कि आपने बैंक से जो लोन ले रखा है, वह खाते से निकाल कर अपने कारोबार में खर्च कर लो। 21 मई को उसने फिर से कॉल कर आधार अपडेट करने की बात की और कॉल काट दिया। 22 मई को सुबह करीब 11 बजे जब वह वह अपने पिता के पुण्यतिथि पर घर में कन्याभोज करवा रहा था, जबकि छोटा भाई विकास दुकान पर था, तभी उस व्यक्ति का दोबारा कॉल आया। उसने आधार अपडेट करने के लिए कहा। विकास को वीडियो कॉल कर वाट्सएप की सेटिंग में जाकर स्क्रीन शेयर करने को कहा। इसके बाद विकास के बैंक खाते से 1.16 लाख रुपए कट गए।

आंचलिक विज्ञान केन्द्र में नाइट स्काई शो आज

जागरण, भोपाल। नववर्ष की पूर्व संध्या पर आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल आमजन, विद्यार्थियों और परिवारों के लिए एक अनूठा वैज्ञानिक अनुभव लेकर आ रहा है। केन्द्र में आज शाम तारों की कहानी-हमारी जुबानी (एन इवनिंग विद स्टार) शीर्षक से विशेष खगोल विज्ञान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद की इस पहल के तहत प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ तारों पर संवादात्मक सत्र, लेजर आधारित रियल-टाइम नाइट स्काई शो तथा दूरबीन से ग्रहों व अन्य खगोलीय पिंडों का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया जाएगा। यह कार्यक्रम विज्ञान के माध्यम से नए साल का स्वागत करने का अवसर देता है और युवाओं में ब्रह्मांड के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने का उद्देश्य रखता है। कार्यक्रम सायं 6:30 से 8 बजे तक होगा। पंजीकरण निःशुल्क है, केवल विज्ञान केन्द्र का प्रवेश टिकट लागू रहेगा।

चैकिंग के दौरान कार से मिले एक करोड़ 18 लाख रुपए, तीन युवक हिरासत में

प्लाईवुड कारोबारी की बताई राशि, हवाला के संदेह में आयकर टीम ने भी शुरू की जांच

मुख्य संवाददाता, भोपाल। इंदौर के कनाडिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात पेट्रोलिंग के दौरान एक कार से 1 करोड़ 18 लाख की नकदी बरामद की है। रात में चैकिंग के दौरान एफआरवी टीम द्वारा की नजर होटल प्रेसिडेंट के पास खड़ी एक संदिग्ध टाटा नेक्सॉन ईवी कार पर गई। एफआरवी में ड्यूटी पर तैनात आरक्षक दुर्गेश दांगी और रामचरण ने जब जाकर वाहन को चेक किया गया, तो उसमें तीन व्यक्ति बैठे मिले जो पुलिस को देखते ही घबरा गए। कार में मौजूद राजेश यादव, आनंद और प्रभात अग्रवाल ने जब कार को रात के अंधेरे

में खड़ा करने की वजह पूछी तो तीनों ने अलग अलग जवाब दिया। इसके बाद पुलिस का शक और गहरा हो गया और कार की तलाशी ली गई।

डिक्की से मिला कैश: कार की डिक्की की तलाशी में दो अलग अलग बैग मिले जो नोटों से भरे थे। पूछताछ में युवकों ने बताया कि 1 करोड़ 18 लाख रुपए की ये राशि एक प्लाईवुड कारोबारी की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद तीनों युवकों को वाहन समेत कनाडिया थाने लाया गया, जहां आरोपियों ने दावा किया कि यह रकम सेफलेक्स इंटरनेशनल और मंत्रम टेक्नो फैब ना मकी कंपनियों की है। इस कैश के वैध दस्तावेज मौके पर पेश नहीं किए गए लिहाजा पुलिस ने आयकर विभाग को मामले की सूचना दे दी गई है। विभाग नकदी के स्रोत, लेन-देन और टैक्स संबंधी दस्तावेजों की जांच कर रही है। आयकर विभाग को संदेह है कि ये रकम किसी कंपनी या कारोबारी की न होकर हवाला की हो सकती है।

मौसम कल्याणपुर में पारा 1.7 डिग्री, डिंडौरी-पचमढ़ी में बर्फ जैसे हालात

ठिठुरी राजधानी, तीसरे दिन भी चली शीत लहर

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मंगलवार को शहडोल जिले के कल्याणपुर में न्यूनतम पारा 1.7 डिग्री तक लुढ़क गया। पारे का यह स्तर इस सीजन में मप्र में सबसे कम है। इससे पहले प्रदेश में कहीं भी पारा 2 डिग्री से नीचे नहीं पहुंचा। इस तरह मंगलवार को कल्याणपुर में सीजन की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। इसके अलावा भोपाल सहित तीन जिलों में शीत लहर और शहडोल में अति शीत लहर दर्ज की गई। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को प्रदेश के कई जिलों में कड़ाके की ठंड का प्रकोप रहा। एक ओर जहां पहाड़ी क्षेत्रों में तेज ठंड रही वहीं मैदानी क्षेत्रों में सुबह के समय गिरने वाली ओस बर्फ की तरह जम गई। यह नजारा डिंडौरी जिले में देखने को मिला। जबकि प्रदेश के एक मात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में झील से धुंआ उठता हुआ दिखाई दे रहा था। मौसम के इस खूबसूरत नजारे को देखकर सैलानी भी रोमांचित हो गए।

दतिया में जीरो विजिबिलिटी

मंगलवार को दतिया में सुबह के समय विजिबिलिटी जीरो रही। जो कि प्रदेश में सबसे कम है। इसके अलावा ग्वालियर, दतिया, नौगांव में भी विजिबिलिटी में गिरावट देखी गई। इन जिलों में 50 से लेकर एक हजार मीटर तक की विजिबिलिटी रही।

भोपाल में 5.6 डिग्री पर जमा पारा

भोपाल में लगातार तीसरे दिन भी शीतलहर चली। यहां मंगलवार को न्यूनतम पारा 5.6 डिग्री दर्ज किया गया। जो कि सोमवार के समान ही था। वहीं दिन का अधिकतम तापमान 27 डिग्री रहा।

इंजीनियर के फ्लैट से दिनदहाड़े नकदी समेत लाखों रुपए कीमती जेवर चोरी

गेट के ऊपर छिपाकर रखी चाबी से दरवाजा खोला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार इलाके में दिनदहाड़े एक इंजीनियर के फ्लैट से लाखों की चोरी हो गई। चोर यहां से नकदी समेत सोने-चांदी के जेवर समेटकर भाग निकला। उसने गेट के ऊपर छिपाकर रखी चाबी से गेट खोला। पत्नी की आहट आने पर फ्लैट से कूदकर भाग निकला। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, मूलतः छिंदवाड़ा निवासी मनोज चंद्रवंशी (30) पिता भीम चंद्रवंशी दानिशकुंज कोलार रोड में रहते हैं। वह एक प्रायवेट कंपनी में इंजीनियर हैं। वह यहां पत्नी व साली के साथ रहते हैं। दोनों एक निजी अस्पताल में नर्स हैं। सोमवार को मनोज उसकी पत्नी व साली तीनों अपने-अपने काम पर निकल गए। अंत में साली ने गेट पर ताला डाला। तब मनोज की पत्नी घर आने के लिए अस्पताल से निकली।

सुबह करीब 11 बजे अज्ञात चोर उनके गेट के ऊपर छिपाकर रखी चाबी से ताला खोलकर अंदर दाखिल हो गया। उसने घर में रखे 50 हजार रुपए और बेड के नीचे रखे बैग से जेवरात चोरी कर लिए। इससे पहले वह अन्य सामान चोरी कर पाता, मनोज की पत्नी घर पहुंच गई। उनके आने का आहट सुनकर चोर फर्स्ट फ्लोर से कूदकर पीछे के रास्ते से भाग निकला। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

संक्षिप्त खबरें

नए वर्ष के प्रथम दिन रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

जागरण, भोपाल। सामाजिक सरोकार की पुनीत भावना को लेकर तुम सेवा से पाओगे पार विचार मंच और श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर ने वर्ष के प्रथम दिन जरूरतमन्दों के हितार्थ एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष के प्रथम दिन आयोजित होने वाले इस रक्तदान शिविर का यह अनवरत 11वां वर्ष है । इस शिविर के माध्यम से अभी तक 1184 यूनिट ब्लड हमीदिया ब्लड बैंक को डोनेट किया जा चुका है। इस वर्ष भी आप हम के सहयोग से प्राप्त रक्त शासकीय ब्लड बैंक हमीदिया को जरूरतमन्दों के हितार्थ डोनेट किया जाएगा। प्रत्येक मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति जिसकी उम्र 18 से 65 वर्ष, वजन 45 किलो से ऊपर हो वह रक्तदान कर सकता है। आपके द्वारा किया गया यह सहयोग शहर के थैलेसीमिया पेशेंट, प्रग्नेंट लेडी, एक्सीडेंट कैसेज और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों का जीवन बचाने में सहायक होगा । परमधाम वासी पूच्य माँ सुषमा शर्मा जी की स्मृति में 1 जनवरी 2026, गुरुवार को यह एक दिवसीय रक्तदान शिविर लिंक रोड न. 2,प्लाट न. 5, प्रणामी बस स्टॉप ,शिवाजी नगर स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक जारी रहेगा।

राष्ट्रव्यापी आंदोलन में बैंककर्मियों ने दिखाई संगठित शक्ति

भोपाल। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर पूरे भारत में हर स्टेट कैपिटल पर आज प्रदर्शन हो रहा है। इसी तारतम्य में राजधानी भोपाल में बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पाँच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर जोरदार, अनुशासित एवं प्रभावशाली प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन यूएफबीयू द्वारा घोषित देशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन कार्यक्रम की महत्वपूर्ण कड़ी था। इसमें शहर के विभिन्न बैंक केंद्रों से बड़ी संख्या में बैंक कर्मियों ने सहभागिता की। प्रदर्शन स्थल पर बैंक कर्मियों ने हाथों में तख्तियां लेकर पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह हमारा अधिकारजैसे नारे बुलंद किए और सरकार एवं बैंक प्रबंधन को यह स्पष्ट संदेश दिया कि वर्षों से लंबित यह मांग अब और टाली नहीं जा सकती। अध्यक्ष सुबीन सिन्हा ने कहा कि आज बैंकिंग क्षेत्र में चुनौती कार्य दिवसों की संख्या नहीं, बल्कि बढ़ते कार्यभार और कर्मचारियों पर पड़ रहे मानसिक दबाव की है।

कथा व्यास शेखर महाराज ने बताए नवरात्रि पूजन के विधान

जागरण, भोपाल। शहर के 12 नं स्थित दुर्गा पार्क में बीते 4 दिनों से चल रही सप्त दिवसीय देवी भागवत कथा ने इन दिनों सम्पूर्ण वातावरण देवीमय कर दिया है। भक्तिभाव से चल रही कथा के चौथे दिन आचार्य शशांक शेखर ने संक्षिप्त रामायण के साथ नवरात्रि पूजन का विस्तार से वर्णन किया। जिसके अंतर्गत मां भगवती के सरल पूजन पद्धति से लेकर कन्या पूजन करने के लाभ भी बताए। उन्होंने कहा यदि आप देवी को प्रसन्न करना चाहते हैं तो कन्याओं और स्त्रियों का आदर करें। अपने बालकों को अच्छे संस्कार दें। साथ ही पूजन पद्धति का वर्णन करते हुए कहते हैं कि, देवी दुर्गा के अनुष्ठान में कमल,गुलाब और गुड़हल के फूल प्रतिदिन निश्चित संकल्प के साथ अर्पित करते हैं तो देवी प्रसन्न होती हैं। अनुष्ठान पूर्ण होने के बाद कन्या पूजन अवश्य करना चाहिए।2 से 10 वर्ष की कन्याएं साक्षात देवी का स्वरूप होती है। उन्हें चरण धुलाकर तिलक लगाना चाहिए। पैरों में महावार लगाकर उन्हें भोजन कराना चाहिए। भोजन के बाद दक्षिणा प्रदान कर उन्हें पुनः घर आने के लिए आग्रह करके विनम्रता पूर्वक विदा करना चाहिए। इसी दौरान कंकाली माता के कृपा पात्र भजन गायक राकेश पाठक ने गुरुदेव शशांक शेखर महाराज के चरणों में भावपूर्ण भजन अर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। भोजपुरी भजनों मे भक्तों ने जयकारे लगाते हुए जमकर नृत्य किया।

खुशीलाल कॉलेज में खेल महोत्सव का क्रिकेट मैच के साथ समापन

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। नेहरू नगर स्थित पंडित खुशीलाल आयुर्वेद कॉलेज में मंगलवार को खेल महोत्सव ओसिमम 3.0 का समापन हुआ। यह खेल महोत्सव 24 दिसम्बर से शुरू हुआ था। जिसके अंतर्गत विभिन्न खेल गतिविधियों का संचालन किया गया। समापन अवसर पर आयोजित क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। जिसमें टीम दक्ष एवं टीम अस्त्र के मध्य रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, समर्पण एवं नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं और विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण, खेल समन्वयक, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

6 आदतन अपराधी के खिलाफ जिला बदर का आदेश जारी

जागरण,भोपाल। नए साल के अवसर पर शहर में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस आयुक्त ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को 6 आदतन अपराधियों के खिलाफ जिला बदर के आदेश जारी किए हैं। इन आरोपियों के खिलाफ चोरी, छेड़छाड़, तोड़फोड़, मारपीट, धमकी, अवैध हथियार रखने, बलवा, जुआ-सट्टा, लापरवाही से वाहन चलाने, आर्म्स, हत्या और बलात्कार जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र ने इन सभी अपराधियों को भोपाल जिले की सीमा से बाहर रहने का आदेश दिया है। जिला बदर किए गए अपराधियों में तिलक कामले (21) टीटी नगर, सौरभ जैन (36) अयोध्या नगर, यासीन मलिक उर्फ सोबी(20) कोहेफिजा, सोम कुचबंदिया(30) तलैया, राहुल पवार उर्फ गैया (28) हबीबगंज, दानिश कुरैशी(27) हनुमानगंज शामिल है।

92016 नोटिस किए शेड्यूल, तीन दिन में बांटने का लक्ष्य, नाम जुड़वाने 13311 ने किया आवेदन

85 वार्ड कार्यालयों सहित 90 स्थानों पर सुनवाई के लिए बैठेंगे तहसीलदार

जागरण संवाददाता, भोपाल। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मंगलवार से नो मैपिंग वाले 1 लाख 16 हजार 925 मतदाताओं को नोटिस भेजने का काम शुरू कर दिया गया। मंगलवार शाम तक जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा 92 हजार 016 मतदाताओं के नोटिस शेडयूल कर दिए गए थे। शेष 24 हजार 909 नोटिस बुधवार तक शेडयूल कर लिए जाएंगे। पहले अगले 30 दिनों तक नोटिस भेजे जाने की तैयारी थी, लेकिन जिला निर्वाचन कार्यालय बीएलओ के माध्यम से अगले तीन से चार दिन में नोटिस बांटने का काम पूरा लेगा। जबकि 5 जनवरी से जिले 90 स्थानों पर सुनवाई शुरू की जाएगी। सुनवाई तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सीईओ, कार्यपालन यंत्री, संचालक व सहायक संचालक स्तर के अधिकारी करेंगे। राजस्व विभाग के साथ, सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी, महिला एवं बाल विकास, ऊर्जा विकास निगम, पीएचई, अनुसूचित जनजाति विभाग, एमपीआईडीसी, खाद्य सुरक्षा, नापतौल, हथकरघा सहित अन्य विभागों के अधिकारी रोजाना 50 से ज्यादा मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच करने के बाद इन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को अंतिम जांच के लिए भेजेंगे। जांच के बाद इन्हें मतदाता सूची में जोड़ने या हटाने को लेकर निर्णय लिया जाएगा। इधर 30 दिसंबर तक जिले के 13 हजार 311 मतदाताओं ने मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6 भर दिया है। नाम, पते व मोबाइल नंबर सहित अन्य संशोधन को करवाने के लिए 15 हजार 371 आवेदन जिला निर्वाचन कार्यालय को प्राप्त हुए हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा केवल 22 जनवरी तक फार्म-6, फार्म-7 ओर फार्म-8 लिए जाएंगे, जबकि सुनवाई 14 फरवरी तक चलेगी।

बूथ नंबर 16 की बीएलओ उजमा इकबाल मतदाता को नोटिस सौंपते हुए

नोटिस में रहेगी तारीख और समय की जानकारी

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा मतदाताओं को दो पेज का नोटिस जारी किया जा रहा है। इस नोटिस में मतदाताओं को अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए तारीख और समय की जानकारी दी जाएगी। साथ ही सुनवाई कौन सा अधिकारी करेगा? इसकी भी जानकारी इस नोटिस में रहेगी। वहीं एईआरओ रोजाना दोपहर 3 से 5 बजे तक अपने अपने मतदान केंद्रों की सुनवाई करेंगे, रोजाना 50 मतदाताओं का पक्ष सुनकर दस्तावेज जांचे जाएंगे।

विधानसभा	सुनवाई केंद्र	नो मैपिंग मतदाता	शेड्यूल नोटिस	फार्म-6	फार्म-8
बैरसिया	04	2134	2134	543	453
उत्तर	14	10080	4901	1744	2116
नरेला	17	23790	16767	3639	2915
दक्षिण पश्चिम	11	16596	15045	735	1349
मध्य	13	10088	9332	1553	2027
गोविंदपुरा	17	30188	19788	2454	3923
हुजूर	14	24049	24049	2643	2588
कुल	90	116925	92016	13311	15371

अवैध शराब और तस्करों के खिलाफ अभियान

पांच दिनो में 1 करोड़ 65 लाख का माल जब्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने पिछले 5 दिनों में अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाकर विभिन्न जिलों में छापे मारे हैं। इस दौरान 1 करोड़ 65 लाख रुपए से अधिक मूल्य की अवैध शराब, तस्करी में उपयोग किए जा रहे वाहन और अन्य सामग्री जब्त की गई है। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर थाना पुलिस ने एक ट्रक से 11229 लीटर से अधिक अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस एक्शन में जब्त शराब और ट्रक की कुल कीमत लगभग 68 लाख 65 हजार रुपए आंकी गई है। इसी तरह आलीराजपुर जिले में कोतवाली पुलिस ने एक पिकअप वाहन से 157 पेटी अवैध बीयर जब्त कर 13 लाख 51 हजार रुपये का माल बरामद कर एक आरोपी को हिरासत में लिया है।

इंदौर, विदिशा, मुरैना और दतिया में भी कार्रवाई: इस दौरान इंदौर ग्रामीण क्षेत्र के बेटमा थाने में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक कार से 47 पेटी अवैध देसी-अंग्रेजी शराब जब्त की, जिसकी कीमत 7 लाख 12 हजार रुपए बताई गई है। इसी तरह विदिशा में भी कोतवाली पुलिस ने कार और 11 पेटी शराब के साथ आरोपी को पकड़ा है। इस छापे में कुल 3 लाख 65 हजार रुपए की शराब और कार पकड़ी गई है। मुरैना के बागचीनी थाना क्षेत्र में शराब तस्करी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे 20 पेटी शराब और एक कार बरामद की गई, जिसकी कीमत 4 लाख 72 हजार रुपए है। इधर सागर जिले के रहली में पुलिस ने पिकअप वाहन सहित 32 पेटी शराब जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

मुंशी प्रेमचंद के नाटक लेखक और बड़े भाई साहब का मंचन

जागरण, भोपाल। यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसायटी द्वारा आसरा वृद्धाश्रम के आडिटोरियम में आयोजित नाट्य समारोह मुंशी प्रेमचंद का नाट्य संसार में मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित दो नाटकों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान नाटक लेखक और नाटक बड़े भाई साहब की प्रस्तुति हुई, संगीत अनुराग विश्वकर्मा का रहा और ताल वाद्य पर नीरज प्रजापति ने संगत दी। इस नाट्य प्रस्तुति में उस लेखक की दयनीय स्थिति का यथार्थ चित्रण किया है, जो समाज के लिए लिखता है, लेकिन खुद अभावों में जीता है। नाटक का नायक ईमानदार और संवेदनशील लेखक है, जो साहित्य को जीवित नहीं, बल्कि समाजसेवा का माध्यम मानता है। वह सत्य, नैतिकता और जनहित के पक्ष में लिखता है, लेकिन उसकी रचनाएं न तो प्रसिद्ध हो पाती हैं और न ही उसे आर्थिक सुरक्षा मिलती है।

बड़े भाई साहब की कहानी

बड़े भाई साहब की कहानी दो भाइयों के रिश्ते, शिक्षा के प्रति अलग-अलग दृष्टिकोण और जीवन के अनुभवों पर आधारित एक मार्मिक कहानी है। नाटक में बड़ा भाई पढ़ाई में मेहनत करने वाला, परोपकारी और जिम्मेदार है, जबकि छोटा भाई चंचल और खेलकूद में रुचि रखने वाला है, लेकिन परीक्षा के नतीजे बड़े भाई के पक्ष में नहीं आते और कहानी भाई-बहन के अटूट प्रेम, जिम्मेदारी और अहंकार के टकराव को दर्शाती है।

जनसुनवाई: होर्डिंग व पोस्टर लगाकर बेची जमीन कब्जा मांगा तो सामने आया फर्जीवाड़ा

सस्ती प्रॉपर्टी का लालच देकर दो लोगों से धोखाधड़ी करने वालों की जनसुनवाई में शिकायत

जागरण संवाददाता, भोपाल। साहब...! छोला मंदिर स्थित नवजीवन कालोनी में रहने वाले राहुल सिंह चौहान, उसकी पत्नी अंजुला चौहान और उनके मित्र संदीप धाकड़ ने हम लोगों को बैरसिया तहसील के ग्राम करारिया में कम दाम में अच्छी जमीन का लालच देकर ठग लिया है। तीनों ने बैरसिया रोड पर कई जगह लुभावने होर्डिंग व बैनर पोस्टर लगाए हुए हैं, जिसे देखकर हमने इन तीनों से संपर्क किया। इस दौरान तीनों ने फर्जी तरीके से जमीन का अनुबंध किया। जिस जमीन को दिखाकर अनुबंध किया गया, वे खसरे असल में वहां हैं ही नहीं। साथ ही ये तीनों भूमि स्वामि भी नहीं हैं। तीनों ने हम लोगों सहित कई अन्य लोगों को विश्वास में लेकर रजिस्ट्री कराने की बात कही और रुपए लेने के बाद रजिस्ट्री भी नहीं कराई। मंगलवार को जनसुनवाई में यह शिकायत लेकर आराधाना नगर निवासी आशा पाठक, उनके पति अमरेश पाठक और अमरेश

साहू कलेक्ट्रेट पहुंचे। तीनों ने इस फर्जीवाड़े की शिकायत कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से की। तीनों ने बताया उनसे लाखों रुपए वसूल लिए गए हैं और उन्हें लौटाए नहीं जा रहे हैं। तीनों ने आशंका जताई की ठगों ने और भी लोगों को चूना लगाया होगा। तीनों की बैरसिया थाने में भी अच्छी सांठगांठ है, शिकायत के बाद भी वहां सुनवाई नहीं हो रही। जिसके बाद मामले की शिकायत आईजी देहात अभय सिंह से की गई है।

बिजली कंपनी द्वारा फर्जी पंचनामे बनाने की शिकायत

भानपुर निवासी हृदेश विश्वकर्मा ने अधिकारियों को शिकायती आवेदन में बताया कि बिजली कंपनी के एई महेश कुमार कोली द्वारा 6 दिसंबर को शाम 5 बजे डिजिटल पंचनामा तैयार किया गया है। जो कि फर्जी है, आवेदक ने बताया स्वीकृत लोड 3 किलोवाट होने के बाद 42.59 किलोवाट दर्शाया गया है। जबकि किसी भी उपकरण का मानक उपकरणों से परीक्षण नहीं किया गया। नियमानुसार तीन स्वतंत्र गवाहों का विवरण होना था, तीनों जगह गवाहों के नाम पते में एनए भरा गया है। लोड परीक्षण के कॉलम में भी एनए है। वेल्डिंग मशीन और एयर कंप्रेशर जैसी मशीनों के एक साथ संचालन को कोई भी प्रमाण नहीं दिया गया। न ही कोई फोटो ली गई, जो विजिलेंस नियमों का खुला उल्लंघन है। ऐसे ही कई अन्य अनियमितताओं की शिकायत कलेक्टर से की गई है। वहीं पंचवटी कालोनी निवासी शशिदेवी ने बताया कि नियमित बिल जमा करने के बाद भी चालान भेज दिया गया है। बिजली कंपनी ने 26 हजार 732 रुपये का चालान भेज दिया। बिजली भी काट दी गई। जबकि उनके द्वारा नियमित बिल भरा जाता है।

बेटे की मौत की जांच कराने लगाई गुहार

ऋषि नगर झुग्गी चार इमली निवासी अमरीश कुमार जाना ने जनुसनवाई में शिकायत की है कि पुत्र सुभोजित का मैनिट चौराहे के पास 1 दिसंबर 2025 को एक्सीडेंट हो गया था। इस हादसे में उसकी मृत्यु हो गई। मुझे शंका है कि मेरे पुत्र के चार दोस्त अनिरुद्ध शर्मा, कुलदीप कश्यप, देवांगशु तिवारी और विवेक जाटव का मेरे बेटे की मृत्यु में कोई न कोई भूमिका है। क्योंकि बेटे की पोस्टमार्टम रिपोर्ट मैच नहीं खा रही है। इस मामले की जांच कराई जाए।

निगम आयुक्त का दावा: काम रुकवाया रहवासियों का सवाल, कब हटेगा कब्जा

राजवैद्य बी सेक्टर में अवैध निर्माण पर बवाल, रहवासी पहुंचे आयुक्त के पास

जागरण, भोपाल। राजधानी के कोलार क्षेत्र के वार्ड-83 स्थित राजवैद्य बी सेक्टर कॉलोनी में नाले के किनारे शासकीय जमीन पर कथित कब्जे का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान और पार्क विकास के नाम पर किए जा रहे इस कब्जे को लेकर कॉलोनी के रहवासी सोमवार को नगर निगम कार्यालय पहुंचे और नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। रहवासियों का आरोप है कि राजू पाटनकर नामक ठेकेदार शासकीय जमीन पर अवैध रूप से निर्माण करा रहा है। लोगों का कहना है कि बीते करीब 15 दिनों से ठेकेदार द्वारा कभी पार्क, तो कभी

पटेल कुर्मी समाज का भवन बनाए जाने की बातें कही जा रही हैं। विरोध करने पर रहवासियों को शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराने की धमकी भी दी जा रही है। पूरा मामला करीब 15 दिन पहले शुरू हुआ, जब राजू पाटनकर ने नाले के किनारे शासकीय जमीन पर तीन डंपर कोपरा डलवाया। इसके बाद पोल गाड़कर तार फेंसिंग कराई गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोटो व नगर निगम का नाम लिखे स्वच्छता अभियान केबैनर लगाए गए। पूछताछ करने पर ठेकेदार ने बताया कि पार्षद निधि से पार्क बनवाया जा रहा है। शुरुआत में रहवासियों ने पार्क निर्माण का समर्थन किया, लेकिन पक्का निर्माण होता देख रहवासी इसका विरोध करने लगे।

मामले की दोबारा जांच

नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने रहवासियों की शिकायत सुनने के बाद स्पष्ट किया कि नगर निगम द्वारा वहां किसी भी प्रकार का पार्क निर्माण नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संबंधित स्थल पर जो भी निर्माण कार्य चल रहा था, उसे उन्होंने स्वयं रुकवाया है। इसके बावजूद रहवासियों ने सवाल उठाया कि जब नगर निगम कोई पार्क नहीं बना रहा है, तो फिर नाले के किनारे शासकीय जमीन पर किया गया कब्जा अब तक क्यों नहीं हटाया गया। इस पर आयुक्त ने आश्वासन दिया कि कब्जा किसी भी हालत में नहीं होने दिया जाएगा और पूरे मामले की दोबारा जांच कराई जाएगी।

मुंह के कैंसर से जाम हुआ था जबड़ा फिजियोथैरेपी ने कर दिया चमत्कार

▸▸ बिना आपरेशन खुलने लगा मुंह ▸▸ मरीज को पानी पीने में भी होती थी परेशानी

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मुंह के कैंसर के कारण जाम हुए जबड़े को खोलने में जहां तमाम मेडिकल साइंस असफल रहा वहीं फिजियोथैरेपी ने चमत्कार कर दिया। मरीज का मुंह जो कैंसर के कारण बंद पड़ गया था, फिजियोथैरेपी की मदद से अब वह फिर से खुलने लगा है और मरीज भोजन करने में सक्षम हो गया है। जानकारी अनुसार राजधानी के रहने वाले 50 वर्षीय मरीज कई सालों से तंबाकू का सेवन कर रहे थे। लगातार तंबाकू खाने से उनके मुंह में छाला हो गया जो आगे मुंह के कैंसर में बदल गया। उनका पूरा जबड़ा कैंसर की जद में आ गया। मरीज ने मुंबई के एक निजी अस्पताल में कैंसर का इलाज कराया जहां सर्जरी कर कैंसर की गांठ को निकाल दिया गया। इसके बाद मरीज को रेडिएशन दिए गए। रेडिएशन से मरीज का जबड़ा पूरी तरह चिपक गया। हालत यह हो गई कि मरीज खाना तो दूर पानी पीने से भी मोहताज हो गया।

कई महीने तक होता रहा परेशान

कई महीने तक परेशान होने के बाद मरीज इंदौर में एक मैक्लोफैशियल सर्जन से मिले। यहां मरीज की ग्राफ्टिंग की गई, लेकिन बहुत ज्यादा फायदा ना होने पर उन्हें फिजियोथेरेपी की सलाह देकर डॉ. सुनील पांडे के पास रेफर किया गया। यहां मरीज के लिए विशेष ट्रीटमेंट सेशन तैयार किए गए। करीब तीन महीने के उपचार के बाद अब मरीज की तीन उंगलियां मुंह में जा सकती हैं।

मुंह के कैंसर के बाद आम है समस्या

डॉ. पांडे के मुताबिक कई मरीजों में ओरल कैंसर के ऑपरेशन के बाद जबड़े के टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट जाम होने की समस्य होती है। इसे सबम्यूकस -फाइब्रोसिस् भी कहा जाता है। ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस में जबड़ा जाम होने लगता है। मुंह के अंदर सॉफ्ट टिशु, लार ग्रंथियों और मांसपेशियों, टीएमजे जॉइंट का लचीलापन कम व खत्म हो जाता है। ऐसे मरीजों को जबड़े (टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट) की कसरत (व्यायाम) करा कर मांसपेशियों व स्टिफ जॉइंट को पुनः सक्रिय किया जा सकता है।

आयोजन — इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में नारी की शाश्वत शक्ति का उत्सव

शाश्वती 2025: जनजातीय, पारंपरिक और शास्त्रीय विरासत की झलक

जागरण, भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित महिला-केंद्रित सांस्कृतिक महोत्सव शाश्वती 2025 :नारी की शाश्वत शक्ति का उत्सव के दूसरे दिन भारतीय लोक, जनजातीय, पारंपरिक और शास्त्रीय विरासत का सजीव एवं बहुआयामी प्रदर्शन देखने को मिला। हेमंत बहादुर सिंह परिहार एवं निदेशक प्रो. डॉ. अमिताभ पांडे ने बताया कि यह महोत्सव नारी की रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक नेतृत्व को सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। प्रमुख आकर्षणों में 'सृजनिका' शिल्प एवं हस्तकला प्रदर्शनी, 'अन्नपूर्णा' पारंपरिक खाद्य उत्सव और 'वाणीनी' सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल रहीं। 'सृजनिका' में वारली, भील, पटरी कला, डोकरा, पॉटरी, जूट, कान्था स्टिच, मैसूर पेंटिंग, एटिकोपाका खिलौने सहित देश के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक कलाओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। विशेष रूप से सराहनीय रही। ओडिशा, महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों ने भारतीय खान-पान की विविधता को दर्शाया।

एमपी एसडी द्वारा नाटक दफन करो का मंचन

मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय द्वारा नाटक दफन करो का मंचन मंगलवार शाम को रवींद्र भवन के अंजनी सभागार में किया गया। विद्यालय में नाट्य विधा में प्रशिक्षण के लिए दो वर्षीय पीजी डिप्लोमा इन नाट्य रंगमंच के सत्र 2024-26 के विद्यार्थियों के साथ यह नाट्य प्रस्तुति आमंत्रित अतिथि व्याख्याता सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ के निर्देशन में तैयार की गई है। यह नाटक प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक इर्विन शा द्वारा लिखे गए बरी द डेड का हिंदी रूपांतरण है, जिसका अनुवाद वेद राकेश ने किया है। यह नाटक प्रथम विश्व युद्ध के बाद लिखा गया था, लेकिन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। यह युद्ध की निरर्थकता, अमानवीयता और सत्ता की क्रूरता को उजागर करता है। कहानी युद्धभूमि से शुरू होती है, जहां छह सैनिक युद्ध में मारे जा चुके हैं।

जनजातीय संग्रहालय में संभावना गतिविधि जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में 30 दिसंबर 2025 से चल रहे नृत्य, गायन एवं वादन पर आधारित तीन दिवसीय गतिविधि संभावना में प्रदेश सहित अन्य राज्यों की लोक परंपराएं मंचित की जा रही हैं। शुभारंभ सत्र में कलाकारों का स्वागत जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र पारे द्वारा किया गया। पहले दिन मंच पर विविध लोकनृत्यों की आकर्षक झलकें देखने को मिलीं।

डिण्डोरी के गुदुमबाजा नृत्य ने गोण्ड जनजाति की पारंपरिक वादन-नृत्य परंपरा को प्रस्तुत किया, जिसमें गुदुम, डफ, मंजीरा और शहनाई की धुनों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। छतरपुर का बरेदी लोकनृत्य कार्तिक मास में होने वाले ग्वाला समुदाय के पारंपरिक उत्सव को जीवंत करता दिखा, जिसमें छोटे बालक कृष्ण का रूप धारण कर नृत्य प्रस्तुत करते हैं। ओडिशा की संस्कृति लिए हुए गोटीपुआ नृत्य में बाल कलाकारों ने कृष्ण लीला पर आधारित आंगिक मुद्राओं का मनमोहक प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ की सतनामी परंपरा का प्रसिद्ध पंथी नृत्य भी दर्शकों के विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें मांदर और झांझ की तेज लय के साथ नर्तकों की गतिशील मुद्राएं सांस्कृतिक ऊर्जा का प्रदर्शन थीं। साथ ही, निमाड़ी लोकगायन, भजन व पंडवानी गायन की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की सांगीतिक विविधता को समृद्ध किया।

संक्षिप्त खबरें

स्वदेशी मार्ट की स्थापना के प्रस्ताव के साथ संपन्न हुई कैट की मुहिम

मुख्य संवाददाता, भोपाल। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ और देश को समृद्ध करो के नारे के साथ कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और स्वदेशी जागरण मंच द्वारा चलाया जा रहा अभियान मंगलवार को संपन्न हो गया। 1 दिसंबर को पांडुर्णा से शुरू हुई यह यात्रा प्रदेश के विभिन्न जिलों से होते हुए राजधानी पहुंची। राजधानी में यात्रा के अंतिम पढ़ाव पर मानसरोवर कॉलेज से न्यू मार्केट तक एक रैली निकाली गई और न्यू मार्केट के व्यापारियों ने पुष्पवर्षा के साथ यात्रा का स्वागत किया। यह अभियान हर घर स्वदेशी- घर-घर स्वदेशी के संकल्प के साथ समाप्त हुआ। मुहिम के समापन अवसर पर केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और विधायक भगवानदास सबनानी मौजूद रहे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि स्वदेशी आर्थिक विषय से ज्यादा राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा आंदोलन है।

मिड डे ट्रेनिंग पूरी कर लौटे अफसरों ने की डीजीपी से मुलाकात

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मिड कैरियर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत विदेश यात्रा से लौटे राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों की डी-ब्रीफिंग मंगलवार को पीएचक्यू में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने अधिकारियों को नववर्ष में पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। डीजीपी ने कहा कि थानों को जनता के प्रति उत्तरदायी और संवेदनशील बनाना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और निष्ठा ही जनता में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करती है। जन सुनवाई के मामलों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। भीड़ प्रबंधन व वीआईपी सुरक्षा प्रोटोकॉल, संगठित अपराध पर तकनीक के जरिए नियंत्रण, इंदौर और भोपाल के लिए कैम्ब्रिज मॉडल पर क्राइम हार्म इंडेक्स बनाने, सिंहस्थ और उज्जैन महाकाल के लिए क्राउड मैनेजमेंट एवं महिला अपराधों की रोकथाम को लेकर भी निर्देश दिए।

जीतू के बयान पर सियासत, भाजपा ने दी नसीहत

पटवारी बोले-वे वनवास भोग रहे हैं, भाजपा ने कहा- राम बनने की न करें कोशिश

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में सबकुछ अच्छा नहीं चल रहा है। राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह अपने बयान को लेकर जहां अपनो से घिर गए है,तो वहीं प्रदेश कांग्रेस के मुखिया जीतू पटवारी के एक बयान ने प्रदेश में सियासी हलचल मचा दी है।

पटवारी ने कहा कि वे वनवास भोग रहे हैं, तो भाजपा ने कहा कि राम बनने की वे कोशिश नहीं करें। दरअसल मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर में बयान दिया कि वे स्वयं वनवास भोग रहे है। उनका यह बयान सोशल मीडिया में वायरल होते ही सियासी बयानों का दौर जारी हो गया। पटवारी के इस बयान को कांग्रेस जहां भावनात्मक संघर्ष और राजनीतिक लड़ाई से जोड़कर देख रही है, वहीं बीजेपी इसे नाटकीयता और आत्ममुग्धता करार दे रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने जीतू पटवारी के बयान का समर्थन करते हुए उनके बयान को भगवान राम से जोड़ दिया।

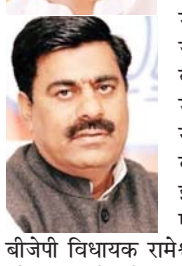

पीसी शर्मा ने कहा कि वनवास में रहकर भगवान राम ने रावण का वध किया था और आज मध्यप्रदेश की परिस्थितियां भी कुछ ऐसी ही हैं। उनका कहना है कि जीतू पटवारी संघर्ष के रास्ते पर हैं और उसका परिणाम सकारात्मक होगा। बीजेपी ने शर्मा के इस बयान पर कड़ा एतराज जताया है। बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि जीतू पटवारी की तुलना श्री राम से करना पूरी तरह से गलत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस ने ही जीतू पटवारी को वनवास दिया है। उन्होंने कहा कि जीतू पटवारी राम बनने की कोशिश नहीं करें,बल्कि उनकी पैरों की धूल बनें।

एआई की तस्वीर से जीता पुरस्कार

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सरकार ने एआई की तस्वीरों का उपयोग कर राष्ट्रीय जल पुरस्कार जीता। उन्होंने कहा कि खंडवा को जो पुरस्कार मिला, वह गलत जानकारी के आधार पर दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि खंडवा जिला प्रशासन द्वारा पुरस्कार जीतने के लिए एआई से निर्मित तस्वीरों का गलत तरीके से इस्तेमाल किया। पटवारी ने सोशल मीडिया एक्स में लिखा कि जहां भाजपा सरकार को हमारे बच्चों को एआई का सदुपयोग सिखाना चाहिए, वहीं वह खुद एआई से भ्रष्टाचार कर रही हैं। खंड्वा में भाजपा सरकार के अधिकारियों ने जल संरक्षण के नाम पर दो फीट के गड्ढों को एआई से कुआं बना दिया और पूरे क्षेत्र में तरह तरह के विकास कार्यों की एआई से बनाई गई तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड कर दीं। इन्हीं तस्वीरों के आधार पर राष्ट्रपति से पुरस्कार भी ले लिया गया। जब जमीनी हकीकत सामने आई, तो वहां खेत और खाली मैदान निकले।

जिला प्रशासन ने आरोपों को नकारा

इधर कांग्रेस के इस आरोप पर स्थानीय जिला प्रशासन ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। खंडवा जिला पंचायत मुख्य कार्यकारी अधिकारी नागार्जुन बी. गौड़ा ने कहा कि,एआई-जनित तस्वीरों का राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है। हकीकत यह है कि खंडवा जिले में 'जल संचय, जन भागीदारी' अभियान के तहत कुल 1,29,046 वास्तविक जल संरक्षण कार्यों की सत्यापित फोटो जेएसजेबी पोर्टल पर अपलोड की गईं, जिन्हें केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने जांचा और निरीक्षण भी किया। उन्होंने बताया कि उन फोटो को अपलोड करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कैच द रेन पोर्टल, जल संचय जन भागीदारी पोर्टल से पूरी तरह अलग है, और कैच द रेन पोर्टल पर अपलोड की गई शैक्षणिक फोटो को जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार के लिए विचार में नहीं लिया जाता है।

जन्मशताब्दी वर्ष पर सुशासन सम्मेलन

जागरण, भोपाल। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नगर निगम, भोपाल द्वारा आईएसबीटी स्थित निगम सभाकक्ष में सुशासन सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन के प्रारंभ में स्व. वाजपेयी के चित्र पर अतिथियों ने माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। महापौर राय ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य वक्ता अग्रवाल का सम्मान किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता रजनीश अग्रवाल ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, आदर्श, विचारों के साथ ही सुशासन एवं उसके महत्व पर अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, निगम आयुक्त संस्कृति जैन, महापौर परिषद के सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती, महापौर परिषद के सदस्य मनोज राठौर ने भी अपने विचार व्यक्त किए, जबकि निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीडब्ल्यूडी के काम पर सवाल, खस्ता सड़क को लेकर मंत्री बोले- जीवनभर चलेगा काम

विशेष संवाददाता, भोपाल। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं मंडला जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने खराब सड़कों को लेकर लोकनिर्माण विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि एनएच-30 का काम जीवन भर चलेगा। मंत्री जायसवाल अपने प्रभार के जिले में मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। जब उनसे मंडला जिले में खराब सड़कों और लंबे समय से अधूरे पड़े निर्माण कार्यों को लेकर सवाल किया गया,तो उन्होंने विभाग और संबंधित ठेकेदारों को इसके लिए दोषी ठहराया। वर्ष 2014-15 में शुरू हुआ नेशनल हाईवे-30 का निर्माण कार्य के अधूरे रहने पर कहा कि यह काम तो पूरी जिंदगी चलता रहेगा। हालांकि उन्होंने बाद में अपनी बात को संभालते हुए कहा कि हम सिर्फ एक सड़क की बात नहीं कर रहे हैं, हर

जगह सड़कें बन रही हैं, इसलिए यह काम आगे भी चलता रहेगा। मंत्री जायसवाल ने कहा कि सड़क निर्माण में ठेकेदारों की भूमिका एक बड़ी समस्या है। कई बार टेंडर प्रक्रिया में अच्छे ठेकेदार मिल जाते हैं, लेकिन कई जगह ऐसे ठेकेदार भी आ जाते हैं, जिनके कारण काम समय पर पूरा नहीं हो पाता। सरकार काम रुकने न पाए, इसके लिए ठेकेदारों को अग्रिम भुगतान तक करती है। इसके बावजूद कुछ ठेकेदार पैसा लेने के बाद भी काम पूरा नहीं कर पाते। कई बार ऐसी स्थिति निर्मित होने पर सरकार एक प्रक्रिया में फंस जाती है, जिसके कारण ठेकेदारों पर कार्रवाई करना आसान नहीं होता। मंत्री ने कहा कि वे कलेक्टर को निर्देश देंगे कि संबंधित ठेकेदार की जानकारी ली जाए और यह पता लगाया जाए कि काम में कहां और क्यों परेशानी आ रही है। उन्होंने कहा कि कानूनी दायरे में जो भी रास्ता निकले, उसके जरिए सड़क निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराया जाएगा।

किसानों की आय बढ़ाने में दुग्ध उत्पादन की भूमिका अहमः सीएम

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के दुग्ध उत्पादन को औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का भी आधार बनाया जाए। दुग्ध उत्पादन तथा उसकी प्रोसेसिंग व मार्केटिंग में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इसके साथ ही दुग्ध उत्पादन कृषकों की आय बढ़ाने में भी प्रभावी रूप से सहायक है। सीएम मंगलवार को समत्व भवन में हुई राज्य स्तरीय संचालन समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कई निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि यह समिति मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन तथा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य हुए एग्रीमेंट के अंतर्गत गठित की गई है। बैठक में सीएम ने अधिकारियों से कहा कि सभी जिलों में समन्वित रूप से गतिविधियों संचालित करते हुए सांची ब्राण्ड का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए। सांची प्रोडेक्ट्स की ब्राण्डिंग में गोवंश और गोपाल को शामिल किया जाए। डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने में दुग्ध उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों की दक्षता और क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम स्तर तक गतिविधियां संचालित की जाएं। यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि दुग्ध संकलन व्यवस्था की मजबूत निगरानी हो। दूध खरीदी की कीमतें उत्पादकों के लिए लाभप्रद हों और खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित हो तथा दुग्ध उत्पादकों को उनका भुगतान नियमित रूप से समय-सीमा में प्राप्त हो। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पीपीपी मोड पर निजी भागीदारी और डेयरी सहकारी समितियों के समन्वय से दुग्ध उत्पादन गतिविधियों का विस्तार किया जाए।

श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति में की पूजा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मालवीय नगर स्थित युवा सदन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। यहां श्री अयोध्या धाम में पुनर्निर्मित श्रीराम मंदिर में श्रीरामलला के विराजमान की द्वितीय वर्षगांठ (तिथि अनुसार) पर आयोजन किया गया। जहां श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति के समक्ष सीएम सहित दूसरे नेता मौजूद रहे। सीएम ने कहा है कि राजधानी भोपाल में प्रदेश का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव शामिल करने के उद्देश्य से राजधानी के प्रमुख मार्गों पर द्वारों का निर्माण किया जा रहा है। यह द्वार भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, सम्राट विक्रमादित्य और राजाभोज को समर्पित होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक पुर्नउत्थान का पर्व जारी है। बनारस, अयोध्या हो या उज्जैन सभी ओर हमारी आस्था और भावना के अनुरूप समृद्ध संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं का प्रकटीकरण हो रहा है। प्रदेश में गीता जयंती पर बड़े पैमाने पर श्रीमद्भगवतगीता पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भड़के शिवराज, जीरामजी पर पंजाब सरकार के निंदा प्रस्ताव को बताया संविधान का अपमान

राहुल गांधी को दी कल्पना लोक से बाहर आने की सलाह

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब विधानसभा द्वारा विकसित भारत-जी राम जी कानून के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को सीधे तौर पर भारत के संघीय ढांचे पर हमला करार दिया है। शिवराज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी तीखा पलटवार करते हुए उन्हें हकीकत से कटा हुआ नेता कहा। चौहान ने संवैधानिक मर्यादाओं का हवाला देते हुए आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब सरकार के कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि संसद से पारित कानून को चुनौती देना और उसके खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव लाना लोकतंत्र और संघीय ढांचे की आत्मा के विरुद्ध है। अगर विधानसभाएं संसद के खिलाफ प्रस्ताव लाएंगी तो कल को जिला और ग्राम पंचायतें भी विधानसभा के कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने लगेंगी. इससे देश में अराजकता की शुरुआत हो जाएगी।

शिवराज ने जीरामजी की खूबियां भी गिनाईं

शिवराज ने मनरेगा के स्थान पर लागू होने वाली जीरामजी योजना की खूबियां गिनाते हुए कहा कि इससे अब 100 के बजाय 125 दिन का रोजगार मिलेगा और फंड सीधे मजदूरों के खातों में जाएगा जिससे बिचौलियों का खेल खत्म होगा। उन्होंने कहा कि नई योजना के तहत पिछड़ी पंचायतों को अधिक फंड और प्राथमिकता दी जाएगी।

मनरेगा में हुए भ्रष्टाचार की खोली फाइलें

भोपाल स्थित सरकारी आवास में प्रेस वार्ता में केंद्रीय कृषि मंत्री ने पंजाब सरकार को आईना दिखाते हुए राज्य में मनरेगा से जुड़े भ्रष्टाचार के आंकड़ों की झड़ी लगा दी। पंजाब में हजारों वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं लेकिन दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि पंजाब में ही मनरेगा में 13,304 ग्राम पंचायतों में से केवल 5,915 का ऑडिट हुआ, जिसमें लगभग 10,653 गबन के मामले उजागर हुए। पंजाब सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जमीनी हकीकत से दूर कल्पना लोक में विहार कर रहे हैं। राहुल गांधी भ्रम फैला रहे हैं कि केंद्र में बिना मंत्रिपरिषद के काम चल रहा है। राहुल जिम्मेदार राजनीति के बजाय अंध-विरोध का रास्ता चुन रहे हैं। उन्होंने राहुल पर निशाना साधते हुए कहा चुनाव आते ही वे त्रिपुण्ड और दुर्गा सप्तशती का सहारा लेते हैं, जबकि आस्था उनके लिए केवल राजनीतिक औजार है।

हाइटेंशन लाइन में उलझ रहा मांझा, एडवायजरी की जारी

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल शहर के पतंगबाजों द्वारा उपयोग किया जाने वाला चाइनीज मांझा न केवल आम लोगों के लिए बल्कि पतंगबाजों की जान के लिए भी खतरा बना गया है। एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की ओर से इसके लिए एडवायजरी जारी करते हुए बताया गया कि पतंगबाजी के दौरान चायनीज मांझा के 220 केवी और 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों पर फंसने के कारण पिछले 1 वर्ष में भोपाल क्षेत्र की चार प्रमुख ट्रांसमिशन लाइनों पर व्यवधान हुआ। इससे न केवल बिजली आपूर्ति बाधित हुई, बल्कि पतंगबाजों को भी इसका नुकसार हुआ है। ऐसे में अब एमपी ट्रांसकों को ट्रांसमिशन लाइनों की सुरक्षा के लिए भोपाल में विशेष जागरूकता अभियान चलाएगी। बता दें कि खतरनाक चायनीज मांझा धात्विक लेप युक्त होता है। इसलिए यह ट्रांसमिशन लाइन के लिए इसलिए खतरनाक होता है, क्योंकि यह विद्युत का अच्छा चालक होता है। एमपी ट्रांसको भोपाल के कार्यपालन अभियंता रवि चौरसिया ने बताया कि पिछले तीन सालों में 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों की दो बार ट्रिपिंग के साथ विद्युत दुर्घटनाओं की घटनाएं भी सामने आई हैं। सबसे ज्यादा घटनाएं कलियासोत, आनंद नगर, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, करोंद, रतनपुर, देवकीनगर, नारियलखेड़ा जैसे इलाकों में हुई हैं।

पतंगबाजों की जान के लिए बना खतरा, भोपाल के सात इलाकों में सबसे ज्यादा हो रही घटनाएं

मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग

पंचम तल, मेट्रो प्लाजा, ई-5 अरेरा कालोनी, बिटटन मार्केट, भोपाल – 462016
दूरभाष: 0755. 2463585ए2430154, फैक्स: 0755-4004137
ई-मेल: secretary@mperc.nic.in वेबसाइट: www.mperc.in

कमांक: मप्रविनिआ/डी(टी)/2025/2510 दिनांक : 24/12/2025

सार्वजनिक सूचना

जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपीवीएल) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने 2 x 250 मेगावॉट कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट, बीना जिला सागर, मध्यप्रदेश के लिए आयोग के 28.02.2025 दिनांकित आदेश से अवधारित उत्पादन टैरिफ के सत्यापन के लिए याचिका दायर की है। यह याचिका विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 62 और धारा 86(1)(ए) के सहपठित मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (उत्पादन टैरिफ के अवधारण संबंधी निबंधन एवं शर्तें) विनियम, 2024 के तहत दायर की गई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आयोग के अवधारित उत्पादन टैरिफ के सत्यापन के उद्देश्य से दोनों इकाईयों के लिये वार्षिक स्थायी (क्षमता) प्रभार के दावे का विवरण निम्नानुसार है :-

(रु. करोड में)

विवरण	आयोग के 28.02.2025 दिनांकित आदेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये एएफसी का अवधारण	याचिकाकर्ता के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए एएफसी का दावा	सत्यापन राशि
	(अ)	(ब)	(स)=(ब-अ)
पूंजी पर प्रतिलाभ	164.00	203.00	39.00
ऋण पर ब्याज	38.92	43.05	4.13
अवमूल्यन/अवक्षयण	179.43	181.77	2.34
कार्यकारी पूंजी पर ब्याज	51.04	51.72	0.68
प्रचालन एवं संधारण व्यय	217.80	217.67	(0.13)
प्रचालन एवं संधारण व्यय (400 केवी पारेषण लाइन एवं बे)	-	0.37	0.37
भूमि के लिए देय पट्टा किराया	-	0.43	0.43
कुल वार्षिक क्षमता (स्थायी) प्रभार	**651.19**	**698.02**	**46.83**
कमः गैर टैरिफ आय	0.54	1.40	0.86
शुद्ध वार्षिक क्षमता (स्थायी) प्रभार	**650.65**	**696.62**	**45.97**
शुद्ध वार्षिक स्थायी प्रभार (स्थापित क्षमता के 65% के लिए)	**422.92**	**452.80**	**29.88**

आयोग ने याचिका स्वीकार कर इसे याचिका संख्या 132/2025 के रूप में दर्ज किया है ।

इस संदर्भ में आपत्ति/टिप्पणी/सुझाव देने के इच्छुक व्यक्ति उनके तथ्यों की पुष्टि में दस्तावेजों और साक्ष्यों की प्रतियों के साथ अपने मोबाइल नम्बर एवं ई-मेल आई.डी. सहित अपनी आपत्ति/टिप्पणी/सुझाव सीधे सचिव, म.प्र. विद्युत नियामक आयोग, "मेट्रोप्लाजा", तल-5, ई-5 अरेरा कॉलोनी, बिट्टन मार्केट, भोपाल-462016 को इस प्रकार भेज दें कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **21 दिनों** के अंदर आयोग कार्यालय पहुँच जाएं । इसकी एक प्रति निदेशक, जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड, जेए हाउस, 63, बसंत लोक, वसंत विहार, नई दिल्ली - 110057 को भी भेज दें। आपत्तियों/टिप्पणियों/सुझावों की अग्रिम प्रति को फैक्स और ई-मेल से भी भेजा जा सकता है। किसी शपथ पत्र की आवश्यकता नहीं हैं।

इच्छुक व्यक्ति' याचिका (अंग्रेजी संस्करण) की प्रति किसी कार्य दिवस में पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4:00 बजे तक आयोग कार्यालय या निदेशक कार्यालय, जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड, नई दिल्ली से प्राप्त कर सकते है। इसके लिए 200 रू. नकद या किसी अनुसूचित बैंक का 200 रू. का डिमाण्ड ड्राफ्ट एमपीईआरसी के नाम से भोपाल में देय या जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (यूनिटः जेपी बीना थर्मल पावर प्लांट) के नाम से नई दिल्ली में देय देना होगा। याचिका की प्रति 50 रू. अतिरिक्त डाक शुल्क भुगतान कर डाक से भी प्राप्त की जा सकती है। यह याचिका आयोग की वेबसाइट www.mperc.in पर भी उपलब्ध है।

इस प्रकरण में जन सुनवाई का आयोजन (हाईब्रिड मोड) दिनांक 03.02.2026 को प्रातः 12:00 बजे किया जायेगा। ऐसे व्यक्ति जिन्होंने निर्धारित समय सीमा में अपने लिखित आपत्ति/टिप्पणी/सुझाव प्रस्तुत किये हैं, उनके मोबाईल नम्बर एवं ई-मेल आई.डी. पर उक्त जन सुनवाई हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध गाईडलाईन्स के अनुसार उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु सूचना दी जायेगी।

आयोग के आदेशानुसार
(डॉ. उमाकान्ता पाण्डा)
सचिव

जल संसाधन और एमएसएमई मंत्री ने गिनाईं दो साल की उपलब्धियां, बताया विजिन

प्रदेश में सिंचाई का लक्ष्य पूरा करने परियोजनाओं पर काम शुरूः सिलावट

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने सिंचाई का रकबा 1 करोड़ हेक्टेयर करने का जो लक्ष्य तय किया है, उसे पूरा करने के लिए सिंचाई परियोजनाओं पर काम प्रारंभ हो गया है। सरकार ने कच्ची नहरों को पक्की बनाने और जर्जर बांधों की मरम्मत करने का लक्ष्य भी तय किया है। इस दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। यह बात मंगलवार को सूबे जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने अपने दो साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को लेकर पत्रकारों से संवाद करते हुए कही। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सिंचाई और जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के क्षेत्र में अब मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। वर्तमान में सिंचाई का रकबा 54 लाख हेक्टेयर से ज्यादा है, जिसे अगले वर्ष 65 लाख हेक्टेयर तक और 2029 तक 1 करोड़ हेक्टेयर तक बढ़ाने का रोडमैप तय किया गया है। उन्होंने तीन बड़ी नदी लिंक परियोजनाओं केन-बेतवा, पार्वती-कालीसिंध-चंबल और केन-मंदाकिनी लिंक परियोजना की प्रगति पर जोर दिया। इनसे किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी, सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पानी मिलेगा, और कृषि उत्पादन में ऐतिहासिक बढ़ोतरी आएगी। सिलावट ने बताया कि विभाग ने जल संरक्षण और संवर्धन, नहर नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण और माइक्रो इरिगेशन तकनीकों के उपयोग में भी देश में अग्रणी काम किया है।

सिंहस्थ की चल रहीं तैयारियां 2027 तक पूरा होगा काम

सिलावट ने कहा कि विभाग की सिंहस्थ को लेकर तैयारियां चल रहीं है और 2027 तक काम पूरा कर लिया जाएगा। सरकार का संकल्प है कि श्रद्धालुओं को क्षिप्रा के जल से स्नान कराया जाए। उन्होंने बताया कि सिंचाई रकबा 1 करोड़ हेक्टेयर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य सरकार तीन तीन बड़ी नदी लिंक परियोजनाओं पर फोकस कर रही है। सिलावट ने बताया कि विभाग ने जल संरक्षण और संवर्धन, नहर नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण और माइक्रो इरिगेशन तकनीकों के उपयोग में भी देश में अग्रणी काम किया है। उनका कहना था कि ये कदम न सिर्फ किसानों की आय बढ़ाएंगे, बल्कि प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जल संसाधन को भी मजबूत बनाएंगे। उन्होने कहा कि विभाग की सिंहस्थ को लेकर तैयारियां चल रहीं है और 2027 तक काम पूरा कर लिया जाएगा।

सभी 230 विधानसभाओं में 3 साल में होंगे इंडस्ट्रियल एरियाः कश्यप

मुख्य संवाददाता, भोपाल। एमपी के 230 में से 80 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां एक भी इंडस्ट्रियल एरिया नहीं है। प्रदेश के एमएसएमई मंत्री चेतन्य काश्यप ने मंगलवार को भोपाल के मिंटों हॉल में स्वीकार किया कि इन इलाकों में औद्योगिक क्षेत्र न होने से निवेश की रफ्तार कम हो रही है, यही कारण है कि आने वाले तीन सालों के भीतर प्रदेश के सभी 230 विधानसभाव क्षेत्रों में कम के कम एक इंडस्ट्रियल एरिया बनाने की तैयारी की जा रही है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश के महानगरों में इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स की ज्यादा डिमांड है ऐसे में छोटी यूनिटों के लिए गुजरात की तर्ज पर मल्टी स्टोरी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स बनाने की तैयारी की जा रही है। इसकी शुरुआत गोविंदपुरा से होगी। अगले चरण में अन्य शहरों में बसे औद्योगिक क्षेत्रों में कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे। इसके साथ ही एमएसएमई डिपार्टमेंट प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों में नए इंडस्ट्रियल प्लॉट विकसित करने पर फोकस कर रहे है। एमएसएमई डिपार्टमेंट ने पिछले दो साल के दौरान प्रदेश में लगी 4865 यूनिटों को ऑनलाइन सिंगल क्लिक के माध्यम से 3,118.44 करोड़ की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई। इसके अलावा दो साल में विभाग ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत 16491 युवाओं को 1134.27 करोड़ का लोन दिया है।

स्टार्टअप के लिए एक साल में 1 लाख 20 हजार की मदद

एमएसएमई मंत्री चेतन्य कश्यप ने बताया कि युवाओं को उद्योगों से जोड़ने के लिए राच्य की स्टार्टअप नीति में नए प्रावधान किए गए हैं। सरकार अब स्टार्टअप के लिए एक साल तक हर महीने 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दे रही है युवाओं को दे रही है, ताकि शुरुआती दौर में मदद की जा सके। कश्यप ने कहा कि अब नए आइडिया को जमीन पर उतारने के लिए सरकार प्रोटोटाइप डेवलपमेंट के लिए 30 लाख रुपए तक की मदद देगी, जबकि स्टार्टअप्स के लिए सरकार ने 100 करोड़ रुपए का सीड फंड बनाया है। इसके अलावा एमएसएमई डिपार्टमेंट प्रदेश मे छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मेगा इन्क्यूबेशन सेंटर बना रहा है, जिसमें आइडिया डेवलपमेंट के लिए आधुनिक लैब, मेंटरिंग, शेड और वर्क प्लेस दिया जाएगा।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

फिर चुनौतियों से घिरी नजर आ रही है कांग्रेस

निस्संदेह, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को फिलहाल बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव दर चुनाव उसका दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। हालांकि, पार्टी ने 'वोट चोरी' मुहिम को बड़ा मुद्दा बनाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उसके परंपरागत वोट फिर लौटकर नहीं आए। बल्कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों को भी सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल सका। पार्टी के लिए आने वाला साल एक नई चुनौती लेकर आ रहा है।

आने वाले साल में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व का आत्मविश्वास से भरा रवैया दिखाना स्वाभाविक ही कहा जाएगा। इस आयोजन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि 'कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो सदैव हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश व्यक्ति के हितों के लिए खड़ी रही है।' वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणा की कि 'कांग्रेस एक विचारधारा का नाम है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।' लेकिन वास्तव में एक कड़वी सच्चाई यह है कि पार्टी के अस्तित्व पर संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। पार्टी संगठन में असंतोष की आहटें साफ तौर पर सुनाई दे रही हैं। यह असंतोष किस हद जा पहुंचा है, हालिया घटनाक्रम इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की कुशल संगठनात्मक रणनीति की प्रशंसा और ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी थी।

दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। देखा जाए तो गाहे-बगाहे कांग्रेस संगठन से शीर्ष स्तर पर गहरे तक जुड़े रहे दिग्गज कांग्रेस नेताओं के पार्टी लाइन से हटकर दिए गये बयान पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह का भाजपा व आरएसएस की संगठनात्मक शक्ति को लेकर चौंकाने वाला बयान सार्वजनिक विमर्श में आया, तो उनके विचारों के प्रति शशि थरूर का संयमित समर्थन करता दृष्टिकोण भी सामने आया, जो यह भी दर्शाता है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक शक्ति के पुनर्निर्माण के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं कर सकती। अक्सर कांग्रेस यह दावा भी करती रही है कि इतिहास, मूल्य और विचारधारा उसकी मूल पूंजी हैं। इस पूंजी को चुनावी लाभ में परिवर्तित किया जा सकता है या नहीं, यह बयानबाजी से कम और पार्टी में सुधार, संगठन के पुनर्गठन और जनता से प्रभावी ढंग से पुनः जुड़ने की क्षमता पर अधिक निर्भर करता है। ऐसे समय में, जब राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा का वर्चस्व बना हुआ है और यह कह सकते हैं कि सभी क्षेत्रों में इसका दबदबा कायम है, भाजपा ने तो यहां तक कह दिया है कि कांग्रेस 'चापलूसों की सेना' है। साथ ही उसे भारतीय लोकतंत्र की 'सबसे कमजोर कड़ी' तक करार दे दिया है। निस्संदेह, यह आलोचना, जो काफी हद तक सच के करीब है, कांग्रेस को आत्ममंथन करने और मौजूदा स्थिति में बदलाव लाने के लिए भी प्रेरित करेगी। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि अपने एक सौ चालीस साल के इतिहास में कांग्रेस एक चुनौतीपूर्ण मोड़ पर खड़ी हुई है। ऐसे में इस पार्टी का पुनरुत्थान भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए विपक्ष की संभावनाओं की कुंजी भी साबित हो सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अतीत की विफलताओं से सबक लेकर कांग्रेस पार्टी नये साल में नये तेवरों के साथ जनता के दरबार में जाएगी।

उत्तर पूर्व | देश के इस अपेक्षाकृत दूरदराज कोने में बढ़ रही है बेचैनी

नाजुक मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत

गुरबचन जगत

देश के उत्तर पूर्व में बढ़ते असंतोष को नियंत्रित नहीं किया गया तो यह बड़ी अस्थिरता का कारण बन सकता है। इस संवेदनशील क्षेत्र में मौजूदा चुनौती को पहचानकर समाधान करने के लिए तत्पर रहने की जरूरत है। खासकर पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन के गठजोड़ के मंसूबों के मद्देनजर। सदियों से, भारत अनगिनत हमलों का निशाना बनता रहा। यह एक प्राचीन सभ्यता थी, जिसके पास बेशुमार दौलत थी, और मध्य एशिया, ईरान, यूनान आदि के राजा सदा भारत पर हमला करने और उसे लूटने की कोशिश करते रहते थे। गौरी, गजनवी, अब्दाली, मुगल... ये सभी उत्तर-पश्चिम की तरफ से, खैबर दर्रे या ईरान और आज के पाकिस्तान के रास्ते आए। उन्होंने लूटा, अपवित्र किया, नरसंहार किया और कुल मिलाकर उस भूमि को बर्बाद कर दिया। मुगलों ने एक कदम और आगे बढ़कर यहां पर अपनी जड़ें जमा लीं और सदियों तक राज किया। हालांकि, हमारे दक्षिणी राज्य और साम्राज्य, अपनी दूरी के कारण, इन हमलों को भुगतने से बचे रहे, और वहां लंबे समय तक समुद्र के रास्ते कोई हमला नहीं हुआ। उन्होंने नजदीकी एवं सुदूर पूर्व के देशों के साथ व्यापार किया; उस व्यापार से आखिरकार जो आया, वह था यूरोपीय लोगों के रूप में एक कहीं ज़्यादा घातक हमलावर।

पुराने उत्तर-पूर्वी राज्य (अहोम, मैतेई, कचारी, त्रिपुरी, वगैरह) लंबे समय तक निरंतर आपसी संघर्ष और अशांति की स्थिति में थे। अंग्रेजों ने जो वर्गीकरण थोपा उससे यह पुरानी दरारें और ज्यादा चौड़ी हो गईं। इसमें और इजाफा हुआ बर्मा साम्राज्य के साथ युद्ध और संघर्ष से।

आज मैं जिस पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा वह है उत्तर-पूर्व,क्योंकि भारतीय उपमहाद्वीप के इस अपेक्षाकृत दूरदराज कोने में एक बेचैनी पनप रही है, जिसे अगर थामा नहीं गया, तो आने वाले समय में यह इस क्षेत्र में बहुत अस्थिरता का स्रोत बन जाएगा। प्रकृति को शून्यता पसंद नहीं और यह तब और भी ज्यादा लागू है जब बात शक्ति और अधिकार की शून्यता भरने की आए। जो आग आज एक छोटी सी झाड़ी की लग रही है, ऐसे में जब कतिपय 'तत्वों' द्वारा हवा दी जा रही हो, तो कल को वह एक बेकाबू दावानल बन सकती है जिसे बुझाने में भारी संसाधन खपाने पड़ेंगे और यह हमें और कमजोर करेगी। यही वह कमजोरी है जो सदियों से हमलावरों को लाती रही है।

आज की तारीख में, दक्षिण अभी भी सुरक्षित है, सिवाय समुद्र के रास्ते होने वाली बड़े पैमाने की तस्करी के। इस समस्या से निपटने के लिए हमारे पास तट रक्षक बल और नौसेना है। उत्तर और

उत्तर-पश्चिम में नियंत्रण रेखा के पार से पाकिस्तान और लद्दाख में चीन की लगातार चुनौती बनी हुई है। यहां संघर्ष की सीमाएं पुरानी हैं, और नागरिक तथा हमारे रक्षा बल हमलावरों और घुसपैठियों की परेशान करने वाली लहरों के उतार-चढ़ाव के आदी हैं। मैं ऐसा नहीं कहूंगा कि यह एक तेज़ी से क्रमिक विकास करती चुनौती नहीं है, लेकिन शायद समय के साथ यह अपनी मौजूदगी में स्थिर रही है।

पूर्वोत्तर की बात करें तो, हमें इस मोर्चे पर जिस गंभीर और आसन्न खतरे का सामना करना पड़ सकता है, उसे पहचानना होगा। क्योंकि आज हमारे पास पड़ोसी के तौर पर एक अस्थिर म्यांमार है, साथ ही बांग्लादेश भी है, जो पहले हमारा दोस्त था लेकिन अब हमारे प्रति बहुत ज़्यादा बैर पाले हुए है। बांग्लादेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग-थलग करने और चीन की मदद से उग्रवाद को बढ़ावा देने की ज़रूरत के बारे में नियमित बयान दे रहे हैं। पाकिस्तान, चीन की गुप्त मदद से उनके साथ है और उन्हें जन, सामान और नैतिक समर्थन दे रहे हैं। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को भारत के प्रति अपनी बुरी भावना और कश्मीर के लिए अपने मंसूबे ज़ाहिर करने में जरा हिचक नहीं है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर गंभीर अत्याचार हो रहे हैं और निशाना बनाकर हत्याएं हो रही हैं। चीनी ड्रैगन की लगातार बढ़ती मौजूदगी एक खतरा है जो हर दिन बढ़ रहा है।पेंटागन की रिपोर्ट से पता चलता है कि ताईवान की तरह चीन के लिए अरुणाचल प्रदेश बहुत अहम इलाका है। अरुणाचल सीमा के पार चीन अपने मिलिट्री ठिकानों को तेज़ी से बढ़ा रहा है, जिसमें अग्रिम इलाकों में हवाई अड्डे और हैंगर शामिल हैं। उसने इस इलाके में गांव भी बसाए हैं। याद रखें कि लद्दाख इलाके में हमारी चीन के साथ आमने-सामने की टक्कर हुई है। चीन लगातार ऐसे इलाकों की तलाश में है जहां अग्रिम ठिकाने बनाए जा सकें। इस बीच, ऐसी खबरें आई हैं कि उल्फा के कई गुट चीन से निकलकर बांग्लादेश जा रहे हैं और अपने जैसी अन्य ताकतों के साथ गठजोड़ कर रहे हैं। ये गुट पश्चिम बंगाल, असम, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा में विगत के आंदोलनों के बचे-खुचे हिस्से को हवा देंगे। हमारे इन राज्यों में पहले से ही अंदरूनी समस्याएं हैं जो हाल के सालों में और बढ़ गई हैं। मसलन, मणिपुर में मैतेई और पहाड़ी जनजातियां- कुकी, नागा वगैरह ऐतिहासिक मतभेदों के कारण आपस में बंटी हुई हैं। ये पहाड़ी जनजातियां मिजोरम, मेघालय और नगालैंड में भी फैली हुई हैं। मणिपुर में हिंसा लगातार जारी है और जबकि वहां सेना, अर्धसैनिक बल और पुलिस की भारी मौजूदगी है। इस समस्या को हल करने की ज़रूरत है, और बलों को कार्रवाई की एक स्पष्ट योजना दी जानी चाहिए। मिजोरम, मेघालय और नगालैंड में शरणार्थी कैंप हैं, जो विस्थापित जनजातियों के प्रति सहानुभूति दर्शाते हैं। इस समस्या में और वृद्धि यह हो सकती है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन और म्यांमार की सक्रिय मदद से पुरानी आंतरिक गड़बड़ी फिर से शुरू हो सकते हैं। यहां सनद रहे कि इन विद्रोहों को पहले पहल लोगों का समर्थन मिला था। इन इलाकों में लंबे समय तक सामान्य राजनीतिक गतिविधियों पर रोक रही, और इन्हें काबू में लाने में सेना, कूटनीति और नागरिक प्रशासन को दशकों तक मेहनत करनी पड़ी। इन संगठनों के संयुक्त प्रयासों से राजनीतिक प्रक्रिया बहाल हो पाई। अभी भी कुछ सेवानिवृत्त सेना, नागरिक और पुलिस अधिकारी हैं, जिन्हें उस समय की कई खौफनाक कहानियां याद हैं। दशकों से बहुत खून बह चुका है- हमारे सुरक्षाकर्मियों और इन राज्यों में रहने वाले हमारे लोगों का खून। आइए अब हम अपने राजनीतिक और नागरिक समाज के तमाम संसाधनों का इस्तेमाल इस समस्या को हल करने में करें, ताकि हमें फिर से हथियारों का सहारा न लेना पड़े। आइए हम दुश्मन का दृढ़ता से सामना करें, जिस भी तरह से सही लगे, लेकिन उन्हें अपनी नापाक योजनाओं को पूरा न करने दें।

पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और चीन का आपसी गठजोड़ कोई कल्पना न होकर एक सच्चाई है। यदि इसे नहीं रोका गया, तो यह गठजोड़ विद्रोही ताकतों से मिल जाएगा, तब हालात और भी खराब हो जाएंगे। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि आज अमेरिका अपनी ही रणनीति पर चल रहा है- हमारे हित उससे मेल खाते हैं या नहीं, इससे अमेरिकियों को कोई फर्क नहीं पड़ता। कार्रवाई करने का समय अभी है। क्या हम इस चुनौती को पहचानने और उसका डटकर सामना करने के लिए तैयार हैं? जैसा कि शेक्सपियर ने लिखा था, 'इंसानों के मामलों में एक ऐसा मोड़ आता है, इसका सही समय पर फायदा उठा लिया जाए, तो किस्मत बदल देता है...।'

खुला मंच

वैदिक घड़ी और कालगणना

लोकेन्द्र सिंह

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर लगी 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' सांस्कृतिक पुनरुत्थान का केंद्र बन गई है। 'वैदिक घड़ी' का अनावरण करके कालगणना की परंपरा को फिर से लोक प्रचलन में लाने के प्रयासों का केंद्र बिन्दु भी मध्यप्रदेश को बना दिया है। उम्मीद है कि भविष्य में पंचांग पर आधारित यह 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' लोक प्रचलन में आ जाएगी और तिथि, मुहूर्त, माह, व्रत, त्योहार की सटीक जानकारी प्राप्त करने की हमारी कठिनाई को दूर कर देगी। इसके साथ ही, डिजिटल घड़ियों में भी जल्द ही यह सुविधा आ जाएगी कि हम उनमें 'भारत का समय' देख सकें।

भारतीय कालगणना पर आधारित आधुनिक घड़ी की आवश्यकता हमारे नित्य जीवन में इसलिए भी है क्योंकि वर्षों से बाहरी आक्रमणों के साथ संघर्ष में बहुत कुछ भूलने के बाद भी हम अपने शुभ कार्यों को अपनी कालगणना के आधार पर ही सम्पन्न करते हैं। बच्चे के नामकरण, विवाह, त्योहार, नये कार्य का शुभारंभ, संपत्ति क्रय-विक्रय इत्यादि में हम अपने पंचांग का ही सहारा लेते हैं। लेकिन सामान्य नागरिकों को कालगणना की समझ नहीं होने के कारण अक्सर उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। विशेषकर, तिथियों की गणना में आम नागरिक भ्रमित होता है। जब उसके सामने यह वैदिक घड़ी होगी तो वह स्वयं ही आसानी से ज्ञात कर लेगा कि इस समय कौन-सी तिथि और मुहूर्त है। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी में एक दिन (सूर्योदय से अगले सूर्योदय तक) में 30 मुहूर्त होते हैं। प्रत्येक मुहूर्त में 30 कला और प्रत्येक कला में 30 काष्ठा होती हैं। यह घड़ी किसी भी स्थान के अक्षांश, देशांतर और स्थानीय सूर्योदय के आधार पर वैदिक समय की सटीक गणना करती है। वैदिक घड़ी में विक्रम सम्वत? पंचांग, तिथि, पक्ष, मास और संवत? वर्ष का प्रदर्शन प्रमुखता से होता है। घड़ी में चंद्र चरण प्रदर्शित होता है, जिससे हमें जानकारी मिलती है कि अभी शुक्ल पक्ष चल रहे हैं या कृष्ण पक्ष, अमावस्या है या पूर्णिमा। घड़ी देखकर हम यह भी जान सकते हैं कि इस समय कौन-सा नक्षत्र है। मुहूर्त और उसके नाम का प्रदर्शन भी वैदिक घड़ी में होता है। घड़ी के शीर्ष पर मध्य भाग में सूर्य राशि प्रदर्शित होती है, जो दर्शाती है कि सूर्य वर्तमान में किस राशि में स्थित है। यह घड़ी में प्रचलित भारतीय मानक समय, दिन, दिनांक भी दिखाती है। इसके साथ ही शहर का नाम भी प्रदर्शित होता है।

प्रसंगवश

वैश्विक पर्यावरण संकट और उसका समाधान

कुलभूषण उपमन्यु

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण शक्ति मानव के हाथ में दे दी, तब से विकास की परिभाषा भी धीरे धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का एक अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इसने अपने ही मूल पर आघात शुरू कर दिया है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेशन में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को संरेखित करती है और अपने तौर तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस ऊर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म इंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैवविविधता पर भी बुरा असर पडने़ वाला है, जिससे 10 लाख प्रजातियों के लुप्त हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40 प्रतिशत भूभाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थ व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मनुष्य शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि 2040 तक तापमान वृद्धि 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे। इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे। खास कर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी, जिसके लिए कार्बनमुक्त ऊर्जा विकल्पों की ओर मुडऩा होगा। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हाइड्रो काईनैटीक ऊर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीजल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित ऊर्जा की ओर मोडऩा पड़ेगा।

अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरुपयोग को नियंत्रित करने के लिए 'यूज एंड थ्रो' उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मरम्मत किए जाने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुनः चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना और पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित पर जोर देना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियां तलाशनी होंगी। परिवहन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए विकसित करना पड़ेगा। समस्याएं तो आती ही रहेंगी, किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूंढे जाएं तो हालत सुधरने में मदद जरूर मिलेगी।

ठाकरे पुनर्मिलन | यह पारिवारिक विवाद का अंत नहीं, चुनावी गणित के हिसाब से महत्वपूर्ण घटनाक्रम

भाजपा के लिए अब चुनौतीपूर्ण हो सकता है बीएमसी चुनाव

के एस तोमर

अब, जब उद्धव और राज ठाकरे दोनों एकजुटता का संदेश दे रहे हैं, तो भाजपा को एक पुनर्जीवित नैरेटिव का सामना करना पड़ रहा है, जो मराठी पहचान और गौरव को ठाकरे परिवार के पास वापस लाने की कोशिश करता है। उद्धव और राज ठाकरे के पुनर्मिलन का मतलब पारिवारिक विवाद का अंत नहीं है, बल्कि यह राजनीति, चुनावी गणित और संगठनात्मक बदलावों से जुड़ा महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। भाजपा, जो शिवसेना के आंतरिक विभाजन से लाभ उठाकर महाराष्ट्र में अपनी स्थिति मजबूत कर रही थी, अब इस घटनाक्रम से अपनी रणनीति में अनिश्चितता का सामना कर सकती है। इस पुनर्मिलन से भाजपा के लिए चुनावी खेल और जटिल हो सकता है।

'मराठी अस्मिता' की राजनीति की वापसी भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गई है। शिवसेना ने हमेशा मराठी गौरव और हिंदुत्व का मिलाजुला दृष्टिकोण पेश किया। जब राज ठाकरे ने एमएनएस बनाई और उद्धव ने शिवसेना का नेतृत्व किया तो यह एकाधिकार बिखर गया। इस बिखराव का फायदा भाजपा को मिला, जिसने मुंबई और अन्य शहरी इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत की और खुद को एक अनुशासित, राष्ट्रीय पार्टी के रूप में प्रस्तुत किया।

अब, जब उद्धव और राज ठाकरे दोनों एकजुटता का संदेश दे रहे हैं, तो भाजपा को एक पुनर्जीवित नैरेटिव का सामना करना पड़ रहा है, जो मराठी पहचान और गौरव को ठाकरे परिवार के पास वापस लाने की कोशिश करता है। हालांकि, तुरंत वोटों का स्थानांतरण दिखाई न दे, लेकिन यह नैरेटिव भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। भाजपा को उन क्षेत्रों में अपने राजनीतिक आधार को मजबूती से बनाए रखने के लिए भावनात्मक लाभ के लिए संघर्ष करना पड़ेगा, जहां स्थानीय प्रतीक और

अस्मिता की राजनीति नीतियों से कहीं ज्यादा प्रभावी होती है।

बीएमसी पर ठाकरे परिवार की मजबूत पकड़ रही है। भाजपा के लिए इसे अपने पक्ष में करना अहम था ताकि वह शिवसेना के जमीनी नेटवर्क को कमजोर कर सके और मुंबई में खुद को स्वाभाविक शासक के रूप में स्थापित कर सके। अब जब ठाकरे खेमे का पुनर्मिलन हो रहा है तो उनका उद्देश्य वोटों का बंटवारा रोकना है, जो पहले भाजपा के फायदे में था। हालांकि, भाजपा के पास मजबूत संगठन और संसाधन हैं, लेकिन अब यह लड़ाई पहले से ज्यादा कठिन हो सकती है।

शरद पवार की एनसीपी ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की एमएनएस के साथ मिलकर 15 जनवरी को होने वाले बीएमसी चुनावों में भाग लेने का निर्णय लिया है। पवार की योजना कांग्रेस को भी गठबंधन में शामिल करने की है, ताकि कांग्रेस मुंबई में अलग-थलग न पड़े। यदि कांग्रेस जुड़ती है तो गठबंधन की ताकत और नेतृत्व संतुलन बढ़ जाएगा, जो भाजपा के लिए चुनौती होगी। बीएमसी में भाजपा की हार उसकी शहरी राजनीतिक पकड़ को कमजोर कर सत्तारूढ़ गठबंधन में असंतोष बढ़ा सकती है, खासकर एकनाथ शिंदे गुट में।

अगर कांग्रेस उद्धव-एमएनएस गठबंधन से बाहर रहती है तो यह स्थिति बीएमसी चुनाव में बदल सकती है। कांग्रेस के पास मुस्लिम बहुल इलाकों, दक्षिण मुंबई और झुग्गी बस्तियों में असर है। उसके न होने से वोटों का अलग-अलग तरीके से उपयोग हो सकता है, जिससे ठाकरे गठबंधन की एकजुटता कमजोर हो सकती है। हालांकि, एनसीपी के साथ गठबंधन से ताकत बढ़ती दिखती है, लेकिन कांग्रेस के बिना वार्ड-स्तर पर निर्णायक वोट ट्रांसफर रुक सकता है। ऐसे में भाजपा को वोट विभाजन का फायदा मिल सकता है, जो करीबी मुकाबलों में परिणाम बदल सकते हैं।

यह पुनर्मिलन इस बात को दर्शाता है कि राजनीति केवल टूट-फूट और जोड़-तोड़ पर लंबे समय तक नहीं चल सकती। भाजपा का महाराष्ट्र मॉडल मुख्य रूप से विरोधियों को तोड़ने, गुटों को जोड़ने और क्षेत्रीय नेतृत्व को कमजोर करने पर केंद्रित था, जिससे उसे अल्पकालिक लाभ मिला। हालांकि, इससे यह धारणा भी बनी कि जनादेश का पुनर्गठन नैतिक सहमति से नहीं, बल्कि जोड़-तोड़ से हो रहा है। ठाकरे परिवार का पुनः एकजुट होना इस रणनीति के खिलाफ एक प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा सकता है। इस समय भाजपा के पास राष्ट्रीय नेतृत्व, कल्याणकारी योजनाएं, शहरी मध्यमवर्ग का समर्थन और अनुशासित चुनावी मशीनरी—ये सभी उसकी प्रमुख ताकतें हैं। दूसरी ओर, उद्धव और राज ठाकरे के सामने संगठनात्मक कमजोरी, पुरानी असहमति और नेतृत्व शैलियों के टकराव जैसी चुनौतियां हैं।

राजनीति सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह गति, धारणा और मनोवैज्ञानिक माहौल का भी सवाल है। भाजपा नेताओं को बार-बार यह कहना पड़ रहा है कि पुनर्मिलन का 'कोई असर नहीं' पड़ेगा—यह अपने आप में एक प्रकार की रक्षात्मकता को दर्शाता है। यदि ठाकरे मुंबई में वैकल्पिक शहरी नेतृत्व के रूप में अपनी विश्वसनीयता स्थापित कर पाते हैं, तो भाजपा का मनपसंद नैरेटिव चुनौती में पड़ सकता है। मध्यम अवधि में इसका असर बीएमसी तक सीमित नहीं रहेगा। यहां के चुनावी नेटवर्क और पहचानें विधानसभा की राजनीति को भी प्रभावित कर सकती हैं। यदि ठाकरे ब्रांड पुराने समर्थकों और युवा मराठी मतदाताओं से जुड़ने में सफल रहते हैं तो भाजपा के लिए मुकाबला कठिन हो सकता है। भाजपा को समझदारी से शासन, बुनियादी सेवाओं और शहरी ढांचे पर ध्यान देना होगा। यदि ठाकरे बंधुओं की एकता बनी रहती है और जमीनी ढांचा मजबूत होता है तो बीएमसी चुनाव अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। यदि एकता टूटती है तो भाजपा की स्थिति मजबूत हो सकती है।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

जीवन दर्शन

सफलता की पहली शर्त है आंतरिक स्पष्टता

आप अपने भीतर जितनी ताकत, क्षमता और संभावना रखते हैं, शायद आपने अभी तक उसका अंदाजा भी नहीं लगाया। आप असीमित कौशल, ऊर्जा व प्रतिभा के साथ इस दुनिया में आए हैं और वे इतने अधिक हैं कि यदि आप उसे पूरी तरह से उपयोग करना शुरू करें, तो सौ जन्म भी कम पड़ जाएं। आज स्वास्थ्य, खुशी, सफलता तथा समृद्धि प्राप्त करने के जितने अवसर एवं नवाचार मौजूद हैं, उतने मानव इतिहास के किसी भी दौर में नहीं थे। लेकिन इन अवसरों को वास्तविक उपलब्धियों में बदलने की पहली व सबसे महत्वपूर्ण शर्त है-अपने भीतर पूर्ण स्पष्टता लाना। जब आप गहराई से समझ लेते हैं कि आप कौन हैं, और वास्तव में क्या चाहते हैं तथा आपको कहां पहुंचना है, तभी आप सामान्य व्यक्ति की तुलना में दस गुना अधिक और तेज उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

हर इन्सान के जीवन में सफलता के चार केंद्रीय स्तंभ होते हैं-स्वस्थ रहना, ऐसा कार्य करना, जिसमें आनंद मिले और जो आर्थिक रूप से फलदायी हो, अपने प्रिय और सम्मानित लोगों के साथ मजबूत और प्रेमपूर्ण संबंध रखना, तथा वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करना। जब आप इन चार क्षेत्रों में खुद को एक से दस तक अंक देकर ईमानदारी से आकलन करते

हैं, तो आपको तुरंत दिखने लगता है कि आपके जीवन की ज्यादातर समस्याएं उसी क्षेत्र से जुड़ी हैं, जहां आपका स्कोर सबसे कम है। और यही वह स्थान है, जहां सुधार की शुरुआत करते ही आपके जीवन में सबसे तेज, स्पष्ट तथा उत्साहजनक परिवर्तन दिखाई देते हैं। इन चार लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ते हुए आप दो तरह की मानसिकता अपना सकते हैं, पहला, समृद्धि का दृष्टिकोण और दूसरा, अभाव का दृष्टिकोण। पहला दृष्टिकोण अपनाने पर आप आत्मविश्वासी, सकारात्मक एवं समाधान-केंद्रित बन जाते हैं। आप दुनिया को अवसरों से भरी जगह मानते हैं और यह विश्वास रखते हैं कि यह जीने व आगे बढ़ने का सबसे अच्छा समय है। यह जागरूकता बनी रहती है कि दुनिया में चुनौतियां हमेशा थीं, हैं और रहेंगी, पर आप अपनी ऊर्जा इस बात पर केंद्रित रखते हैं कि क्या बेहतर किया जा सकता है, न कि किसकी गलती थी या अतीत में क्या हो चुका है। यह सोच आपको अधिक रचनात्मक, सक्रिय और लक्ष्य-उन्मुख बनाती है।

इसके विपरीत, दूसरा दृष्टिकोण आपको सीमित कर देता है। इस सोच में आप मानने लगते हैं कि सफलता भाग्य का खेल है, दूसरों की समृद्धि धोखे या पक्षपात का परिणाम है, तथा यह कि अमीर और अमीर बनते हैं, गरीब गरीब ही रहते हैं। यह नजरिया पुराने बहानों को सच मानने की आदत डाल देता है, जो धीरे-धीरे आपकी क्षमता को जकड़ लेता है। याद रखें, जो भी दृष्टिकोण आप विकसित करते हैं, समय के साथ वही आपके जीवन की दिशा तय करता है। अंततः आपका बाहरी संसार हमेशा आपके आंतरिक संसार का प्रतिबिंब होता है।

सूत्रः संतुलन बनाए रखें : आपके भीतर असीम शक्ति और प्रतिभा है। उसे दिशा देने की कुंजी है यह जानना कि आप कौन हैं, क्या चाहते हैं और आपको कहां पहुंचना है। स्वास्थ्य, आनंद, रिश्ते और वित्तीय स्वतंत्रता- ये जीवन के चार स्तंभ हैं, जिन्हें संतुलित करके आप असाधारण सफलता पा सकते हैं।

ब्रायन ट्रेसी

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति।।

भावार्थ

जितेन्द्रिय, साधनपरायण और श्रद्धावान मनुष्य ज्ञान को प्राप्त होता है तथा ज्ञान को प्राप्त होकर वह बिना विलम्ब के, तत्काल ही भगवतप्राप्तिरूप परम शान्ति को प्राप्त हो जाता है ।

लालघाटी से लेकर फंदा तक आज बिकेगी 5 करोड़ से अधिक की शराब

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। वर्ष 2025 की विदाई एवं नए साल वर्ष 2026 के आगमन में अब केवल एक दिन का शेष रह गया है। इस बार बुधवार साल का अंतिम दिन है, और इस दिन को लेकर खाने पीने को लेकर कोई प्रतिबंध नहीं होता है, ऐसे में साल का अंतिम दिन और नए साल की अगवानी को लेकर जबरदस्त तैयारियां चल रही हैं। लालघाटी से लेकर फंदा सीहोर रोड एवं गांधीनगर के अलावा संत हिरदाराम नगर में शराब की तो इस बार गजब की ठंड होने के अलावा बुधवार की वजह से देशी और अंग्रेजी दोनों ही तरह की शराब की बिक्री पूर्व के सालों की तुलना में कहीं अधिक होगी। एक अनुमान के अनुसार अकेले बुधवार 31 दिसम्बर को कम से कम 8 शराब की दुकानों पर 5 करोड़ से अधिक की शराब की बिक्री का अनुमान है। सामान्य दिनों की अगर बात की जाए तो लालघाटी से फंदा तक गांधीनगर को मिलाकर देशी व अंग्रेजी शराब की 6 दुकाने हैं, जिन पर प्रतिदिन की बिक्री 1.50 करोड़ होती है लेकिन साल के अंतिम दिन रात 12 बजे तक इन सभी दुकानों पर दोगुनी से अधिक लगभग 4 करोड़ की शराब की खपत का अनुमान जताया जा रहा है।

देशी शराब की खपत घटी

साल 2020 तक देशी शराब की खपत भी अंग्रेजी शराब की तरह पचास फीसदी थी, वहीं पिछले पांच सालों में देशी शराब की खपत में कमी आई है, वह इसलिए नहीं कि महंगी है बल्कि इसलिए कि श्रमिक तबके की मजदूरी बढ़ने की वजह से यह वर्ग भी अब देशी की जगह अंग्रेजी शराब का सेवन करने लगा है। जहां 2020 तक दिहाड़ी मजदूर 300 रूपए लेता था और मकान बनाने वाला मिस्त्री 600 रूपए वहीं अब दिहाड़ी मजदूर एक दिन के 700 रूपए ले रहा है जबकि मिस्त्री का एक दिन का रेट 1000 से लेकर 1200 तक पहुंच गया है यही कारण है कि वह देशी की जगह अंग्रेजी शराब पीने लगा है। शराब ठेकेदार ने बताया कि देशी की तुलना में अंग्रेजी शराब की खपत में वृद्धि हो रही है।

नए साल के जश्न की जोरदार तैयारी, सुरक्षा को लेकर पुलिस ने कमर कसी

जगह जगह प्वाइंट लगाए गए हैं, पुलिस फोर्स को शाम से लेकर देर रात तक चैकन्ना रहने के निर्देश दिए गए हैं, नए साल की अगवानी में किसी तरह की अनहोनी न हो, इस पर पैनी नजर रहेगी।

- आदित्य राज सिंह, एसीपी, संत हिरदाराम नगर

थाना स्तर व एसीपी आफिस स्तर पर बैठक की गई है, जिसमें सभी रिसोर्ट व रेस्टोरेंट मालिकों को समझाइश दी गई है। 11.30 बजे सर्विस बंद करें, लायसेंस में जो शर्तें हैं, उनका सख्ती से पालन करें।

- द्विया झारिया, प्रभारी थाना खजूरी

मंजिल ऊंची हो पर रास्ते हमेशा पैरों के नीचे ही होते हैं: डा. एसके जैन

नव युवक सभा के स्कूलों व कॉलेज का रंगारंग वार्षिक समारोह

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर की 70 साल पुरानी सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था नव युवक सभा द्वारा संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय कन्या कालेज, किशनचंद टी शहानी, अनंदराम टी शहानी हायर सेकंडरी स्कूल का सयुंक्त वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। इसमें बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डा. एसके जैन मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि मंजिल चाहे जितनी भी ऊंची क्यों न हो रास्ते हमेशा पैरों के नीचे ही होते हैं, जो निखर कर बिखर जाए वो कर्तव्य है और बिखर कर निखर जाए वो व्यक्तित्व होता है। कॉलेज की प्राचार्य डा. प्रिया बुधानी, शहानी स्कूल की प्राचार्य ज्योति चौहान एवं हरिओम शर्मा की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में डा. जैन ने प्रबंध समिति व शिक्षिकों की तारीफ करते हुए कहा कि संस्कार ही हर विद्यार्थी का भविष्य निश्चित करते हैं, इसलिए पढ़ाई के साथ अनुशासन एवं संस्कारों का होना भी बहुत ही जरूरी है। इस मौके पर मुख्य अतिथि का शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया। समारोह में प्रबंध समिति के पदाधिकारी, महेश दयारामानी, राजेश हिंगोरानी, सुरेश राजपाल, दिनेश वाधवानी, धर्मप्रकाश मोटवानी, कन्हैयालाल रामनानी, पुरषोतम टिलवानी, ओम प्रकाश टहिल्यानी, कमल प्रेमचंदानी, मनोहर लालवानी, प्रिया धर्मदासानी मुख्य रूप से उपस्थित थे। संचालन पूनम मुखरईया ने किया एवं ज्योति चौहान ने आभार माना। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

संवेदनशील, जिम्मेदार और संस्कारवान बनें: सिद्ध भाऊ

मिठी गोबिंदराम आशीर्वाद समारोह का गरिमामय आयोजन

संत हिरदाराम नगर। सीबीएसई से संबद्ध एवं आईएसओ प्रमाणित वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में 12वीं के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह आयोजित हुआ। इसमें शहीद हेमू कालानी एज्यूकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊ ने विद्यार्थियों को सत्य, सेवा एवं समर्पण के मार्ग पर अग्रसर रहने का संदेश दिया, तथा जीवन में नैतिक मूल्यों को व्यावहारिक रूप से आत्मसात करने के लिए अभिप्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह विदाई नहीं, बल्कि जीवन के एक नए और महत्वपूर्ण अध्याय की शुरुआत है। शिक्षा का उद्देश्य केवल सफलता प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, जिम्मेदार और संस्कारवान नागरिक बनना है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि वे जहाँ भी जाएँ, विद्यालय की गरिमा और मूल्यों को सदैव बनाए रखें। शहीद हेमू कालानी एज्यूकेशनल सोसायटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने कहा कि छात्र संस्था की शैक्षणिक परंपरा और मूल्यों के संवाहक हैं।

झूलेलाल चालीहा प्रभात फेरी की समाप्ति में सैकड़ों सिंधी भाषी श्रद्धालुओं ने लिया भाग

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। हर साल की तरह इस बार भी नवम्बर से प्रारंभ होकर दिसम्बर के अंतिम सप्ताह में समाप्त होने वाली सिंधियों के इष्ट देव एवं वरूणावतार भगवान झूलेलाल का श्री चालीहा साहिब व्रत एवं प्रभात फेरी शुक्रवार 21 नवंबर से जोर शोर से प्रारंभ हुई और इस कड़के की ठंड में भी अल सुबह सैकड़ों श्रद्धालु इसमें बारी बारी से शामिल हो रहे हैं। और घर-घर गूंज रहा है जय झूलेलाल का। सन् 1007 से ही जब तत्कालीन सिंध प्रदेश में मिर्ग बादशा के जुल्म बढ़ने लगे तब भगवान झूलेलाल ने पाले (मच्छली) पर अवतार लिया, और हिन्दुओं की रक्षा की बाद में मिर्ग बादशाह भगवान झूलेलाल की शक्ति के आगे नतमस्तक होकर उनके पैरों में गिर पड़ा, उसके बाद उसे माफ किया, तब से ही साल में तीन बार भगवान झूलेलाल की महिमा में कार्यक्रम किए जाते हैं, एक प्रोग्राम भगवान झूलेलाल की जयंती जो हर साल चैत्र माह में आती है, दूसरी इन्द्र देव भगवान झूलेलाल का चालीहा जो 16 जुलाई से 24 अगस्त तक मनाया जाता है, और तीसरा नवम्बर के अंतिम सप्ताह से लेकर जनवरी तक 40 दिन तक प्रभात फेरी, उपवास के साथ भगवान झूलेलाल की स्तुति की जाती है। सिंधी परिवार समाज और देश की खुशहाली हेतु 18 घंटे निर्जल निराहार रहकर पूज्य चालीहा साहिब व्रत रखता है। पूर्व में नाहीरी माह के व्रत केवल भगवान झूलेलाल जी के वंशज ठकुर परिवार ही रखा करते थे क्योंकि यह बहुत कठिन होते हैं। पर भक्तों की भगवान झूलेलाल जी के प्रति अनन्य आस्था को देखते हुए भक्तों के विनम्र निवेदन पर भगवान श्री झूलेलाल जी के 25 वें वंशज ठकुर साईं ओंमलाल साहिब जी ने भक्तों को आज्ञा प्रदान की कि यह व्रत रख सकते हैं।

अंतिम दिन जुटे सैकड़ों श्रद्धालु

मंगलवार की सुबह को 40 दिवसीय प्रभात फेरी का अंतिम दिन था, इस कारण न केवल संत हिरदाराम नगर बल्कि राजधानी के अनेक इलाकों से भी सिंधी भाषी श्रद्धालु बड़ी संख्या में इसमें शामिल हुए। अंतिम दिन झूलेलाल प्रभात फेरी ने चार घंटे से अधिक समय तक संत हिरदाराम नगर के विभिन्न मार्गो की परिक्रमा की इस दौरान रास्तेभर पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया गया।

SUDOKU 104

		8	2				1	
5						3		6
		9	1	4		2	5	
4	2							
			9		1			
							7	3
	6	3		2	4	8		
9		7						2
	8				6	5		

SOLUTIONS 103

1	9	5	6	4	2	7	3	8
6	3	2	8	9	7	5	4	1
8	4	7	5	3	1	6	2	9
2	6	1	3	5	9	4	8	7
3	7	8	2	6	4	9	1	5
9	5	4	1	7	8	3	6	2
5	2	3	7	8	6	1	9	4
7	1	9	4	2	3	8	5	6
4	8	6	9	1	5	2	7	3

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विरोधी सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें।

वृष : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। खर्चों में वृद्धि होगी।

मिथुन : जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

कर्क : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

सिंह : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। तनाव लेने से बचें।

कन्या : शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

तुला : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। वरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है।

वृश्चिक : किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

धनु : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

मकर : व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

कुंभ : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

मीन : कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी।

आज का पंचांग: 31 दिसंबर बुधवार 2025। **दिशाशूल :** उत्तर। **पर्व :** पुत्रदा एकादशी वैष्णव **विशेष :** कैलेंडर वर्ष 2025 का अंतिम दिन। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु, पौष मास शुक्ल पक्ष की द्वादशी 25 घंटे 49 मिनट तक तत्पश्चात त्रयोदशी, कृतिका नक्षत्र 25 घंटे 30 मिनट तक तत्पश्चात रोहिणी नक्षत्र, साध्य योग 21 घंटे 14 मिनट तक तत्पश्चात शुभ योग, मेष में चंद्रमा 09 घंटे 23 मिनट तक तत्पश्चात वृष में।

पुरानी रंजिश में दोस्त की गोली मारकर हत्या, 6 आरोपी गिरफ्तार

मंडीदीप। सतलापुर क्षेत्र में सामने आए एक रहस्यमय हत्याकांड का पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए खुलासा कर दिया है। विवेक शर्मा उर्फ अविनाश की हत्या के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। 27 दिसंबर 2025 को थाना सतलापुर में 39 वर्षीय विवेक शर्मा, निवासी सोनीपत (हरियाणा) व हाल निवासी कालिका नगर, नर्मदापुरम की गुमशुदगी दर्ज हुई थी। जानकारी के अनुसार, विवेक 26 दिसंबर को लोरका पिपलिया स्थित एक फार्महाउस में दोस्तों की पार्टी में शामिल होने गया था। पार्टी के बाद वह अकेले घर लौटने के लिए निकला, लेकिन वापस नहीं पहुंचा। पुलिस जांच के दौरान विवेक का मोबाइल रातापानी जंगल क्षेत्र के पास मिला, जिससे हत्या की आशंका गहराई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी बंटी फौजी उर्फ अमित जाट ने पुरानी रंजिश के चलते विवेक को पार्टी के बहाने बुलाया और विवाद के बाद उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। शव को कार की डिक्की में रखकर डबोटा घाट के जंगल में फेंका गया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त वाहन और हथियार भी बरामद कर लिए हैं। मामले में भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना जारी है। फरार आरोपी की तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

पुलिस गश्त बढ़ाने के दावे पर उठे सवाल ज्ञापन के बाद नहीं दिखी गश्ती पिकअप

मंडीदीप । वरिष्ठ पत्रकार पर हमले के मामले में सामाजिक एवं पत्रकारों के सहयोगी समूह द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की बात कही थी, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। ज्ञापन के बाद जब हमारे संवाददाता ने घटनास्थल क्षेत्र का दौरा कर पीड़ित परिवार और आसपास के स्थानीय रहवासियों से बातचीत की, तो उन्होंने बताया कि पहले कभी-कभार पुलिस की पिकअप वाहन क्षेत्र में नजर आ जाती थी, लेकिन ज्ञापन सौंपे जाने के बाद से एक बार भी गश्ती वाहन नहीं दिखा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्थिति पहले की तुलना में उलट हो गई है। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि घटनास्थल से सटे हॉस्टल क्षेत्र के आसपास दो-तीन कॉलोनियां हैं, जहां बड़ी संख्या में परिवार निवास करते हैं। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में रात्रिकालीन समय में कम से कम दो से तीन बार पुलिस गश्त आवश्यक है, ताकि लोगों में सुरक्षा की भावना बनी रहे। किराना दुकान संचालक रोहित करोसिया सहित पड़ोसियों और अन्य स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते दो-तीन दिनों से पुलिस की पिकअप वाहन क्षेत्र में नजर नहीं आई है, जिससे भय और असुरक्षा का माहौल है।

-:जाहिर सूचना:-

खसरा क्रमांक-101, 102, 103, ग्राम पडरिया जाट, तहसील हुजूर, जिला भोपाल

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री प्रेमनारायण आत्मज परम जाति चमार (गैर आदिवासी) निवासी– एलआईजी –624, फेस–5, पार्ट–2, बायपास, अयोध्या नगर, भोपाल एवं भूस्वामी– ग्राम–पडरिया जाट, भोपाल, के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की तीन किता अव्यपवर्तित अविकसित कृषि भूमि खसरा क्रमांक–101 (एस) रकबा–0.26 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक–102 (एस) रकबा–0.30 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक–103 (एस) रकबा –0.98 हेक्टेयर कुल रकबा–1.54 हेक्टेयर में से रकबा–0.203 हेक्टेयर (0.50 एकड/पचास डेसिमल) (आगे–पीछे 70 फीट फ्रंट के साथ), जो कि ग्राम–पडरिया जाट (मुख्य मार्ग से अन्दर) पटवारी हल्का नम्बर–0045, विकासखण्ड–फन्दा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में नगर पालिक निगम की सीमाओं के बाहर में स्थित है, जिसे मेरे पक्षकार के पक्ष में विक्रय करने का अनुबंध हो गया है एवं बयाना राशि भी अदा कर दी है उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, हाऊसिंग फायनेंस संस्था, फर्म, शासकीय व गैर शासकीय कार्यालय को किसी भी प्रकार आपत्ति हो या उक्त वर्णित सम्पत्ति कहीं अनुबंध, विक्रय, दान, बंधक, गिरवी, वसीयत, हिबा, हस्तांतरण इत्यादि हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 7 (सात) दिन की समयावधि में मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा मेरा पक्षकार उक्त वर्णित भूमि का पंजीयन करा लेगा, ऐसी स्थिति में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

महेश कुमार मौर्य अधिवक्ता
कार्या प्लाट नं.-154, महेन्द्रा काम्पलेक्स
जोन-1, एम.पी. नगर भोपाल
मो-9425011591

जाहिर सूचना

भूमि खसरा नं. 19/1/2 रकबा 0.046 हेक्टेयर, ग्राम- बिलखिरिया, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री हरीष हासानी पिता श्री अर्जुन दास हासानी, निवासी–न्यू बी–43 क्वाटर नं. 446, आरा मशीन रोड, बैरागढ़, जिला भोपाल (म.प्र.) के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 19/1/2 (S) रकबा 0.046 हेक्टेयर, ग्राम–बिलखिरिया प.ह.नं.–22 (बिलखिरिया कला) रा.नि.म–02 तहसील हुजुर भोपाल में नगर निगम भोपाल की सीमाओं के बाहर स्थित है जिसकी चतुर्थ सीमाएं–पूर्व में–फार्म लेण्ड का निजी रास्ता, पश्चिम में– अन्य की भूमि, उत्तर में–फार्म लेण्ड नं. 06, दक्षिण में–फार्म लेण्ड नंबर 08 स्थित है। उक्त भूमि को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने टोकन राशि का भुगतान कर दिया है उक्त भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, फर्म सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय को कोई आपत्ति हो या उक्त संपत्ति कहीं दान, बंधक, गिरवी हस्तांतरण, विक्रय अनुबंध इत्यादि हो तो वह व्यक्ति अथवा संस्था इस सूचना प्रकाशन के **07 दिवस** के अंदर मेरे कार्यालय में दस्तावेज प्रस्तुत करें, समय व्यतीत होने पश्चात किसी प्रकार की कोई **आपत्ति** मान्य व स्वीकार नहीं होगी व मेरे पक्षकार उक्त भूमि का विक्रय पत्र उप-पंजीयक कार्यालय भोपाल में निष्पादन करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

भवदीय **सुनील सिरवैया** एडवोकेट
चेम्बर नं. 153, प्रथम तल,
उत्तमचंद इसराणी, लॉयर्स चेम्बर,
अरेरा हिल्स भोपाल
मो. 9993477521, 7024225564

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, म.प्र. लोक निर्माण विभाग, (म. / स.) सीधी संभाग सीधी
Website - www.mppwd.gov.in/pwdmp, email-eepwdsidhi@mp.nic.in
नि सू क्र. 20/2025-26 सीधी, दिनांक 29.12.25

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधनों सहित के आधार पर, प्रपत्र – 'अ' में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों, से आमंत्रित की जाती है :-

ग्रुप क्र.	टेंडर आई.डी.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (रु.लाख में)	1. अमानत राशि 2. नि. प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्रमांक 2. कार्यावधि
1	2	3	4	5	6
1	2025_PWDRB_471138	उपसंभाग मझौली अन्तर्गत सिलवार मड़वास मुख्य मार्ग से बगैहा टोला व्हाया श्री बबलू सिंह के घर तक पहुँच मार्ग लं. 4.50किमी. का निर्माण कार्य । लो.नि.वि., सड़क एस. ओ. आर. 11.04.2025	388.13	1. 388130 2. 15000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह वर्षाकाल सहित
2	2025_PWDRB_471139	उपसंभाग मझौली अन्तर्गत सिरौला सहुआन बस्ती से खासाडोल जोगीपहाड़ी पटेल सिंह के घर तक नहर के बगल से पहुँच मार्ग लं. 3.00 किमी. का निर्माण कार्य। लो.नि.वि., सड़क एस.ओ.आर. 11.04.2025	253.93	1. 253930 2.15000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह वर्षाकाल सहित
3	2025_PWDRB_471141	उपसंभाग चुरहट अन्तर्गत आने वाले विभिन्न बी. टी. एवं सी. सी. मार्गों में एस. टी.एम.सी. कार्य । लो.नि.वि., सड़क एस.ओ. आर. 11.04.2025	441.55	1. 441550 2.15000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह वर्षाकाल सहित
4	2025_PWDRB_471142	उपसंभाग मझौली अन्तर्गत आने वाले विभिन्न बी. टी. एवं सी. सी. मार्गों में एस. टी.एम.सी. कार्य । लो.नि.वि., सड़क एस.ओ. आर. 11.04.2025	234.27	1. 234270 2.15000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह वर्षाकाल सहित
5	2025_PWDRB_471143	उपसंभाग सीधी अन्तर्गत आने वाले विभिन्न बी. टी. एवं सी.सी. मार्गों में एस.टी.एम.सी. कार्य । लो.नि.वि., सड़क एस.ओ. आर. 11.04.2025	142.27	1. 142270 2.12500	1. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह वर्षाकाल सहित
			योग:-	1460.15	

1. ऑन लाइन पोर्टल http://mptenders.gov.in के माध्यम से निविदा प्रपत्र क्रय करने, डाउनलोड एवं निविदा डालने का समय एवं दिनांक 05.01.2026 सुबह 10.00 से 21.01.2026 शाम 6.00 तक है।
2. अमानत राशि, केन्द्रीयकृत पी.डब्लू.डी. पंजीयन, शपथ पत्र, जी. एस. टी. एन. एवं अन्य तकनीकी विड से संबंधित अभिलेख (लिफाफा – अ एवं ब), स.क्र. 01 से 04 हेतु सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जा सकते है।
3. निविदा से संबंधित संशोधन, समय परिवर्तन आदि की सूचना केवल वेबसाइट के माध्यम से दी जावेगी।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है।
5. म.प्र. शासन राज्य पत्र दिनांक 09.09.2025 के अनुसार शपथ पत्र रू. 50 के स्थान पर रु. 200.00 के स्टाम्प पर प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

(एम.के. परते)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग सीधी (म.प्र.)

जी-23596/25 **पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार**

मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग
पंचम तल, मेट्रो प्लाजा, ई–5 अरेरा कालोनी, बिटटन मार्केट, भोपाल – 462016
दूरभाष: 0755. 2463585ए2430154, फैक्स: 0755–4004137
ई–मेल: secretary@mperc.nic.in वेबसाइट: www.mperc.in

क्रमांक: मप्रविनिआ/डी(टी)/2025/2514 दिनांक : 24/12/2025

सार्वजनिक सूचना

जय प्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपीवीएल) ने वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अपने 2 x 660 मेगावाट जेपी निगरी कोयला आधारित सुपर थर्मल पावर प्लाण्ट, जिला सिंगरौली, मध्यप्रदेश के लिए आयोग के 28.02.2025 दिनांकित आदेश से अवधारित उत्पादन टैरिफ के सत्यापन के लिए एक याचिका दायर की है। यह याचिका विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 62 और 86 (1)(ए) के साथ पठित मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (उत्पादन टैरिफ के अवधारण संबंधी निबंधन एवं शर्तें) विनियम, 2024 के तहत दायर की गई है।

वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए आयोग के अवधारित उत्पादन टैरिफ के सत्यापन के उद्देश्य से दोनों इकाईयों के लिये वार्षिक स्थायी (क्षमता) प्रभार के दावे का विवरण निम्नानुसार है :–

(रु. करोड में)

विवरण	आयोग के 28.02.2025 दिनांकित आदेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिये एएफसी का अवधारण	याचिकाकर्ता के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए एएफसी का दावा	सत्यापन राशि
	अ	ब	ब–अ
अंश पूंजी पर प्रतिलाभ	372.72	459.79	87.07
ऋण पर ब्याज	301.36	311.10	9.74
अवमूल्यन/अवक्षयण	545.94	555.42	9.48
कार्यशील पूंजी पर ब्याज	54.46	103.53	49.07
प्रचालन तथा संधारण व्यय	362.06	361.15	(0.91)
प्रचालन तथा संधारण व्यय (400 केवी पारेषण लाइन और बे)	–	1.41	1.41
भूमि के लिए देय पट्टा किराया	–	0.47	0.47
कुल वार्षिक स्थायी प्रभार (एएफसी)	1,636.55	1,792.87	156.32
कम: गैर–टैरिफ आय	3.84	0.67	(3.17)
शुद्ध वार्षिक क्षमता स्थायी प्रभार	1,632.71	1,792.20	159.49
स्थापित क्षमता के 30: के लिए शुद्ध वार्षिक क्षमता (स्थायी) प्रभार	489.81	537.66	47.85

आयोग ने याचिका स्वीकार कर इसे याचिका संख्या 133/2025 के रूप में दर्ज कर लिया है ।

इस संदर्भ में आपत्ति/टिप्पणी/सुझाव देने के इच्छुक व्यक्ति उनके तथ्यों की पुष्टि में दस्तावेजों और साक्ष्यों की प्रतियों के साथ अपने मोबाइल नम्बर एवं ई–मेल आई.डी. सहित अपनी आपत्ति/टिप्पणी/सुझाव सीधे सचिव, म.प्र. विद्युत नियामक आयोग, "मेट्रोप्लाजा", तल–5, ई–5 अरेरा कॉलोनी, बिट्टन मार्केट, भोपाल–462016 को इस प्रकार भेज दें कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **21 दिनों** के अंदर आयोग कार्यालय पहुँच जाएं । इसकी एक प्रति निदेशक, जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड, "जेए हाउस" 63, बसंत लोक, वसंत विहार, नई दिल्ली– 110057 को भी भेज दें। आपत्तियों/टिप्पणियों/सुझावों की अग्रिम प्रति को फैक्स अथवा ई–मेल से भी भेजा जा सकता है। शपथ पत्र की आवश्यकता नहीं है।

इच्छुक व्यक्ति' याचिका (अंग्रेजी संस्करण) की प्रति किसी कार्य दिवस में पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4:00 बजे तक आयोग कार्यालय या निदेशक कार्यालय, जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड, नई दिल्ली से प्राप्त कर सकते है। इसके लिए 200 रू. नकद या किसी अनुसूचित बैंक का 200 रू. का डिमाण्ड ड्राफ्ट एमपीईआरसी के नाम भोपाल में देय या जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (यूनिट: जेपी निगरी सुपर थर्मल पावर प्लाण्ट) के नाम से नई दिल्ली में देय देना होगा। याचिका की प्रति 50 रू. अतिरिक्त डाक शुल्क भुगतान कर डाक से भी प्राप्त की जा सकती है। यह याचिका आयोग की वेबसाइट www.mperc.in पर भी उपलब्ध है ।

इस प्रकरण में जन सुनवाई का आयोजन (हाईब्रिड मोड) दिनांक **03.02.2026** को प्रातः 12:00 बजे किया जायेगा। ऐसे व्यक्ति जिन्होंने निर्धारित समय सीमा में अपने लिखित आपत्ति/टिप्पणी/सुझाव प्रस्तुत किये हैं, उनके मोबाईल नम्बर एवं ई–मेल आई.डी. पर उक्त जन सुनवाई हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध गाईडलाईन्स के अनुसार उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु सूचना दी जायेगी।

आयोग के आदेशानुसार
(डॉ. उमाकान्ता पाण्डा)
सचिव

2026 में जीवन के हर पहलू को बदल देगी तकनीक

साल 2026 केवल नए ट्रेंड्स का वर्ष नहीं होगा, बल्कि यह हमारे जीने, सोचने और उपभोग करने के तरीकों में गहरे बदलाव का संकेत देगा। तकनीक अब महज सुविधा नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा बन रही है। उपभोक्ता संस्कृति में वेलनेस, सस्टेनेबिलिटी और अनुभव-आधारित जीवन की मांग तेज हो रही है। राजनीति से लेकर रिश्तों तक, मनोरंजन से लेकर नौकरियों तक हर क्षेत्र में 'कम लेकिन अर्थपूर्ण' जीवन की तलाश दिखेगी। 2026 उस संक्रमण बिंदु की तरह उभरेगा, जहां तेजी और ठहराव, एआई और मानवीय चेतना, उपभोग और जिम्मेदारी, सब एक-दूसरे से टकराते और संवाद करते दिखेंगे।

टेक्नोलॉजी, एआई और भविष्य का कार्य-जीवन

एआई

2026 में एआई केवल चैटबॉट या असिस्टेंट नहीं रहेगा, बल्कि एजेंटिक एआई, यानी खुद काम करने और जटिल निर्णय लेने में सक्षम सिस्टम उभरेंगे। अपने आप काम करने, निर्णय लेने और प्रक्रियाएं पूरी करने में सक्षम होंगे। साथ ही ऑन-डिवाइस एआई का चलन बढ़ेगा, जिससे डेटा लोकल रहेगा, प्राइवेसी बेहतर होगी और लेटेंसी यानी काम का वक्त घटेगा।

गेमिंग

एआई गेमिंग को पहले से कहीं अधिक पर्सनल और इमर्सिव बनाएगा। गेम्स अब तय स्टोरीलाइन तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि खिलाड़ी के व्यवहार के अनुसार खुद को ढालेंगे। हालांकि, एडिक्शन और मानसिक सुरक्षा को लेकर बहस तेज होगी।

एक्सटेंडेड रियलिटी

एक्सआर अब प्रयोग नहीं, रोजमर्रा का अनुभव बनेगा। स्मार्ट ग्लास और वियरेबल डिवाइसेज ज्यादा सामान्य दिखेंगे। गूगल, सैमसंग और अमेजन जैसी कंपनियों के नए लॉन्च इस दिशा को मजबूत करेंगे।

4. नौकरियां

सही स्किल्स रखने वालों के लिए 2026 का जॉब मार्केट मजबूत रह सकता है। एआई कुछ सेक्टर्स को बाधित करेगा, लेकिन ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, मैन्युफैक्चरिंग विस्तार और टैक्स सुधारों से नए अवसर भी पैदा होंगे।

क्विक कॉमर्स

ब्रांड्स खुद तेज डिलीवरी देने की ओर बढ़ेंगे। साझा डार्क स्टोर और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क बढ़ेंगे, जिससे छोटे ब्रांड्स भी क्विक कॉमर्स इकोसिस्टम में टिक सकेंगे।

लाइफस्टाइल उपभोग और सांस्कृतिक बदलाव

ब्यूटी

ब्यूटी और वेलनेस का मेल 2026 की पहचान बनेगा। स्किनिफिकेशन

ऑफ मेकअप यानी मेकअप से महज सुंदरता नहीं, बल्कि स्किन केयर फायदे भी अपेक्षित होंगे, हाइड्रेशन, सन प्रोटेक्शन और एक्टिव इंग्रीडिएंट्स के साथ।

फैशन

2026 को पर्सनल स्टाइल का साल कहा जा रहा है। एल्गोरिदम-ड्रिवन फैशन के खिलाफ प्रतिक्रिया दिखेगी। सेकंडहैंड और प्री-ओन्ड फैशन तेजी से बढ़ेगा, क्योंकि लोग वैल्यू और टिकाऊपन को प्राथमिकता देंगे।

विंटेज

जेन जी विंटेज को नए अर्थ दे रही है। विंटेज बैग, ब्रोच और पोएटकोर स्टाइल रोजमर्रा के पहनावे का हिस्सा बनेंगे बौद्धिक, सौम्य और टिकाऊ फैशन के रूप में।

इंटीरियर्स

2026 का इंटीरियर ट्रेंड है- रियल और कैरेक्टरफुल।

असली लकड़ी, घुमावदार फर्नीचर, गहरे रंग, टेक्सचर और इस्तेमाल किया हुआ लुक सजावटी परफेक्शन से दूर।

लक्जरी

लक्जरी अब वस्तुओं से ज्यादा अनुभवों में निवेश करेगी- क्यूरेटेड ट्रैवल, वेलनेस रिट्रीट, डेस्टिनेशन डाइनिंग, कल्चरल एक्सेस। पहचान और यादें, नई सोशल करेंसी होंगी।

डाइनिंग और ड्रिंक्स

कम या बिना अल्कोहल वाले ड्रिंक्स, क्राफ्ट बीयर और भारतीय क्राफ्ट स्पिरिट्स बढ़ेंगे। माइक्रो डाइनर्स, मल्टी-सेंसरी डाइनिंग और किसानों के साथ काम करने वाले शेफ फूड कल्चर को नया रूप देंगे।

पोषण

फाइबर मैक्सिंग 2026 का बड़ा हेल्थ ट्रेंड होगा- गट हेल्थ, मेटाबॉलिज्म और लॉन्गेविटी के लिए अधिक फाइबर पर जोर, सरल और विज्ञान-समर्थित समाधान।

समाज, रिश्ते, राजनीति और सामूहिक अनुभव

मनोरंजन

एआई के बढ़ते दखल के खिलाफ क्रिएटिव समुदाय अपनी पहचान और कॉपीराइट की रक्षा के लिए गार्डरेल्स की मांग करेगा। संतुलन की तलाश 2026 का बड़ा मुद्दा होगी।

संगीत

कॉन्सर्ट इकॉनमी बढ़ेगी। भारतीय और क्षेत्रीय संगीत शैलियां वैश्विक सहयोग के साथ उभरेंगी। कलाकार अपने फैनडम से सीधे जुड़ने के नए मॉडल खोजेंगे।

स्वास्थ्य

प्रेडिक्टिव हेल्थकेयर सामान्य होगा। वियरेबल्स और सेंसर से मिलने वाला डेटा एआई के जरिये रोजाना पर्सनल हेल्थ सलाह में बदलेगा।

स्पोर्ट्स

महिला क्रिकेट की सफलता 2026 में और विस्तार पा सकती है। यह साल महिला खेलों को व्यापक राष्ट्रीय पहचान दिलाने का अवसर होगा।

किड्स एंड फैमिली

किडल्टिंग बढ़ेगा- माता-पिता बच्चों के साथ खेलकर भावनात्मक जुड़ाव बनाएंगे। अनुभवात्मक सीख, समस्या-समाधान और वास्तविक दुनिया की खोज को प्राथमिकता मिलेगी।

यात्रा

बिलीजर ट्रैवल यानी काम और आराम का मेल भारत में बढ़ेगा। स्मार्ट एआई रिकमेंडेशन ट्रिप को ज्यादा असरदार बनाएंगे।

विश्व कप

48 टीमों वाला फुटबॉल विश्व कप खेल के साथ-साथ भू-राजनीति का भी मंच बनेगा, जहां मैदान के बाहर की राजनीति भी उतनी ही अहम होगी।

रिलेशनशिप

2026 रिश्तों के लिए ज्यादा स्पष्ट और ईमानदार हो सकता है। क्लियर-कोडिंग, इमोशनल ईमानदारी और दोस्तों के प्रभाव (फ्रेंडफ्लुएंस) की भूमिका बढ़ेगी।

युवा

सोबर पार्टियां, सेल्फ-अवेयरनेस और ऑथेंटिसिटी जेन जी की पहचान होंगी। 'पोस्टिंग जीरो' प्रोफाइल यानी बिना दिखाए मौजूद रहना, एक नया ट्रेंड बनेगा।

राजनीति

राष्ट्रीय स्तर पर अपेक्षाकृत शांति, लेकिन असम, बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में हाई-वोल्टेज चुनावी मुकाबले 2026 को राजनीतिक रूप से रोचक बनाएंगे।

युवा चेतना और समाज

2026 में तेज शोर से हटकर आत्म-चेतना, सामूहिक अनुभव और जिम्मेदार विकल्पों की ओर झुकाव साफ दिखेगा यानी कम दिखावा, ज्यादा अर्थ।

2026-दिशा चुनने का वर्ष

ज्यादा से अधिक टिकाऊ पर जोर

यही बात उपभोग और जीवनशैली पर भी लागू होती है। बीते दशक में 'ज्यादा' बेहतर माना गया। ज्यादा विकल्प, ज्यादा गति, ज्यादा दृश्यता। 2026 में इसके उलट संकेत मिलते हैं। कम लेकिन टिकाऊ, सीमित लेकिन अर्थपूर्ण, निजी लेकिन ईमानदार- ये शब्द सिर्फ ट्रेंड नहीं, बल्कि एक नई सामाजिक संवेदनशीलता का संकेत हैं। यह संवेदनशीलता बताती है कि थकान अब केवल शारीरिक नहीं, सांस्कृतिक भी है।

2026 को अगर महज ट्रेंड्स की सूची की तरह पढ़ा जाए, तो वह एक और 'फ्यूचर रिपोर्ट' बनकर रह जाएगा। लेकिन अगर इन बदलावों को एक साथ रखकर देखा जाए, तो साफ होता है कि 2026 असल में चयन का साल है- व्यक्ति के लिए भी और समाज के लिए भी। यह वह समय है जब सवाल 'क्या नया आ रहा है? से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है 'हम क्या स्वीकार करेंगे और क्या अस्वीकार करेंगे?'

धारणा को चुनौती: बीते सालों में दुनिया ने तेजी को विकास का पर्याय मान लिया था। 2026 उस धारणा को चुनौती देता दिखता है। तकनीक पहले से कहीं ज्यादा शक्तिशाली होगी, लेकिन उसका मूल्य इस बात से तय होगा कि वह मानवीय निर्णय को कितना सक्षम बनाती है, न कि कितना बदल देती है। ये औजार है। 2026 में असली बहस औजारों पर नहीं, नियंत्रण और जिम्मेदारी पर होगी।

धीरे-धीरे आकार लिया ट्रेंड्स ने

2026 में बदलाव थोपे हुए नहीं बल्कि धीरे-धीरे नीचे से आकार ले रहे हैं- युवाओं की पसंद में, रिश्तों की भाषा में, मनोरंजन के स्वरूप में, और यहां तक कि राजनीति की अपेक्षाओं में भी। यह पहली बार है जब बदलाव सजग और आत्म-जांच से भरा है।

'दिखना' अब 'होना' से कम महत्वपूर्ण: सांस्कृतिक स्तर पर साल 2026 का सबसे बड़ा बदलाव शायद यह है कि 'दिखना' अब 'होना' से कम महत्वपूर्ण होता जा रहा है। पोस्टिंग जीरो प्रोफाइल, निजी सर्कल्स, फोन-फ्री अनुभव- ये सब इस ओर इशारा करते हैं कि सार्वजनिक मंचों पर लगातार मौजूद रहना अब अनिवार्य नहीं रहा। यह वापसी है- अपने भीतर, अपने लोगों के बीच, अपने अनुभवों में।

कीचड़ में फंसी गर्भवती को ले जा रही एंबुलेंस, ट्रैक्टर से खींचकर निकाली

जागरण, मुरैना। जिले से लापरवाह सिस्टम की बेहद शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। जहां दो जानें आफत में फंस गई और कड़ी मशक्कत से उनकी जान बच सकी। मुरैना में गर्भवती को ले जा रही एंबुलेंस कीचड़ से भरे पानी में फंस गई, जिससे जच्चा और बच्चा की जान आफत में आ गई। गांव की रहने वाली ज्योति माहौर गर्भवती थी। अचानक उसे प्रसव पीड़ा हुई, जिसके बाद उसे एंबुलेंस से डिलीवरी के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था। इस दौरान पोरसा के जल का नगरा गांव में रास्ते पर भरे कीचड़ वाले पानी में एंबुलेंस फंस गई। डेढ़ घंटे तक प्रसूता पीड़ा से कराहती रही। ग्रामीणों ने हालत देख ट्रैक्टर से खींचकर एंबुलेंस निकाली। जिसके बाद महिला को फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया। हॉस्पिटल पहुंचते ही महिला ने बेटी को जन्म दिया। पानी की निकासी न होने से वहां पानी भर गया था व गाड़ियां नहीं निकल पा रही थी।

गेस्ट हाउस में महिला का गला रेतकर हत्या, प्रेमी गिरफ्तार

जागरण, शिवपुरी। जिले के नरवर कस्बे में एक गेस्ट हाउस के कमरे में एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में महिला के प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से शव बरामद कर पीएम के लिए भेजा है। मगरौनी चौकी क्षेत्र के इमलिया गांव निवासी गोकुल कोली और रिंकी कोली के बीच पिछले लगभग 10 वर्षों से प्रेम संबंध थे। दोनों परिवारों के बीच शादी को लेकर बातचीत भी हुई थी, लेकिन इस पर सहमति नहीं बन पाई। इसके बावजूद दोनों संपर्क में रहे। रिंकी का परिवार इस रिश्ते के खिलाफ था और इसी कारण गोकुल के साथ कई बार मारपीट भी की गई थी। कुछ साल पहले रिंकी की शादी ग्वालियर क्षेत्र के एक युवक से हुई थी और वह दो बच्चों की मां भी बनी। हालांकि, पिछले लगभग दो वर्षों से दंपति के बीच विवाद चल रहा था, जिसके कारण रिंकी का मायके आना-जाना बढ़ गया था। इसी अवधि में रिंकी और गोकुल के बीच फिर से संपर्क हो गया। घटना वाले दिन रिंकी अपने मायके में थी। दोनों अलग-अलग बहाने बनाकर सुबह करीब 10 बजे नरवर पहुंचे। उन्होंने अमर शांति गेस्ट हाउस में एक कमरा किराये पर लिया। कमरे के अंदर किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर गोकुल ने ब्लेड से रिंकी का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद गोकुल ने खुद गेस्ट हाउस रिसेप्शनिस्ट को घटना की जानकारी दी। रिसेप्शनिस्ट ने तत्काल पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

लापरवाही : 7 पुलिसकर्मी निलंबित

जागरण, नरसिंहपुर। जिले के स्टेशनगंज थाना क्षेत्र में 21 दिसंबर को हुए विवाद के दौरान लापरवाही करने पर एसपी डॉ. ऋषिकेश मीणा ने सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा एक सैनिक को होमगार्ड कार्यालय से संबद्ध कर दिया है। जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना समय पर स्टेशनगंज थाने को मिली थी। मौके पर आठ पुलिसकर्मी भेजे गए थे। घटना स्थल पर 20 से 22 लोगों की भीड़ मौजूद थी, लेकिन पुलिसकर्मियों ने न तो भीड़ को नियंत्रित किया और न ही कोई ठोस कार्रवाई की। इससे विवाद और बढ़ने का खतरा बना रहा। विभागीय जांच में पुलिसकर्मियों की गंभीर लापरवाही सामने आने पर कार्रवाई की गई।

शाजापुर के पीजी कॉलेज में फिल्मी अंदाज में राड, लाठी-डंडों से हमला

कैंपस बना अखाड़ा, दो दर्जन हमलावरों ने विद्यार्थियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

जागरण शाजापुर। शहर के पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार दोपहर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब करीब 20 से 25 युवकों ने कॉलेज परिसर में घुसकर छात्रों पर जानलेवा हमला कर दिया। लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से लैस हमलावरों ने छात्रों को बेरहमी से पीटा, जिसमें एक छात्र के सिर में गंभीर चोट आई है और कुल चार छात्र घायल हुए हैं। घटना का रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

फिल्मी अंदाज में आए और शुरू कर दी मारपीट

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोपहर करीब 3 बजे जब कॉलेज में शैक्षणिक गतिविधियां चल रही थीं, तभी अचानक बाहरी युवकों का एक बड़ा झुंड हाथों में पाइप और रॉड लेकर कैंपस में दाखिल हुआ। हमलावरों ने नियमित छात्र विजय धाकड़, अरविंद चौकुटिया और सुनील गुर्जर को निशाना बनाया। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि हमलावर छात्रों पर जमकर लट्ठ बरसा रहे हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राचार्य को सौंपा आवेदन

घटना के बाद गुस्साए छात्रों ने प्रभारी प्राचार्य को एक शिकायती आवेदन सौंपा। आवेदन में आरोपियों की नामजद शिकायत की गई। साथ ही छात्रों ने मांग की है कि आरोपियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और कॉलेज में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। इधर सूचना मिलते ही लालघाटी थाना पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। पुलिस ने छात्रों के बयान और वायरल वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

अस्पताल में भर्ती, सुरक्षा पर उठे सवाल

घायल छात्रों को तत्काल शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। इस विवाद के बाद कॉलेज परिसर में दहशत का माहौल है। छात्रों में प्रशासन और पुलिस के खिलाफ भारी आक्रोश देखा जा रहा है। छात्रों का कहना है कि बाहरी लोग बेखौफ होकर कॉलेज में घुस रहे हैं, जिससे उनकी जान को खतरा बना हुआ है।

कंटेनर से टकराई श्रद्धालुओं की जीप, चार की मौत

संगम स्नान के लिए प्रयागराज जाते समय हादसा

हादसे में घायल 12 लोगों का चल रहा इलाज

जागरण, मैहर। देहात (नादन) थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर ग्राम तिलोरा के पास सोमवार देर रात श्रद्धालुओं की जीप सामने जा रहे कंटेनर से टकरा गई। इस हादसे में जीप सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार जीप में 20 लोग सवार थे और सभी कटनी के एनकेजे पकरिया से प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में 4 जनवरी से शुरू हो रहे माघ मेले में शामिल होने जा रहे थे। सभी को संगम में स्नान करना था। इसी दौरान ग्राम तिलोरा के पास हाईवे पर उनकी जीप कंटेनर में पीछे से घुस गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से मैहर सिविल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। दोनों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वहीं, एक की रास्ते में मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल अस्पताल में गंभीर रूप से घायल 12 लोगों का इलाज जारी है। हादसे के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार हादसे में धोंगा पटेल (50) और ट्रैक्सी जीप चालक जितेंद्र प्यासी (24) की मौके पर मौत हो गई। एक महिला को कटनी रेफर किया गया था, जिसने रास्ते में दम तोड़ दिया, जबकि एक अन्य महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल दोनों मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। सिविल अस्पताल के ड्यूटी डॉ. जितेंद्र तिवारी ने बताया कि 12 लोग घायल हैं, जिनका इलाज मैहर सिविल अस्पताल और जिला अस्पताल में चल रहा है। घायलों में जगदीश पटेल, रामसहाय पटेल, राम प्रताप पटेल, मैंगो भाई पटेल, श्याम सुंदर पटेल, ओम पटेल, कृष्णा पटेल, सत्य प्रकाश पटेल, सत्यभान पटेल, संतलाल पटेल, सत्यम पटेल और रामप्रता पटेल शामिल हैं।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आई है। कार सवार कंटेनर में पीछे से घुसे हैं। इस घटना के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

● रेनू मिश्रा, देहात थाना प्रभारी

ठगों ने वाट्सएप चेक करने को कहा, रिटायर्ड अफसर के खाते से गायब हुए 5 लाख

जागरण, ग्वालियर। एक रिटायर्ड शासकीय अधिकारी साइबर ठगी का शिकार हो गए। ठगों ने उनसे केवल वॉट्सएप चेक करने को कहा और उनके खाते से 5 लाख रुपए गायब कर दिए। पीड़ित ने मंगलवार शाम एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। घटना ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र में रहने वाले रिटायर्ड अधिकारी रमेश सिंह के साथ हुई। रमेश सिंह ढाई साल पहले कोल इंडिया एनसीएल सिंगरौली से सुपरवाइजर पद से सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे ग्वालियर स्थित अपने घर पर रह रहे थे और हाल ही में उन्हें सेवानिवृत्ति से जुड़ी एक बड़ी रकम मिली थी, जो उनके बैंक खाते में जमा थी। रमेश ने बताया कि 22 दिसंबर को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। पहली बार उन्होंने कॉल नहीं उठाई, लेकिन दूसरी बार आने पर उन्होंने फोन रिसीव कर लिया। कॉल करने वाले ने उनसे कहा कि उसने वॉट्सएप पर कुछ भेजा है, उसे चेक कर लें। उन्होंने इसे फ्रॉड कॉल समझा, लेकिन इसी दौरान उनके मोबाइल पर ओटीपी और बैंक से 5 लाख रुपए कटने का मैसेज आ गया।

खाता होल्ड होने से बचे 2 लाख रुपए

खाते से अचानक रकम निकलने की जानकारी मिलते ही वे घबरा गए। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए रमेश सिंह तुरंत बैंक पहुंचे और शाखा प्रबंधक को पूरी जानकारी दी। समय रहते उनके बैंक खाते को फ्रीज करा दिया गया। इस दौरान साइबर ठगों ने खाते से दो लाख रुपए और ट्रांसफर करने की कोशिश की, लेकिन अकाउंट होल्ड हो जाने के कारण यह रकम सुरक्षित बच गई।

साइबर हेल्पलाइन नंबर पर की शिकायत

घटना के बाद पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही, साइबर सेल में भी एक शिकायती आवेदन दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम किसी अन्य बैंक खाते में ट्रांसफर की गई है, जिसकी साइबर पुलिस जांच कर रही है। मामले को लेकर सीएसपी रोबिन जैन ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है।

किसान की आंखों में मिर्ची झोंककर लूटे 25 लाख

जागरण अशोकनगर। जिले में एक किसान की आंखों में लुटेरों ने मिर्ची झोंक दी और 25 लाख रुपए से भरे दो बैग ले उड़े। मामला देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम तमोइया चक्क और और मोहरी गांव के बीच की है। देहात पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मालूम हो कि कुछ ही दिनों पहले शाढ़ौरा थाना क्षेत्र के ग्राम नगऊखेड़ी और रेलवे फाटक के बीच भी एक गल्ला व्यापारी से भी लूट की घटना हुई थी। तमोइया चक गांव के रहने वाले लखविंदर सिंह ने पुलिस को बताया है कि उन्हें कुछ लोगों के रुपए देने थे। वह और कुछ अन्य लोग धान मक्का बेंचने का काम करते हैं। इससे जो रुपये आए थे वे रुपए अशोकनगर के रामपुरा मोहल्ला में रहने वाले जज्जी को देने जा रहा था। लखविंदर के अनुसार उसके पास दो बैगों में पच्चीस लाख रुपये रखे थे। जब वह अपनी बाइक से यह रुपये देने के लिए अपने तमोइया स्थित घर से निकला तो मोहरी और तमोइया के बीच तीन लोगों ने उसे रोका। लखविंदर पलट कर गया तो उन्होंने एक खेत के बारे में पूछा कि क्या यह जमीन बिक रही है तो उसने इसकी जानकारी नहीं होने की बात कही। इसी बीच लुटेरों ने उसकी आंखों में मिर्च पावडर डाल दिया। लखविंदर के मुताबिक उन तीनों बदमाशों में से दो नकाबपोश थे जबकि तीसरा आदमी गेहूंआ रंग का था जिसने काले रंग की पैंट पहन रखी थी। घटना के बाद किसान ने चिल्ला-चिल्लाकर लोगों से मदद की गुहार लगाई थी पर किसी ने मदद नहीं की। बाद में एक परिचित मौके से गुजरा तो उसने लखविंदर के परिजनों को घटना की जानकारी दी। बाद में पुलिस ने फरियादी किसान का चिकित्सीय परीक्षण कराया और उसके बयानों की तस्दीक की जा रही है। मेडिकल रिर्पोट मेल नहीं खा रही है। घटनाः प्रथम दृष्टया मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीओपी विवेक शर्मा ने बताया कि उन्होंने जो घटनाक्रम बताया है वो घटनास्थल और उनकी मेडिकल रिर्पोट से मेल नहीं खा रही है। मामले में बारीकी से जांच की जा रही है।

पीएम रिपोर्ट में खुलासाः करंट से हुई बाघ की मौत

जागरण, सागर। जिले के ग्राम हिलगन में बीते दिनों बाघ का शव मिला था। बाघ की मौत करंट से हुई थी। इसका खुलासा पीएम रिपोर्ट से हुआ है। इस खुलासे के बाद वन अपराध दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही जारी है। सागर दक्षिण वनमंडल अधिकारी ने बताया कि ग्राम हिलगन में टोरिया की खेर माता बीट हिलगन से बाघ का शव बरामद किया था। एसओपी के दिशा निर्देश अनुसार त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल को सुरक्षित किया एवं वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के स्वान दल की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आसपास छानबीन की कार्यवाही की। पोस्टमार्टम विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सक के द्वारा किया गया है।

पांच की मौत मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी चौबे सस्पेंड

जागरण, छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के प्रस्ताव पर सागर कमिश्नर अनिल सुचारी ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेद प्रकाश चौबे को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई गौतम होटल एंड रिसोर्ट में खाना खाने से पांच लोगों की मौत होने और कुछ लोगों के बीमार होने पर की गई। खजुराहो में खाद्य पदार्थों के सैंपलों की संख्या शून्य पाई गई। कमिश्नर ने कलेक्टर छतरपुर से प्राप्त प्रस्ताव के अवलोकन एवं परिशीलन उपरांत छतरपुर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेद प्रकाश चौबे को प्रथम दृष्ट्या दोषी प्रतीत पाया। जिससे उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। उन्हें कलेक्टर कार्यालय अटैच किया गया है। 16 दिसंबर को भेजे प्रस्ताव में कलेक्टर ने अवगत कराया था कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय छतरपुर के जरिए छतरपुर एवं राजनगर क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेद प्रकाश चौथे को खाद्य पदार्थों की जांच के लिए आदेशित किया था।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं०- टीआरएस-जी-आरटी-ओ पीएन-02-आरएसपी-25-26, दिनांक-26-12-2025 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से सक्षम, अनुभवी ठेकेदारों/प्रतिष्ठानों जो इस प्रकार के कार्य का अनुभव रखते हो, से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेंडर (ओपेन) निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा कार्य का विवरण स्थान सहित: इंस्टालेशन, टेस्टिंग – कमीशनिंग ऑफ एयर कंडीसनर्स ऑन इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स। विद्युत लोको शेड-पंडित दीन दयाल उपाध्याय। एवं डीजल लोको शेड – पंडित दीन दयाल उपाध्याय। **2. अनुमानित लागत :** रु० 1,38,59,079.36, **3. धरोहर राशि :** रु० 2,19,300.00, **4. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक-21-01-2026 समय 13:00 बजे तक, दिनांक-21-01-2026 समय 15:00 बजे, **5. वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का विवरण जहां से निविदा की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है :** वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर निविदा उपलब्ध है। निविदा की विस्तृत जानकारी वरिष्ठ मंडल बिजली इंजी०/कचस्टा विद्युत लोको शेड पंडित दीन दयाल उपाध्याय के कार्यालय से ली जा सकती है।

मंडल रेल प्रबंधक/कचस्टा
पूर्व मध्य रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/1528/डीडीयू/डीआरएम/टीआरएस/टी/25-26/36

बिजनेस प्लस

मैक्स में जटिल सर्जरी कर बचाई महिला के चलने-फिरने की क्षमता

नई दिल्ली। मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग के डॉक्टरों ने एक दुर्लभ और जटिल मेडिकल इतिहास से जूझ रही 36 वर्षीय महिला मरीज की समय पर हिप इम्प्लांट रिवीजन सर्जरी कर उसकी चलने-फिरने की क्षमता सुरक्षित रखी है। मरीज के दाहिने हिप में करीब दस साल पहले बड़े सेल ट्यूमर की सर्जरी हो चुकी थी। लंबे समय तक नियमित फॉलो-अप के दौरान डॉक्टरों ने एनीयूरिज़्मल बोन सिस्ट का पता लगाया, जो तरल से भरी संरचना के कारण हड्डी को धीरे-धीरे कमजोर कर रही थी, हालांकि उस समय मरीज में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं थे। विस्तृत जांच में सामने आया कि हिप इम्प्लांट की प्लास्टिक लाइनिंग घिस चुकी है और इम्प्लांट हेड अपनी जगह से माइग्रेट हो रहा है, जिससे आसपास की हड्डियों को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ गया था। इस स्थिति को देखते हुए मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग, के सीनियर डायरेक्टर रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट एंड ऑर्थोपेडिक्स, डॉ. साइमन थॉमस ने समय रहते हिप इम्प्लांट रिवीजन का निर्णय लिया। सर्जरी के दौरान केवल घिसे हुए हिस्से को नए और अधिक टिकाऊ इम्प्लांट से बदला गया, जबकि बाकी इम्प्लांट सुरक्षित रखा गया। साथ ही प्रभावित टिश्यू को सावधानीपूर्वक हटाया गया, ताकि हड्डियों को और नुकसान न हो। सफल सर्जरी के बाद मरीज अगले ही दिन सामान्य रूप से चलने लगीं। यह मामला समय पर फॉलो-अप, सटीक निदान और उन्नत ऑर्थोपेडिक देखभाल के महत्व को रेखांकित करता है।

साहू लॉ चेम्बर के कैलेंडर का विमोचन

भोपाल। साहू लॉ चैंबर के कैलेंडर 2026 का विमोचन मंत्री कृष्णा गौर के हाथों हुआ। साहू लॉ चैंबर के कैलेंडर के एडिटर, ऑल इंडिया नोटरी एडवोकेट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट लायन महेश कुमार साहू एडवोकेट पिछले पच्चीस सालों से इसे पब्लिश कर रहे हैं। यह मल्टी-कलर कैलेंडर आम जनता को फ्री में बांटा जाता है। इस कैलेंडर में हाई कोर्ट की छुट्टियां, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की छुट्टियां और मध्य प्रदेश सरकार की छुट्टियां, बड़े नेताओं और अधिकारियों की जानकारी, और एमपीईबी, भोपाल के हॉस्पिटल, श्मशान घाट और शव वाहन के जरूरी टेलीफोन और मोबाइल नंबर शामिल हैं। इस मौके पर कैलेंडर के एडिटर लायन महेश कुमार साहू एडवोकेट, और ऑल इंडिया ओबीसी महासभा के नेशनल प्रेसिडेंट तुलसीराम पटेल एडवोकेट, संजय गुप्ता एडवोकेट, संजय कुमार सेन एडवोकेट, पीयूष साहू एडवोकेट, सोशल वर्कर मौजूद थे।

उदयन की बच्चियों ने महिला क्रिकेटरों से की खास मुलाकात

भोपाल। वित्तीय सुरक्षा से आगे बढ़कर सपनों को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, भारत के सबसे भरोसेमंद जीवन बीमाकर्ताओं में से एक और बीसीसीआई के आधिकारिक भागीदार एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने कोलकाता के 'उदयन एनजीओ' की पांच बालिकाओं के लिए एक विशेष 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम आयोजित किया। विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस आयोजन ने बच्चियों को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों से सीधे संवाद करने का प्रेरणादायक अवसर दिया। सुपर्णा महतो, एंजेल बाउरी, रोशनी कर्मकार, मिनाती बास्के और अनुराधा मांडी ने हरमनप्रीत कौर, स्नेह राणा, शेफाली वर्मा और हरलीन देओल जैसी दिग्गज खिलाड़ियों के साथ समय बिताया।

स्कॉलर' एस होम पब्लिक स्कूल में वार्षिक समारोह का आयोजन

भोपाल। स्कॉलर एस होम पब्लिक स्कूल में विद्यालय का वार्षिक समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे उत्सव का माहौल और भी मनोहारी हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में डीएस कुशवाह, निदेशक, लोक शिक्षण संचालनालय, मप्र उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि (गेस्ट ऑफ ऑनर) के रूप में डॉ. राजेश तिवारी, सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक, शिक्षा विभाग ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीवी रामचंद्र राव, मुख्य प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, भोपाल द्वारा की गई।

Kalyan Singh Super Specialty Cancer Institute
C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-226002
(An Autonomous Institute of the Govt. of Uttar Pradesh)
Website: http://cancerinstitute.edu.in/Email: executiveregistrar.kssscl@gmail.com
Mob. No. : 7839008062

VACANCY NOTICE FOR FACULTY POSTS ON CONTRACTUAL BASIS AT KSSSCI, LUCKNOW
(Advertisement No. KSSSCI/Rectt/ER-05/2025-26, Dated 23.12.2025)
Recruitment of Faculty in various Departments on Contractual basis at KSSSCI, Lucknow.

Start date of online payment of fees to start the application process	08-JAN-2026
Last date for online payment of fees to start the application process	07-FEB-2026
Last date for filling and submitting online application process	12-FEB-2026
Last date for receipt of hard copy of application	20-FEB-2026

Web link to see advertisement and fill application online: www.kssscl.com
Advt No. : KSSSCI/Rectt./ER-05/2025-26 Director

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम मर्यादित
पर्यटन भवन, भदभदा रोड, भोपाल-462003
फोन : +91-755-4027100, 2774340/42, www.mpstdc.com
क्रमांक 442/यांत्रिकी/पविनि/25 दिनांक : 30.12.2025
निविदा सूचना
मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम भोपाल द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा प्रपत्र APPENDIX 2.10 पर म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	नि.सू. क्र./सिस्टम आई.डी./कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि रु. लाख में
1.	226/2025_STDC_471872_1/पूर्वा फाल रीवा स्थित पूराने किसान भवन को पर्यटन निगम की इकाई में परिवर्तित करने हेतु रिनोवेशन, इंटीरियर, फर्निशिंग, आंतरिक विद्युतीकरण एवं अन्य विकास कार्य। (कार्यपूर्णता का समय 15 माह)	408.36
2.	227/2025_STDC_471874_1/ओरछा जिला निवाडी स्थित गढकुंडार फोर्ट में पीने के पानी की सुविधा, टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण एवं अन्य कार्य टॉयलेट ब्लॉक के 05 वर्ष के रख-रखाव सहित। (कार्यपूर्णता का समय 06 माह)	90.84
3.	228/2025_STDC_471875_1/दमोह स्थित शिव मंदिर, खर्राघाट के पास विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य। (कार्यपूर्णता का समय 08 माह)	78.00

वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्युमेंट) वेबसाइट के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 14.01.2026 समय सायं 05:00 बजे तक** निर्धारित है। कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
म.प्र. माध्यम/123730/2025 **कार्यपालन यंत्री**

M. P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
OFFICE OF THE DY. GENERAL MANAGER (IGC) DIVISION, MANDIDEEP
E-Mail : eeommandideep@gmail.com
DGM/IGC/DN/Pur/Enq./25-26/1718 Mandideep, Dated : 30.12.2025
OFFER FOR HIRING VEHICLE
MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations:-

Name of Unit/Office	Particulars	Due Date of submission of offer	Opening Date & Time
Dy. General Manager (IGC) Dn. MPMKVVCL. Mandideep	**Type G3 :** Light Commercial Vehicle (Non-AC) (3 to 5 metric ton), Truck or equivalent, etc.	09.01.2026 Up to 3:00 PM	09.01.2026 At 3:30 PM

Other details, terms and conditions are available on company website: **https://portal.mpcz.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/123740/2025 **DGM (IGC)**

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
जोन क्र. 02 (यांत्रिक विभाग)
क्र. 81/यां.वि/2025-26 भोपाल, दिनांक 29/12/2025
निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु पर सेन्टेज मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।
TENDER START DATE 29:12.2025 BID SUBMMISION END DATE 05.01.2026 OPEN DATE 06.01.2026

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर.	कार्य की अवधि
1	2025_UAD_463454_2	CONST OF DRAIN AND ROAD CROSS AT C-3 BLOCK BAJPAI NAGAR BASTI IDGAH HILL WARD NO.10 Z-02	271821	2718	2000	BUILDING ISSR 2021	02 month
2	2025_UAD_463463_2	CONST. OF BOUNDRY WALL FOUR SIDE AT BALLUMAL DHARMSHALA NEELKANT COLONY WARD NO.10 Z-02	897705	8977	2000	BUILDING ISSR 2021	02 month

नोटः- संशोधन वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे समाचार पत्रो में प्रकाशित नही होगें
1) प्रपत्र की निर्धारित राशि पर एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करने होगें एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी website https://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
2) किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।
3) सफलतम निविदाकार से अतिरिक्त परफॉर्मेंस गारंटी (Additional performance guarantee security) के रूप में, प्राप्त निविदा राशि (contract amount) एवं एस.ओ.आर से 10 प्रतिशत कम की निविदा राशि (cost of PAC @ 10% Below) के अंतर की राशि लिया जाना प्रावधानित है।

सहायक यंत्री
जोन क्र. 02
नगर निगम, भोपाल
नि. क्र. 2890/025/026

विजयी पंच के साथ भारत ने किया साल का यादगार अंत

पांचवें टी-20 में भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 15 रन से हराया

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। भारत ने पांचवें और अंतिम महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंगलवार को श्रीलंका को 15 रन से हराकर पांच मैच की सीरीज में 5-0 से क्लीनस्वीप किया। भारत के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम हसिनी परेरा (65 रन) और इमेशा दुलानी (50 रन) के अर्धशतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट की 79 रन की साझेदारी के बावजूद सात विकेट पर 160 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, श्री चरणी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 43 गेंद में नौ चौकों और एक छक्के से 68 रन की पारी खेलने के अलावा अमनजोत (21) के साथ छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को सात विकेट पर 175 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। अरुंधति ने अंत में 11 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 27 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी (11 रन पर दो विकेट), कप्तान चामरी अटापट्टू (21 रन पर दो विकेट) और रश्मिका सेवांडी (42 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट लिए। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ओवर में ही उन्होंने ओपनर शेफाली वर्मा का विकेट गंवा दिया था। लगातार तीन अर्धशतक के बाद शेफाली इस मैच में केवल पांच रन बना सकी। अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कर रही 17 साल की जी कमालिनी के लिए भी ये मैच बहुत अच्छा नहीं रहा और 12 गेंद में उनके बल्ले से केवल 12 रन ही निकले। भारत ने अपने पांच विकेट केवल 77 के स्कोर पर ही गंवा दिए थे। हालांकि एक छोर पर हरमनप्रीत की मौजूदगी जरूर उन्हें राहत का एहसास दिला रही थी। हरमनप्रीत ने संभलकर बल्लेबाजी की और 35 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

152 विकेट 133 मैचों में दीप्ति शर्मा के टी-20 अंतरराष्ट्रीय में हो गए हैं। इसके साथ ही वे सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मेगन शट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जिनके 123 मैचों में 151 विकेट हैं।

प्लेयर ऑफ द मैच
हरमनप्रीत कौर 63 रन
प्लेयर ऑफ द सीरीज
शेफाली वर्मा 241 रन

टी-20 रैंकिंग: शीर्ष पांच के करीब शेफाली-रेणुका

दुबई, जेएनएन। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और स्विंग गेंदबाज रेणुका सिंह आईसीसी टी-20 बल्लेबाजी और गेंदबाजी रैंकिंग में क्रमशः छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका के खिलाफ चल रही द्विपक्षीय सीरीज में शेफाली सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। उनके 236 रन दूसरे नंबर पर मौजूद स्मृति मांधना के 120 रनों से करीब दोगुने हैं। रेणुका भी सीरीज की सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों में शामिल हैं। उनके चार विकेट साथी दीप्ति शर्मा, वैष्णवी शर्मा और श्री चरणी के बराबर हैं। वहीं रेणुका ने आठ स्थान की उछाल के साथ संयुक्त छठा स्थान हासिल किया, जहां वह दक्षिण अफ्रीका की न्कुलेको म्लाबा के साथ हैं। इसमें खास भूमिका उनकी सीरीज के तीसरे मैच में 21 रन देकर चार विकेट की शानदार गेंदबाजी की रही। दीप्ति पिछले हफ्ते गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच चुकी हैं। शेफाली और रेणुका दोनों ने इस सीरीज में एक-एक प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी जीता है।

सिटी स्पोर्ट्स

आरएनटीयू की महिला टीम ने हॉकी में जीता रजत पदक

भोपाल। रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) की महिला टीम ने वेस्ट जोन हॉकी टूर्नामेंट में रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई भी कर लिया। टूर्नामेंट के अंतिम लीग मुकाबले में आरएनटीयू ने महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी (अजमेर) को 8-1 से शिकस्त दी। पलक गुप्ता और करमनप्रीत कौर गिल ने दो-दो गोल किए, जबकि भूमिक्षा साहू, योगिता वर्मा, आयुषी पटेल और खुशी कटारिया ने एक-एक गोल किया। दूसरे निर्णायक मुकाबले में टीम ने सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी को 3-1 से पराजित किया। इस मैच में गिल, अश्रिता ठाकुर और उषा कुमारी ने एक-एक गोल कर टीम की जीत और रजत पदक सुनिश्चित किया। उप-कप्तान अश्रिता प्लेयर ऑफ द मैच और भूमिक्षा बेस्ट स्ट्राइकर रही।

शूटिंग: शहर के करांशु ने दो स्वर्ण पदक पर साधा निशाना

भोपाल, खेप्र। शहर के करांशु मस्तकर ने 68वीं राज्य स्तरीय शालेय शूटिंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक अर्जित किए। अंडर-14 बालक वर्ग में उन्होंने 10 मीटर पिस्टल में 400 में से 371 स्कोर कर सोने का तमगा हासिल किया, जबकि टीम इवेंट में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जिताया। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर मॉडल स्कूल के करांशु का चयन स्कूल नेशनल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित नेशनल चैंपियनशिप के लिए हुआ।। शूटिंग नेशनल कैंप का आयोजन 30 दिसंबर से किया जा रहा है तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 5 जनवरी से भोपाल में होगी। विजेता खिलाड़ी को विद्यालय की प्राचार्य रेखा शर्मा, उप प्राचार्य आरके श्रीवास्तव और खेल अधिकारी दीवान चंद मौली ने बधाई दी।

मप्र के अमृत गुप्ता नेशनल चैंपियनशिप के फाइनल में

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश राज्य मुक्केबाजी अकादमी के खिलाड़ी अमृत गुप्ता ने 69वीं स्कूल नेशनल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। अंडर-14 बालक वर्ग के सेमीफाइनल में उन्होंने राजस्थान के मुक्केबाज को 5-0 से हराया। इससे क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मणिपुर के खिलाड़ी को 5-0 से और तेलंगाना के मुक्केबाज खिलाड़ी को 5-0 से एकतरफा शिकस्त दी थी। अमृत अकादमी में मुख्य कोच रोशनलाल से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

कृतिका ने जूनियर नेशनल तीरंदाजी में जीता स्वर्ण पदक

भोपाल, खेप्र। मध्य प्रदेश की कृतिका बिछपुरिया ने रायपुर में आयोजित 45वीं जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में रिकर्व महिला वर्ग के रैंकिंग राउंड में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले कृतिका ने नवंबर में जयपुर में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी सोने का तमगा हासिल किया था। 2016 से 2024 तक मध्य प्रदेश तीरंदाजी अकादमी जबलपुर में कृतिका ने तीरंदाजी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक रिचपाल सिंह सलारिया के मार्गदर्शन में तीरंदाजी खेल का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

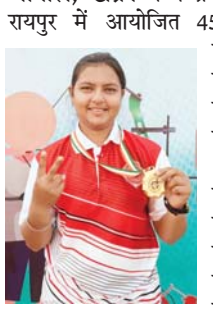

चोटिल जोफ्रा आर्चर और जॉश टंग टी-20 विश्व कप के लिए संभावित टीम में शामिल

जेएनएन, लंदन

तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को एशेज सीरीज के एडिलेड में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में चोटिल होने के बावजूद अगले साल फरवरी मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए मंगलवार को इंग्लैंड की 15 सदस्यीय संभावित टीम में शामिल किया गया। एडिलेड टेस्ट के दौरान आर्चर के बाएं पांव में खिंचाव आ गया था, जिसके कारण वह अगले दो टेस्ट मैच से बाहर हो गए थे। अन्य तेज गेंदबाज जोश टंग को हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। आर्चर हालांकि श्रीलंका के खिलाफ 22 जनवरी से होने वाली तीन वनडे और इतने ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच की सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि आर्चर को टी-20 विश्व कप की संभावित टीम में शामिल किया गया है, लेकिन वह श्रीलंका दौरे पर नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि इस महीने की शुरुआत में एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट के दौरान चोटिल होने के बाद वह

रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। आर्चर के 8 फरवरी को मुंबई में नेपाल के खिलाफ विश्व कप ग्रुप-सी के पहले मैच से पहले टीम से जुड़ने की संभावना है। ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों टीमों में लौटे हैं। जैक क्रॉली की भी वनडे टीम में वापसी हुई है, जिन्हें 2023 के बाद पहली बार चुना गया है। जॉर्डन कॉक्स और तेज गेंदबाज साकिब महमूद को जगह नहीं मिली है, जो घुटने की सर्जरी के बाद अब भी रिकवरी में हैं। इंग्लैंड टी-20 विश्व कप में आठ फरवरी को मुंबई में नेपाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

एशेज के बाद श्रीलंका के खिलाफ सीरीज
एशेज के बाद बेहद कम समय होने के बावजूद इंग्लैंड ने अपने टेस्ट खिलाड़ियों को आराम न देने का फैसला किया है। टीम 18 जनवरी को श्रीलंका के लिए रवाना होगी। वनडे टीम के सात खिलाड़ी पूरे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थे, जिनमें जो रूट भी शामिल हैं, जो मंगलवार को 35 साल के हो गए।

श्रीलंका में टी-20 सीरीज के लिए टीम: ब्रूक (कप्तान), रेहान, बेंटन, बेथेल, बटलर, ब्रायडन कार्स, कुरेन, डॉसन, डकेट, जैक्स, ओवरटन, राशिद, साल्ट, टंग, ल्यूक वुड।

वनडे सीरीज के लिए टीम: ब्रूक (कप्तान), रेहान, बेंटन, बेथेल, बटलर, कार्स, जैक क्रॉली, कुरेन, डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, ओवरटन, राशिद, जो रूट, वुड।

टी-20 विश्व कप के लिए टीम: हेरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टॉम बेंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, सैम कुरेन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जोश टंग, ल्यूक वुड।

12 साल का अंतर और 195 वनडे

घरेलू लिस्ट-ए क्रिकेट मैच से दूर होती अंतरराष्ट्रीय पीढ़ी

नई दिल्ली, जेएनएन। पिछले बुधवार को विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 की शुरुआत हुई और पहले ही दिन 22 बल्लेबाजों ने शतक लगाए। इनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली के शतक भी शामिल थे, जो लंबे समय के बाद यह टूर्नामेंट खेल रहे थे। रोहित ने इससे पहले भारत की घरेलू वनडे प्रतियोगिता 2018 में खेली थी, जबकि कोहली ने तो आखिरी बार 2010 में विजय हजारे ट्रॉफी में खेला था। कोहली की वापसी का एक और खास पहलू यह था कि उन्होंने पिछला गैर वनडे-लिस्ट ए मैच 2013 में खेला था। तब उन्होंने चैलेंजर ट्रॉफी में दिल्ली की कप्तानी की थी। यह आंकड़े दिखाते हैं कि अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर कितना व्यस्त है और स्थापित खिलाड़ियों के लिए घरेलू वनडे क्रिकेट का महत्व लगातार कम होता गया है। इसके अलावा अब विदेशी दौरों पर भी लिस्ट ए मैच लगभग खत्म हो चुके हैं। इंग्लैंड में 2002 तक हर सत्र में तीन घरेलू वनडे टूर्नामेंट आयोजित होते थे, लेकिन 2010 के बाद से केवल एक ही होता है। अब यह इंग्लिश समर में द हंड्रेड के साथ चलता है, जिससे कई प्रमुख खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में खेलने से चूक जाते हैं। इंग्लिश बल्लेबाज जेकब बेथेल ने इस साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में अपना पहला लिस्ट ए शतक लगाया। बेथेल से पहले इंग्लैंड के लिए वनडे शतक लगाने वाले 50 बल्लेबाजों में से केवल कीथ फ्लेचर ऐसे थे, जिन्होंने घरेलू शतक से पहले देश के लिए खेला था। बेथेल की तुलना में रितुराज गायकवाड ने इस महीने की शुरुआत में अपना पहला वनडे शतक लगाने से पहले ही 17 लिस्ट ए शतक बना लिए थे। उन्होंने 50 ओवर फॉर्मेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें फरवरी 2017 में लिस्ट ए डेब्यू पर लगाया गया बड़ा शतक भी शामिल है।

■ आंध्र के खिलाफ 50 ओवर फॉर्मेट में 195 अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद विराट का पहला कोई गैर वनडे-लिस्ट ए मैच था, जो विश्व रिकॉर्ड है। इंग्लैंड के वर्तमान कोच और न्यूजीलैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन मैक्कुलम ने 2009 से 2015 विश्व कप फाइनल तक लगातार 96 वनडे खेले थे। रोहित शर्मा 91 वनडे के साथ तीसरे स्थान पर हैं। उनका भी यह सिलसिला उसी दिन टूटा, जब उन्होंने सिक्किम के खिलाफ मुंबई के लिए विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेला।

■ कोहली के दो गैर वनडे लिस्ट-ए मैच 12 साल और 86 दिन के अंतराल पर आए। यह अंतर उन 460 खिलाड़ियों में सबसे लंबा है, जिन्होंने 70 या उससे अधिक वनडे खेले हैं। बुमराह, जिन्होंने 2023 विश्व कप फाइनल के बाद 50 ओवर मैच नहीं खेला है, सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनका पिछला गैर वनडे-लिस्ट-ए मैच जनवरी 2017 में था।

■ कुल 12 खिलाड़ी ऐसे रहे हैं, जिन्होंने सात या उससे अधिक साल तक कोई गैर वनडे-लिस्ट ए मैच नहीं खेला है, जबकि इस दौरान उन्होंने कम से कम 50 वनडे खेले। इनमें से 11 खिलाड़ी 2025 में सक्रिय क्रिकेटर हैं। इनमें से चार हाल की भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज का हिस्सा थे। विराट, डी कॉक, रोहित और रवींद्र जडेजा।

भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट मैच: ईडन गार्डंस की पिच को संतोषजनक रेटिंग

दुबई, जेएनएन। कोलकाता की जिस पिच पर पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीन दिन के अंदर हरा दिया था उसे आईसीसी के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने संतोषजनक रेटिंग दी है। इस रेटिंग का मतलब है कि ईडन गार्डन की पिच पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं होगी। संतोषजनक आईसीसी की चार-स्तरीय पिच रेटिंग प्रणाली का दूसरा स्तर है, जो बहुत अच्छा और असंतोषजनक के बीच आता है, जबकि सबसे निचले स्तर पर अनफिट रखा गया है। इस हफ्ते ये रेटिंग्स काफी चर्चा का विषय बनी हुई हैं, खासकर इसलिए क्योंकि एमसीजी की पिच को बॉक्सिंग डे ऐशेज टेस्ट के बाद असंतोषजनक रेटिंग और एक डिमेरिट पॉइंट मिला, जो महज दो दिन में खत्म हो गया था। कोलकाता टेस्ट की पिच पर पहले ओवर से ही असमान उछाल देखने को मिला, और जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, तेज टर्न भी ज्यादा दिखने लगा। इस पिच ने सीमर्स और स्पिनर्स दोनों को हथियार बना दिया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई, जबकि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पहले दिन पांच विकेट झटके। दोनों ही टीमें एक बार भी 200 का आंकड़ा पार नहीं कर सकीं और चौथी पारी में 124 के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 93 रन पर ढेर हो गया। मैच के दौरान और उसके बाद तक पिच बहस का केंद्र बनी रही।

ब्रैडमैन की भारत के खिलाफ सीरीज में पहनी गई बैगी ग्रीन कैप होगी नीलाम

सिडनी, जेएनएन। महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने भारत के 1947-48 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान जो बैगी ग्रीन कैप पहनी थी उसकी अगले महीने नीलामी की जाएगी। ब्रैडमैन ने उस सीरीज के दौरान भारतीय ऑलराउंडर श्रीरंगा वासुदेव सोहोनी को कैप उपहार में दी थी। वह एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरा था। ब्रैडमैन के युग की बची हुई अधिकांश बैगी ग्रीन कैप विभिन्न संग्रहालयों या निजी संग्रहों में रखी गई हैं, लेकिन इस कैप को कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया या बिक्री के लिए नहीं रखा गया। ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार यह कैप 75 वर्षों से अधिक समय से लगातार एक ही परिवार के स्वामित्व में रही है। लॉयड्स ऑक्शंस के ली हेम्स ने कहा कि यह क्रिकेट इतिहास की एक वास्तविक वस्तु

है, जिसे सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने व्यक्तिगत रूप से उपहार में दिया था। ब्रैडमैन के युग के टेस्ट क्रिकेटर प्रत्येक सीरीज के लिए अलग-अलग कैप पहनते थे। इस कैप की सार्वजनिक नीलामी की जाएगी। ब्रैडमैन को खेल के इतिहास का महानतम बल्लेबाज माना जाता है। उन्होंने भारत के खिलाफ 1947-48 की सीरीज में में छह पारियों में 178.75 के औसत से 715 रन बनाए थे। उन्होंने इस दौरान तीन शतक और एक दोहरा शतक लगाया था। ऑस्ट्रेलिया ने यह सीरीज 4-0 से जीती थी।

गुजरता साल 2025 यादगार लम्हे

जेएनएन, नई दिल्ली

चाहे वह क्रिकेट के मैदान की गहमागहमी हो या मुक्केबाजी का क्रूर रिंग, या फिर शतरंज के बोर्ड पर दिमागी खेल हो या निशानेबाजी और तीरंदाजी में सटीक लक्ष्य लगाना, वर्ष 2025 में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने प्रत्येक खेल में अपनी खास छाप छोड़ी। शतरंज में 19 वर्षीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख भारत की पहली महिला विश्व कप विजेता बनीं। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली क्रिकेट टीम ने मुश्किल दौर से उबरकर और सोशल मीडिया पर हो रहे ताने-बाने को नजरअंदाज करते हुए महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा। फुटबॉल के मैदान पर जहां पुरुष टाम एक के बाद एक झटके झेलती रही, वहीं महिला टीम ने अगले साल के एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालिफाई करके आशा की किरण जगाई। भारतीय महिला फुटबॉल टीम का यह प्रदर्शन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस बीच भारतीय पुरुष टीम ने लगातार निराशाजनक प्रदर्शन किया, जबकि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ में भी अव्यवस्था बनी रही। भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट

दिव्या देशमुख

टीम भी श्रीलंका से विश्व चैंपियन बनकर लौटी। दीपिका टीसी के नेतृत्व में इन महिलाओं ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल की। उन्होंने दिल दहला देने वाली कहानियां सुनाईं कि कैसे विश्व कप जीतने की चाह में उनके लिए दिन में तीन बार का भोजन भी किसी विलासिता से कम नहीं था।

भारतीय खेलों में नारी शक्ति ने दिखाया कमाल

तीरंदाजी में 18 साल की शीतल देवी न केवल बिना हाथ वाली पहली पैरा विश्व चैंपियन बनीं, बल्कि उन्होंने सक्षम शरीर वाले खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय टीम में भी जगह बनाई।

निशानेबाजी में 19 साल की सुरुचि सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में तीन व्यक्तिगत पदकों सहित चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर उस स्पर्धा में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें अब तक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर का दबदबा रहा था।

मुक्केबाजी में पुरुष खिलाड़ियों को साल भर संघर्ष करना पड़ा, लेकिन महिला खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। जैस्मीन लैंबोरिया और मीनाक्षी हुडा ने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर मनोबल बढ़ाया।

भारोत्तोलन में मीराबाई चानू की श्रेष्ठता को इस साल भी कोई चुनौती नहीं दे सका। टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मणिपुर की यह खिलाड़ी भले ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन इसके बावजूद वह इस खेल में भारत की अग्रणी खिलाड़ी बनी हुई हैं। पीठ की लगातार समस्या से जूझने के बावजूद मीराबाई ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। उनका पसंदीदा 49 किलोग्राम वर्ग अब ओलंपिक सूची का हिस्सा नहीं है। ऐसे में यह देखना बाकी है कि वह 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों के लिए किस तरह से तैयारी करती हैं।

कुश्ती में महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने यह सुनिश्चित किया कि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सेहरावत का निराशाजनक प्रदर्शन ही इस वर्ष चर्चा का एकमात्र विषय न हो। अंतिम ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता जो इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस साल कुश्ती डोपिंग विवादों और कुछ पहलवानों के अधिक वजन वर्ग के कारण प्रतियोगिताओं से बाहर होने के लिए अधिक चर्चा में रही थी।

सेना के ध्रुव-एनजी हेलिकॉप्टर में आम नागरिक कर सकेंगे सफर

उड्डयन मंत्री नायडू ने दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु, जेएनएन। नेक्स्ट जनरेशन सिविल हेलिकॉप्टर ध्रुव एनजी ने मंगलवार को बेंगलुरु हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हाल) के फैसिलिटी सेंटर से पहली उड़ान भरी। इसे हाल ने ही बनाया है। ध्रुव हेलिकॉप्टर अब तक सिर्फ सशस्त्र बलों की जरूरतें पूरी करता रहा है। आगे आम नागरिक भी इसमें सफर कर सकेंगे। इसका मकसद मेडिकल इमरजेंसी, पर्यटन, दूरदराज के इलाकों की कनेक्टिविटी और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में हेलिकॉप्टर सेवाओं को बढ़ाना है। इस मौके पर केंद्रीय सिविल एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू भी मौजूद थे। इससे पहले, भारतीय सेना ध्रुव हेलिकॉप्टर का पहाड़ों, रेगिस्तान और समुद्री इलाकों में अपने ऑपरेशन के लिए इस्तेमाल करती रही है। हाल तेजी से बढ़ रहे सिविल और यूटिलिटी हेलिकॉप्टर बाजार पर फोकस कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, एयर एम्बुलेंस, ऑफशोर ऑपरेशंस, आपदा राहत और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में मांग बढ़ रही है। इसी को देखते हुए सरकारी एयरोस्पेस कंपनी सैन्य प्लेटफॉर्म से आगे अपने दायरे का विस्तार करना चाहती है।

देश में एटीएम का उपयोग हुआ कम, 2300 हुए बंद

नई दिल्ली, जेएनएन। डिजिटल पेमेंट की बढ़ती पॉपुलैरिटी के कारण अब एटीएम का इस्तेमाल कम हो रहा है। इसका सीधा असर देश भर में लगे ऑटोमेटेड टेलर मशीनों की संख्या पर पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक की ट्रेंड एंड प्रोग्रेस ऑफ बैंकिंग इन इंडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में देश में कुल एटीएम की संख्या 2,360 यूनिट तक कम हो गई है। 31 मार्च 2025 तक देश में कुल एटीएम की संख्या 2,51,057 रह गई, जबकि पिछले साल (वित्त वर्ष 2024) यह आंकड़ा 2,53,417 था। आरबीआई ने कहा कि ग्राहक रोजमर्रा के लेन-देन के लिए नकदी निकालने के बजाय डिजिटल चैनलों का इस्तेमाल ज्यादा कर रहे हैं, जिससे एटीएम की जरूरत कम हो गई है।

2,53,417 एटीएम थे 2024 में
2,51,057 एटीएम बचे हैं 2025 में
2,360 एटीएम कम हुए 2025
79,884 एटीएम प्राइवेट सेक्टर के
77,117 एटीएम रह गए हैं
34,602 व्हाइट लेबल (इंडिपेंटडेंट) एटीएम थे
36,216 व्हाइट लेबल (इंडिपेंटडेंट) एटीएम बढ़े

एटीएम बंद करने में प्राइवेट सेक्टर सबसे आगे-प्राइवेट सेक्टर की एटीएम की संख्या 79,884 से घटकर 77,117 हो गई, जो सबसे तेज गिरावट है। वहीं पब्लिक सेक्टर बैंकों का नेटवर्क अब भी सबसे बड़ा है, लेकिन इनकी संख्या भी कम हुई है।

ब्रांच खोलने में पब्लिक सेक्टर बैंक आगे

एटीएम कम होने के बावजूद बैंकों की कुल शाखाएं बढ़ी हैं। 31 मार्च 2025 तक देश में कुल शाखाओं की संख्या 1.64 लाख हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले 2.8 प्रतिशत ज्यादा है। पब्लिक सेक्टर बैंक इस विस्तार में सबसे आगे रहे। नई शाखाएं खोलने में पब्लिक सेक्टर बैंकों का हिस्सा बढ़ा, जबकि प्राइवेट बैंकों का हिस्सा पिछले साल के 67.3 प्रतिशत से घटकर 51.8 प्रतिशत रह गया। पब्लिक सेक्टर बैंकों ने अपनी दो-तिहाई से ज्यादा शाखाएं ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोलीं।

शाह बोले-ममता घुसपैठ नहीं रोक सकतीं क्या पहलगाम हमला आपने कराया : ममता

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि शकुनि का चेला दुशासन बंगाल में जानकारी जुटाने आया है। जैसे ही चुनाव आते हैं, दुशासन और दुर्योधन दिखाई देने लगते हैं। आज बीजेपी कह रही है कि ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो फिर पेट्रापोल और अंडाल में जमीन किसने दी? बांकुरा में आयोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा- बीजेपी कहती है कि घुसपैठिए सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगाम में हमला आपने कराया था? दिल्ली में जो घटना हुई, उसके पीछे कौन था? बीजेपी एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान कर रही है। ममता का ये बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर आया है। पश्चिम बंगाल दौरे के दूसरे दिन आज शाह ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता सरकार घुसपैठ को रोक नहीं पा रही है। अगर राज्य में भाजपा सरकार बनी तो यहां परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। बंगाल में सभी योजनाएं डेड एंड पर पहुंच गई हैं।

मार्च-अप्रैल 2026 में होने हैं चुनाव: शाह बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर यहां पहुंचे हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा का कार्यकाल 7 मई 2026 तक है। चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में होना लगभग तय है। यहां कुल 294 सीटें हैं, टीएमसी की सरकार है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं।

घुसपैठ और महिला सुरक्षा पर बोले अमित शाह

टीएमसी के 15 साल के शासन में लोग भयभीत हैं। ममता बनर्जी सरकार चुनावी फायदे के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। मोदी सरकार देश में गरीबी का उन्मूलन कर रही है। बंगाल की जनता घुसपैठियों से त्रस्त है। क्या कोई सरकार ऐसी हो सकती है कि जो घुसपैठियों की पनाहगार बने। ये राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। दूसरी तरफ बंगाल सरकार महिलाओं को उनका अधिकार देने में विफल रही है। संदेशखाली, आरजी कर अस्पताल रेप केस समेत और भी मामले हैं। ममता सरकार इन्हें सुरक्षा देने में विफल रही है।

अमित शाह के ममता से सवाल

- कौन सरकार है जो बॉर्डर पर फेसिंग के लिए जगह नहीं दे रही है, वह सरकार आपकी है।
- घुसपैठिया गांव में घुसता है तो उस पर किसी तरह का एक्शन क्यों नहीं लिया जाता।
- आपकी सरकार क्या कर रही है, घुसपैठियों को वापस क्यों नहीं भेज रही।
- बंगाल की तरह कश्मीर, असम, त्रिपुरा के बॉर्डर पर घुसपैठ क्यों नहीं हो रही है।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा के बीच मयमन सिंह जिले से चौंकाने वाली घटना सामने आई है। भालुका उपजिला स्थित गारमेंट फैक्ट्री में सुरक्षा ड्यूटी के दौरान बजेंद्र बिस्वास (42) की गोली लगने से मौत हो गई। मामले में उनके ही साथी नोमान मिया(29) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वारदात सोमवार, शाम करीब 6.45 बजे मेहराबारी इलाके में स्थित सुल्ताना स्वेटर्स लि. (लाबीब ग्रुप) में हुई। बजेंद्र और नोमान फैक्ट्री में अंसार बैरक में तैनात थे। बातचीत के दौरान नोमान ने सरकारी शॉटगन को मजाक में बजेंद्र की ओर तान दिया। गोली बजेंद्र की बाईं जांघ में लगी। उन्हें तुरंत भालुका उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि,बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के बीच अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या मजाक में गोली चली या पीछे कोई साजिश थी? मृतक बजेंद्र बिस्वास सिलहट सदर के कादिरपुर गांव के रहने वाले थे और अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य बताए जा रहे हैं। वहीं आरोपी नोमान सुनामगंज जिले के ताहेरपुर थाना क्षेत्र का निवासी है।

घुसपैठियों को पालने-पोसने वाली पार्टी से भाजपा नहीं करेगी समझौता

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं भरोसा दिलाना चाहता हूं कि बीजेपी किसी भी हालत में उस राजनीतिक पार्टी के साथ कोई समझौता नहीं करेगी, जो अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देती है और अपने पक्के वोट बैंक को बचाने के लिए घुसपैठियों को पालती-पोसती है। घुसपैठ एक बहुत गंभीर मुद्दा है, क्योंकि इस खतरे की वजह से राज्य की डेमोग्राफी बदल रही है। जब तक घुसपैठ को रोका नहीं जाता तो आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल के लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ जाएंगी।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826065324
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 660/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

2025 गुजरता साल यादगार लम्हे

यह साल भोपाल के लिए मेट्रो विस्तार, औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के साथ-साथ कई स्थानीय और राष्ट्रीय चर्चाओं का वर्ष रहा। साल के शुरुआत में भोपाल में निवेश के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गई और साल के अंत तक भोपाल में मेट्रो का सफर शुरू हो गया।

भोपाल में विकास और उपलब्धियों के साथ भ्रष्टाचार के बड़े मामलों ने भी ध्यान खींचा

भोपाल-इंदौर में मेट्रो

इसी साल प्रदेश के दो बड़े शहरों इंदौर और भोपाल में मेट्रो चल पड़ी। मई के अंत में इंदौर में और दिसंबर में भोपाल से मेट्रो का कमर्शियल रन शुरु हुआ। भोपाल में मेट्रो ट्रेन का कमर्शियल रन शुरू होने के साथ ही शहरी परिवहन के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया। इसके साथ ही भोपाल प्रदेश का दूसरा और देश का मेट्रो सुविधा वाला 19वां शहर बन गया।

शाकिर मछली कांड

भोपाल में लव जिहाद और उससे जुड़े लड़कियों के यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग, ड्रग्स तथा धार्मिक दबाव के आरोपों का मामला व्यापक रूप से सुर्खियों में रहा। भोपाल में सकल हिंदू समाज नामक संगठन ने शारिक मछली को लव जिहाद और दुष्कर्म केस का मास्टरमाइंड बताया। कुछ युवतियों ने शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें प्यार के जाल में फंसाकर नशा देकर शारीरिक शोषण किया गया। इतना ही नहीं उनके अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया और शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया। साथ ही साथ धर्म परिवर्तन का भी दबाव बनाया गया। अगस्त में भोपाल प्रशासन ने मछली परिवार की कथित अवैध 10 करोड़ की कोठी पर बुलडोजर चलाया जिसे आरोपियों की अवैध गतिविधियों से जोड़ा गया था।

चिकित्सा क्षेत्र की उपलब्धियां

हमीदिया अस्पताल

राजधानी के हमीदिया अस्पताल में कैंसर, हार्ट और फेफड़ों से संबंधित बीमारी की जांच के लिए मार्डन सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन लगाई गई। इसके लिए अस्पताल में 24 करोड़ रुपये से दो हाईटेक मशीनें खरीदी गई। हमीदिया अस्पताल में दिल के रोगियों की गहन जांच और इलाज के लिए अत्याधुनिक कैथ लैब शुरू की गई।

भोपाल एम्स में पहला हार्ट ट्रांसप्लांट

राजधानी भोपाल के एम्स में पहली बार सफल हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया। 23 जनवरी को ट्रांसप्लांट के लिए ब्रेन डेड मरीज के हार्ट को जबलपुर से पीएम श्री एयर एंबुलेंस के जरिए भोपाल लाया गया था। कमाल की बात यह भी रही कि इस ट्रांसप्लांट के लिए जबलपुर, भोपाल और इंदौर में तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। इंदौर में ट्रांसप्लांट के लिए लिवर भेजा गया था। प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि इतने ग्रीन कॉरिडोर एक साथ बनाए गए हों। सागर जिले के ग्राम मानक्याई के रहने वाले बलिराम कुशवाहा (61 साल) की ब्रेन डेथ के बाद परिजनों ने उनके अंगदान का संकल्प लिया था।

भ्रष्टाचार के मामले

भोपाल में भ्रष्टाचार के कई बड़े मामले सामने आए, जिनमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग (आईटी), आर्थिक अपराध शाखा और लोकायुक्त संगठन द्वारा विभिन्न रसूखदार व्यक्तियों और कंपनियों पर छापे मारे गए।

पीडब्ल्यूडी के पूर्व चीफ इंजीनियर जीपी मेहरा

अक्टूबर 2025 में, लोकायुक्त संगठन ने रिटायर्ड पीडब्ल्यूडी इंजीनियर जीपी मेहरा के कई ठिकानों पर छापा मारा। उन पर आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप थे। इस कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए।

एसबीआई धोखाधड़ी मामला

प्रवर्तन निदेशालय ने 1266 करोड़ रुपये के भारतीय स्टेट बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले की जांच की। जांच के आधार पर, दुबई में स्थित 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई।

दिलीप गुप्ता छापा : नवंबर 2025 में कथित तौर पर 35.37 करोड़ रुपये हड़पने के आरोप में कारोबारी दिलीप गुप्ता (संभवतः दिलीप बिल्डकॉन से जुड़े) के ठिकानों पर छापे मारे। आयकर विभाग ने भी दिलीप बिल्डकॉन और उसके सहयोगियों पर छापेमारी की।

रियल एस्टेट कारोबारी राजेश शर्मा

राजधानी में भोपाल रियल एस्टेट कारोबारी राजेश शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू कर दी है। फर्जीवाड़ा आइसीआइसीआइ बैंक में खाता खोलकर किया है। इसमें कई बैंककर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध मिली। अंगूठा किसी का और अन्य डिटेल किसी और की होने पर बैंककर्मियों ने आपत्ति दर्ज क्यों नहीं कराई। बैंक अकाउंट से 12 दिन में 1.36 करोड़ से ज्यादा राशि राजेश शर्मा ने अपने करीबी के खाते में ट्रांसफर करवा दी।

अवैध ड्रग्स फैक्ट्रियां

भोपाल में दो बड़ी अवैध ड्रग्स फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ हुआ, जिनमें करोड़ों रुपये की ड्रग्स जब्त की गई राजस्व खुफिया निदेशालय ने ऑपरेशन क्रिस्टल ब्रेक के तहत भोपाल के जगदीशपुर (इस्लाम नगर) इलाके में एक गुप्त एमडी ड्रग्स निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई में करीब 61.2 किलोग्राम एमडी ड्रग्स और 541 किलोग्राम से अधिक कच्चा माल बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 92 करोड़ रुपये आंकी गई। इस फैक्ट्री का संचालन विदेश में अंडरवर्ल्ड से जुड़े हैं। धन हस्तांतरण के लिए हवाला चैनलों का इस्तेमाल किया गया था।

गुटखा कंपनियों पर छापा

आर्थिक अपराध शाखा ने भोपाल में तीन नामी गुटखा कंपनियों राजश्री, विमल और ब्लैक लेबल की फैक्ट्री पर छापेमारी की। गुटखे में मिलावट के साथ, बाल श्रम और करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी भी पकड़ी गयी। तीनों कंपनियों के यहां पड़े छापे में 100 करोड़ से अधिक का स्टॉक मिला। अनुमान के अनुसार 400 से 500 करोड़ रूपए के टैक्स चोरी का मामला सामने आया।

रेड सिग्नल पर बस हादसा

12 मई को बाणगंगा चौराहे पर रेड सिग्नल पर जेब्रा क्रासिंग के अंदर खड़े वाहनों को पीछे से तेज गति में आई स्कूल बस रौंद दिया। स्कूल बस का ब्रेक फेल होने से वह अनियंत्रित हो गई थी और चालक ने कंट्रोल खो दिया था। बस दो फोर व्हीलर और 6 टू व्हीलर वाहनों को टक्कर मारते हुए आगे निकल गई, इसकी चपेट में आने से जूनियर महिला डॉक्टर आयशा खान की मौके पर ही मृत्यु हो गई। बस के अगले पहिए में आयशा की स्कूटी भी फंस गई थी। जिसके कारण आयशा स्कूटी के साथ करीब 50 फीट तक घिसटती रही। लेकिन कुछ दूर बाद आयशा बस के पहिए के नीचे आ गई, डॉ आयशा की 15 दिन बाद शादी होने वाली थी।

साइंस हाउस मामला

सितंबर 2025 में, ईडी और आईटी की टीमों ने एक ऑटोमोबाइल कंपनी से जुड़े 40 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में भोपाल में कई स्थानों पर तलाशी ली। इसके अलावा, साइंस हाउस से जुड़े परिसरों पर भी लंबी आयकर छापेमारी हुई।

भीकनगांव मंडी में कपास खरीद बंद होने पर किसान आक्रोशित

जागरण, खरगोन। जिले की भीकनगांव मंडी में भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा कपास की खरीद बंद किए जाने के विरोध में किसानों ने मंगलवार को ढाई घंटे प्रदर्शन किया। दोपहर करीब 12 बजे 150 से अधिक किसानों ने खंडवा-बड़ोदरा हाईवे पर लेटकर धरना दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। दोपहर 2.30 बजे खरीदी आश्वासन दिया गया। भारतीय कपास निगम में स्लॉट बुक किसानों से खरीदी बुधवार से पूर्ववत होगी।

बड़ोदा के 108 लोग महाकाल मंदिर में सजावट करेंगे

जागरण, उज्जैन। नववर्ष पर 11 हजार डमरू और 5 लाख से अधिक रुद्राक्ष से महाकाल मंदिर के द्वार शिखर और महाकाल लोक के स्तम्भ सजाए जाएंगे। इसके लिए बड़ोदा की 108 लोगों की टीम उज्जैन पहुंची है। टीम के सदस्य 31 जनवरी की रात तक मंदिर में सजावट का काम पूरा करेंगे। बड़ोदा से आए नरेंद्र शाह ने बताया कि इससे पहले टीम ने केदारनाथ मंदिर में सजावट की थी। इस बार महाकाल मंदिर में मौका मिला है।

''ट्वीट ऑफ द डे''

रामदास आठवले
केंद्रीय मंत्री

महायुति के गठन के बाद से हम पूरी ईमानदारी और दृढ़ता से गठबंधन के साथ खड़े रहे हैं। हालांकि, आज सीट-शेयरिंग के संबंध में जो हुआ है वह विश्वासघात से कम नहीं है। बीजेपी ने देर रात सिर्फ 7 सीटों का प्रस्ताव दिया, लेकिन ऐन मौके पर नई जगहों पर उम्मीदवार खड़ा करना अब असंभव है। भले ही मुंबई में हमारी ताकत वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) से ज्यादा है। हमें सीट आवंटन में दरकिनार कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

तेजस सुपरफास्ट के फेरे 30 तक बढ़े

जागरण, इंदौर। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखकर मुंबई सेंट्रल से इंदौर के मध्य चलने वाली मुंबई सेंट्रल इंदौर तेजस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरे पुनः विस्तारित की जा रही है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि मुंबई सेंट्रल इंदौर तेजस स्पेशल, जिसका अंतिम फेरा 31 दिसंबर तक निर्धारित है, अब ये ट्रेन 30 जनवरी तक मुंबई सेंट्रल से प्रति सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलेगी। इसी प्रकार इंदौर मुंबई सेंट्रल तेजस स्पेशल, जिसका अंतिम फेरा एक जनवरी निर्धारित है। ये ट्रेन 31 जनवरी तक इंदौर से प्रति मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को चलेगी। यह ट्रेन पूर्व निर्धारित मार्ग, कोच कंपोजिशन, दिन एवं ठहराव के साथ ही चलेगी। इनमें कोई बदलाव नहीं किया है।

लसूड़िया में चॉकलेट फैक्ट्री में लगी आग

जागरण, इंदौर। शहर के लसूड़िया इलाके में एमआर 11 के पास मंगलवार दोपहर एक बजे चाकलेट फैक्ट्री में भीषण आगजनी की घटना हो गई। सूचना के बाद यहां पर फायर ब्रिगेड और पुलिस की गाड़ियां पहुंची। आग पर दो घंटे बाद काबू पा लिया, जिस बिल्डिंग में आग लगी थी वह पूरी तरह से गिर गई। लसूड़िया टीआई तारेश सोनी के मुताबिक केमको चाकलेट फैक्ट्री में कर्मचारियों ने करीब 1 बजे आग लगने की सूचना दी थी। इसके बाद दमकल को भी सूचित किया था। आग के चलते किसी तरह की जनहानि तो नहीं हुई है। आग फैक्ट्री के पीछे के हिस्से में लगी थी।

कोहरे से रेल यात्रियों को असुविधा न हो इसलिए एक्सट्रा रैक तैयार रखने के निर्देश

दिल्ली से आने वाली वंदे भारत यदि लेट हुई तो भी भोपाल से अपने समय पर ही जाएगी

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। उत्तर भारत में पड़ रही ठंड और कोहरे के कारण अधिकतर यात्री ट्रेनें समय से लेट चल रही हैं। इनके गंतव्य तक पहुंचने में घंटों की देरी हो रही है। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों की इस समस्या को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने एक आदेश जारी किया है, जो सीधे तौर पर उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक और इन जोन के अंतर्गत आने वाले मंडल रेल प्रबंधकों के लिए है। इस आदेश के मुताबिक कोहरे के दौरान यात्री ट्रेनों के संचालन पर जीएम और डीआरएम को सीधी नजर रखनी है। इन्हें कहा गया है कि आपका काम सिर्फ ट्रेन चलाना नहीं बल्कि इस बात का ध्यान रखना भी है कि यदि ट्रेन लेट होती है तो यात्रियों को समय पर भोजन उपलब्ध कराना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराना शामिल है।

आईआरसीटीसी को पहुंचाना होगा भोजन: अक्सर जब कोई अतिरिक्त या स्पेयर ट्रेन अचानक चलाई जाती है, तो उसमें खाना या बेडरोल की कमी हो जाती है। इस आदेश में साफ कहा गया है कि आईआरसीटीसी इन अतिरिक्त ट्रेनों में खाने-पीने का पूरा इंतजाम रखेगा। साफ-सफाई के लिए ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग स्टाफ और चादर-कंबल का इंतजाम भी पहले से रहेगा। इसके साथ साथ आईआरसीटीसी को एक वॉर रूम का संचालन करना होगा। इसका काम युद्ध स्तर पर यह देखना है कि कौन सी ट्रेन कहां फंसी है? यात्रियों को समय पर खाना मिल रहा है या नहीं? कैटरींग से जुड़ी शिकायतों का तुरंत निपटारा करना।

वंदे भारत पर फोकस, अन्य ट्रेनों के लिए भी निर्देश : कोहरे के कारण सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि जब आने वाली ट्रेन लेट होती है, तो वही ट्रेन वापस जाते समय भी लेट हो जाती है। इसे रोकने के लिए रेलवे ने बैकअप ट्रेनों (स्पेयर रैक) का इंतजाम किया है। इसके तहत यदि वंदे भारत और शताब्दी एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनें देरी से चल रही हैं तो उस स्थिति में पहले से खड़ी एक अतिरिक्त वंदे भारत को सही समय पर रवाना कर दिया जाएगा।

नार्दन रेलवे के अधिकारियों को रखना होगी पर पल पर नजर

गाड़ी नाम	- देरी का समय
पंजाब मेल	- 4 घंटे लेट
छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस	- 2 घंटे लेट
कुशी नगर एक्सप्रेस	- 2 घंटे लेट
दक्षिण एक्सप्रेस	- 5:20 मिनट
अमृतसर एक्सप्रेस	- 5 घंटे लेट
शान ए भोपाल	- 7 घंटे लेट
तुलसी एक्सप्रेस	- 9 घंटे लेट
मालवा एक्सप्रेस	- 9 घंटे
शताब्दी एक्सप्रेस	- 2 घंटे

स्टेशन से ट्रेन की शुरुआत समय पर होना चाहिए

रेलवे बोर्ड द्वारा आदेश का उद्देश्य साफ है, समय की बचत और यात्रियों की सुविधा। भले ही ट्रेन रास्ते में कोहरे के कारण धीमी हो जाए, लेकिन स्टेशन से उसकी शुरुआत बिल्कुल सही समय पर होनी चाहिए। अगर ट्रेन ट्रैक पर घंटों खड़ी रहे, तो यात्रियों को भूखा न रहना पड़े। जहां ट्रेनों की ज्यादा भीड़ है, वहां दूसरे इलाकों से खाली ट्रेनें भेजकर दबाव कम करना।

उत्तर भारत में कोहरे से दर्जनों गाड़ियां लेट

उत्तर भारत में पड़ने वाले घने का कोहरे का असर ट्रेनों पर साफ दिखाई दे रहा है। दिल्ली की ओर से भोपाल आने वाले ट्रेनें घंटों देरी से पहुंच रही हैं। मंगलवार को भी यही स्थिति रही। शताब्दी एक्सप्रेस से लेकर मालवा एक्सप्रेस तक सभी देरी से पहुंची।

10 साल के बच्चे को उठा ले गया तेंदुआ, मिला शव

बहन के साथ लकड़ी बीनने गया था, ड्रोन से तेंदुए को तलाश रहे वनकर्मी

जागरण, कटनी। बहन और अन्य बच्चों के साथ लकड़ी बीनने गए 10 साल के बच्चे पर अचानक तेंदुए ने हमला बोल दिया। तेंदुआ उसे जबड़े में दबाकर घने जंगल में ले गया। घटना के बाद बच्चों ने शोर मचाया तो ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच्चे को ढूंढ़ने जंगल के भीतर गए। यहां झाड़ियों में बालक का शव मिला। घटना कटनी की विजयराघवगढ़ तहसील के घुनौर गांव में मंगलवार दोपहर को घटित हुई। ग्रामीणों के मुताबिक दस साल का राज कोल अपनी बहन और दोस्तों के साथ जंगल में लकड़ी बीनने गया था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने उस पर झपट्टा मारा। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता या राज को बचाने का प्रयास करता, तेंदुआ उसे लेकर जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर जंगल की तरफ दौड़े, लेकिन तेंदुए का पता नहीं चल सका। बच्चे का शव घने जंगल के करीब 500 मीटर अंदर झाड़ियों के बीच मिला। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर गौरव शर्मा के नेतृत्व में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। तेंदुए की लोकेशन पता लगाने के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। टीम तेंदुए के पदचिह्नों के आधार पर उसकी दिशा का पता लगाने में जुटी है, उसे पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की कवायद भी शुरू कर दी गई है।

तेंदुए को तलाश रहेः एसडीओ

सब डिविजनल ऑफिसर (एसडीओ) सुरेश बरोले ने बताया कि करीब एक घंटे की तलाश के बाद बच्चे का शव घटनास्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर मिला। फिलहाल, तेंदुए की लोकेशन का पता लगाने के लिए क्षेत्र में खोजबीन लगातार जारी है। एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने कहा- पुलिस मौके पर पहुंची, तो पता चला कि तेंदुआ बच्चे को उठाकर जंगल की ओर ले गया है। तत्काल सर्चिंग अभियान शुरू किया, जिसमें बच्चे का शव बरामद हुआ। मामले की जांच की जा रही है।

मृत किसान की करोड़ों की जमीन फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी से बेची

मणीराज सिंह और उसके साथियों के खिलाफ एफआईआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लालच में इंसान किस हद तक जा सकता है, इसका चौंकाने वाला मामला राजधानी में सामने आया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने एक ऐसी ही जालसाजी का पर्दाफाश किया है, जिसमें किसान की मौत के बाद भी उसकी जमीन को अवैध तरीके से बेच दिया गया। इस मामले में मुख्य आरोपी मणीराज सिंह और उसके साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का केस दर्ज किया गया है। मामला भोपाल की हुजूर तहसील के ग्राम बरखेड़ा नाथू का है। यहां के निवासी किसान अचल सिंह मेवाड़ा ने 2018 में नेहरू नगर निवासी मणीराज सिंह के पक्ष में अपनी जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी (मुख्तारनामा) रजिस्टर कराई थी। नियम के मुताबिक, यह अधिकार केवल किसान के जीवित रहने तक ही मान्य था। 7 फरवरी 2022 को अचल सिंह मेवाड़ा का निधन हो गया और कानूनन उसी पल वह पावर ऑफ अटॉर्नी रद्द हो गई, लेकिन आरोपियों ने फर्जीवाड़ा कर करोड़ों की जमीन पर प्लॉट काटकर बेच दिए। ईओडब्ल्यू की जांच में सामने आया कि मणीराज सिंह ने किसान की मौत की खबर पंजीयन कार्यालय (रजिस्ट्री ऑफिस) से जानबूझकर छिपाई। कानूनी रूप से यह उसकी जिम्मेदारी थी कि वह प्रशासन को सूचित करे, लेकिन उसने इस अवैध दस्तावेज

का इस्तेमाल कर जमीन के टुकड़े कर प्लॉट बेचना शुरू कर दिया। किसान की मौत के बाद फरवरी 2022 से दिसंबर 2022 के बीच आरोपी ने उलकी जमीन की अलग अलग टुकडों में 9 रजिस्ट्रियां कर दूसरे खरीदारों को बेच डालीं। इस दौरान मणीराज ने खरीदारों को भी अंधेरे में रखा और प्लॉट बेचकर हासिल रकम हड़प ली। ग्राम बरखेड़ी निवासी योगेश कुशवाह की शिकायत पर जब ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू की, तो परतें खुलती चली गईं। टीम ने जब संपदा सॉफ्टवेयर का रिकॉर्ड खंगालकर किसान का मृत्यु प्रमाण पत्र और बैंकिंग ट्रांजेक्शन चेक किए एवं रजिस्ट्री ऑफिस के दस्तावेजों का मिलान किया तो साफ हो गया कि यह पूरी तरह से सोची-समझी साजिश थी। आरोपी ने यह जानते हुए कि किसान मर चुका है, इसके बाद भी सरकारी सिस्टम को धोखा दिया। जांच अधिकारियों का कहना है कि विवेचना जारी है और इस खेल में शामिल अन्य लोगों पर भी जल्द गाज गिर सकती है।

पत्नी को किचन में बंद कर डीजल से जिंदा जलाया

जागरण, बुरहानपुर। बुरहानपुर में एक युवक ने अपनी अपनी पत्नी को किचन में बंद कर उस पर डीजल डालकर जिंदा जला दिया। महिला गंभीर रूप से झुलस गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना बहादरपुर गांव में मंगलवार सुबह करीब की है। जानकारी अनुसार ज्योति (33) और उसके पति अरुण का दो दिन से विवाद चल रहा था। सुबह भी दोनों में झगड़ा हुआ, जिसके बाद अरुण ने ज्योति को आग के हवाले कर दिया। ज्योति को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नई रिसर्च: अकालों से हुआ सिंधु घाटी सभ्यता का पतन

नई दिल्ली, जेएनएन। सिंधु घाटी सभ्यता का अंत कैसे और कब हुआ? यह सवाल दशकों से इतिहासकारों और वैज्ञानिकों को उलझाता रहा है। युद्ध, बाढ़, नदी का मार्ग बदलना या अचानक प्राकृतिक आपदा, इन तमाम सिद्धांतों के बीच अब एक नई रिसर्च ने सभ्यता के पतन की अधिक ठोस और क्रमिक तस्वीर पेश की है। ताजा अध्ययन बताता है कि सिंधु घाटी सभ्यता का पतन किसी एक विनाशकारी घटना से नहीं, बल्कि सदियों तक बार-बार पड़े लंबे सूखों (अकालों) की श्रृंखला से हुआ।यह अध्ययन आईआईटी गांधीनगर के शोधकर्ताओं और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने किया है, जो प्रतिष्ठित जर्नल कम्युनिकेशन्स अर्थ एंड एनवॉयरमेंट (नेचर समूह) में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन का शीर्षक है- 'नदी के सूखे के दबाव ने बदला हड़प्पा सभ्यता का स्वरूप।' इनमें से तीन अकालों ने सभ्यता के करीब 85 फीसदी क्षेत्र को प्रभावित किया। शोध में यह भी सामने आया कि तीसरे सूखे के दौरान वार्षिक वर्षा में करीब 13 फीसदी की कमी आई।

सूखों की श्रृंखला, अचानक पतन नहीं
शोध के मुताबिक, सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियां इस सभ्यता की जीवनरेखा थीं। कृषि, व्यापार और शहरी जीवन इन्हीं जल-स्रोतों पर निर्भर था। लेकिन हड़प्पा काल (आज से लगभग 4500-3900 वर्ष पहले) के दौरान चार बड़े सूखे पड़े।

ओम स्मेल्टर्स एंड रोलर्स पर सीजीएसटी की कार्रवाई

मौके पर जमा कराया 1.05 करोड़ का टैक्स

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) भोपाल की प्रिवेंटिव विंग ने टैक्स चोरी को लेकर डबरा के भरथरी गांव स्थित ओम स्मेल्टर्स एंड रोलर्स प्राइवेट लिमिटेड में वित्तीय अनियमितताएं पकड़ी हैं। फर्म ने स्वेच्छा से 1.05 करोड़ रुपये का बकाया कर जमा कर दिया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार सीजीएसटी भोपाल को खुफिया जानकारी मिली थी कि ओम स्मेल्टर्स एंड रोलर्स द्वारा सीजीएसटी एक्ट 2017 की धारा 16 का उल्लंघन कर रही है। जांच में यह भी पाया गया कि कंपनी ने नियमों के खिलाफ जाकर गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी का भी लाभ उठाया था।

जांच के दौरान स्टॉक भी मिला कम : टीम ने दस्तावेजों की पड़ताल की तो तैयार माल का स्टॉक भी कागजी रिकॉर्ड की तुलना में कम पाया गया। अधिकारियों के सामने फर्म के संचालकों ने इन विसंगतियों को स्वीकार किया। कार्यवाही के दौरान अपनी गलती स्वीकार करते हुए फर्म द्वारा अनियमित आईटीसी के दावों और स्टॉक में पाई गई कमी को लेकर कुल 1.05 करोड़ रुपए की राशि सरकारी खजाने में स्वेच्छा से जमा करा दी गई है। विभाग अब इस मामले से जुड़े अन्य दस्तावेजों और लेनदेन की गहनता से जांच कर रहा है ताकि टैक्स चोरी के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

एआरटीओ और क्लर्क पत्नी की 3.38 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भोपाल यूनिट ने परिवहन विभाग के सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) संतोष पॉल और उसकी पत्नी परिवहन विभाग की ही सीनियर क्लर्क रेखा पॉल की 3.38 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी कुर्क कर ली है। जांच में सामने आया है कि दंपती ने अपनी वैध आय से लगभग साढ़े छह गुना ज्यादा की प्रॉपर्टी बनाई थी। ईडी ने यह एक्शन तीन साल पहले आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर लिया है। जांच के दौरान पता चला कि संतोष पॉल और रेखा पॉल की वैध आय केवल 73.26 लाख रुपए थी, जबकि उन्होंने लगभग 4.80 करोड़ रुपये की संपत्ति बनाई थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी अपने बैंक खातों में लोन की ईएमआई चुकाने से ठीक पहले सुनियोजित तरीके से नकद राशि जमा कराते थे। यह बेहिसाब कैश को बैंकिंग प्रणाली में शामिल करने का एक तरीका था। ईडी ने पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत जबलपुर जिले में स्थित आवासीय मकान, आवासीय भूखंड, कृषि भूमि और व्यावसायिक दुकानों को अपराध की आय के रूप में जब्त किया है। गौरतलब है कि ईओडब्ल्यू ने अगस्त 2022 में संतोष पॉल के ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें उनके घर में एक आलीशान निजी थिएटर और 16 लाख रुपए नकद बरामद हुए थे।

एसआईआर परिजन बोले-परिवार भारत में तो क्यों काटा जा रहा विदेश में रह रहे परिवार के सदस्य का नाम

विदेश जा रहे हैं तो भरें फार्म 6ए, मिलेगा मतदान का अधिकार

पते पर मतदाता मौजूद नहीं, तो कटेगा सूची से नामः उपजिला निर्वाचन अधिकारी

जागरण संवाददाता, भोपाल। देश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के दौरान कई ऐसे मतदाताओं के नाम भी काट दिए गए हैं, जो शिक्षा या रोजगार के चलते किसी अन्य देश में जाकर बस गए हैं। भोपाल शहर से भी उच्च शिक्षा हासिल करने विदेश गए छात्रों और रोजगार हासिल करने के लिए विदेश गए लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने नो मैपिंग वाले मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करने के दौरान स्वयं विदेश गए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटवाए थे। इस दौरान परिजनों के मन में सवाल था कि यदि परिजन भोपाल में हैं और परिवार का एक सदस्य विदेश में रहकर पढ़ाई या नौकरी कर रहा है, तो उसका नाम मतदाता सूची से क्यों काटा जा रहा है? जबकि मतदाता के पास अब भी भारत की नागरिकता है और वह कुछ साल बाद भारत आकर चुनाव के दौरान मतदान भी करेगा। तो मतदाता इन आसान स्टेप्स से समझ सकते हैं कि वे विदेश में रहकर भी भारत की मतदाता सूची में कैसे जुड़े रह सकते हैं और शिफ्टेड मतदाताओं के नाम भी यदि मतदाता सूची से काट दिए गए हैं, तो वे मतदाता सूची में नाम कैसे जुड़वा सकते हैं? उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने दैनिक जागरण को इस पर विस्तार से जानकारी दी।

सवालः एसआईआर के दौरान ऐसे मतदाताओं के नाम भी काट दिए गए हैं, जो शिक्षा या रोजगार के उद्देश्य से विदेश में बस गए हैं?

हर उस मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटाया गया है, जिसके नाम पर गणना पत्रक जारी हुआ और वह दिए गए पते पर बीएलओ को नहीं मिला। अब भले उस मतदाता के परिवार वाले दिए गए पते पर मौजूद हों। यदि मतदाता स्वयं मौजूद नहीं है, तो उसका नाम काटा जा रहा है।

सवालः तो जो मतदाता विदेश चले गए हैं, उन्हें एसआईआर के बाद मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने में परेशानी आएगी।

बिल्कुल नहीं! मतदाता विदेश में रहकर भी भारत की मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाकर प्रवासी मतदाता बन सकते हैं। लेकिन इस काम की जिम्मेदारी मतदाता की होती है। इसके लिए मतदाता को निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर जाकर फार्म 6ए अप्लाई करना

होता है और उसे प्रवासी मतदाता के रूप में चिन्हित कर लिया जाता है।

सवालः विदेश गए मतदाता जब भारत आएंगे, क्या तब वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकेंगे?

-बिल्कुल वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकेंगे, लेकिन उन्हें 2003 की सूची के अनुसार अपनी मैपिंग भी करवानी होगी। क्योंकि पहले जिला स्तर पर वोटर लिस्ट तैयार होती थी, ऐसे में कई बार मतदाता का नाम दूसरे जिले या राज्य में होने पर उसकी जानकारी नहीं मिल पाती थी। 2014 से वोटर लिस्ट का भारत निर्वाचन आयोग के अधीन हो गई है। तब से ही इसे पूरी तरह से शुद्ध करने का काम किया जा रहा है। इस बार हुए एसआईआर के दौरान मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध हो जाएगी।

सवालः विदेश में बसे मतदाताओं के अलावा ऐसे मतदाता जिनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं, लेकिन वे कहीं और शिफ्ट हो गए हैं। उनके नाम कैसे जुड़ेंगे?

एसआईआर कार्य के दौरान कई मतदाता एक राज्य से दूसरे राज्य या दूसरे शहर या जिले में किसी दूसरी विधानसभा में जाकर बस गए हैं। ऐसे मतदाताओं को अपने वर्तमान पते के मतदान केंद्र पर जाकर बीएलओ से फार्म 6 लेना होगा। साथ ही घोषणा पत्र के माध्यम से जानकारी भरनी होगी कि वे या उनके माता पिता का नाम 2003 की मतदाता सूची में शामिल था। उनके नाम को मतदाता सूची में जोड़ लिया जाएगा।

सलमान की 'बैटल ऑफ गलवान' पर चीन नाराज

चीनी मीडिया बोला-अभी रिलीज का सही समय नहीं

बीजिंग, जेएनएन। सलमान खान की आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चीन ने नाराजगी जताई है। फिल्म के सीन्स को हकीकत से अलग बताया जा रहा है। कई लोग इसके ट्रेलर के कुछ सीन की हॉलीवुड के गेम ऑफ थ्रोन्स से तुलना कर रहे हैं। चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने एक आर्टिकल भी छापा है, जिसका टाइटल है-'बैटल ऑफ गलवान' फिल्म पर विवाद, फिल्म चाहे कितनी भी नाटकीय हो, देश की सीमा पर असर नहीं डाल सकती। एक्सपर्ट के हवाले से लिखा कि जब चीन-भारत के रिश्तों में सुधार हो रहा है, तो फिल्म का रिलीज होना गलत है। यह फिल्म सिर्फ भारतीय नजरिए को पेश कर चीन विरोधी भावना बढ़ा सकती है। फिल्म का ट्रेलर 27 दिसंबर को सलमान खान के जन्मदिन पर रिलीज हुआ था।

चीनी दावा और हकीकत
चीन सरकार के मुताबिक झड़प में 4 चीनी अधिकारी और सैनिक शहीद हुए और एक गंभीर रूप से घायल हुआ। हालांकि, चीन के इस दावे पर दुनियाभर में शक जताया जाता है। ऑस्ट्रेलिया की न्यूज साइट 'द क्लैक्सन' ने फरवरी 2022 में एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में दावा किया था कि गलवान झड़प में चीन को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक संघर्ष में चीन के 4 नहीं 38 सैनिक मारे गए थे।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।